बैशाख शुक्ल पक्ष त्रयोदशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

मंगलवार, 21 मई 2024
वर्ष 2, अंक 270, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

अंटार्कटिक बर्फ के नीचे से दुर्लभ न्यूट्रिनो की खोज 14

यामी गौतम-आदित्य धर के घर बेटे का जन्म 2

सड़क हादसे में मां-बेटे, मौसी की मौत

कार्यालय संवाददाता, सरसौल (कानपुर)

- महाराजपुर थाना क्षेत्र में हाईवे पर खड़े ट्रक में घुसी कार

अमृत विचार : महाराजपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह कानपुर से फतेहपुर की ओर जा रही एक कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में घुस गई। हादसे में कार सवार मां-बेटे और मौसी की मौत हो गई, बच्ची समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

कर्नलगंज थानाक्षेत्र के ईदगाह कालोनी निवासी मोहम्मद कादरी तौहीद (50) दिल्ली में आईटीआई कर रहे बेटे अदनान उर्फ अब्दुल रहमान (19) और पत्नी नूर फातिमा (33) के साथ दिल्ली में रहते थे। वह ट्रैवेल्स का काम करते थे। रविवार को मोहम्मद कादरी तौहीद के साले मुज्जसिर का परेड स्थित राजा गैलेक्सी से वलीमा था। दिल्ली से कार से कादरी तौहीद, बेटा अदनान, पत्नी नूर फातिमा व मुंबई निवासी साली रीना और उसकी बेटी अमायरा (5) शामिल होने आए थे। सोमवार सुबह पांचों अर्टिगा कार से ददिहाल जिला फतेहपुर के गांव खैरई जा रहे थे। महाराजपुर थाना क्षेत्र की पुरमावीर चौकी क्षेत्र में स्थित विराट ढाबा के पास उनकी तेज रफ्तार कार खड़े ट्रक में पीछे से घुस गई। हादसे में कार चला रहे अदनान, मां नूर फातिमा और मौसी रीना की मौके पर ही मौत हो गई। कादरी तौहीद और अमायरा गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को कांशीराम अस्पताल भिजवाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को हैलट रेफर कर दिया गया। महाराजपुर थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार भाटी ने बताया कि हादसे का कारण कार चालक को झपकी आना माना जा रहा है।

हेलीकॉप्टर हादसे में ईरान के राष्ट्रपति की मौत

- विदेश मंत्री सहित कई अन्य के शव भी मिले
- अजरबैजान में हेलीकॉप्टर हुआ था दुर्घटनाग्रस्त

दुबई, एजेंसी

ईरान के उत्तर-पश्चिम स्थित पहाड़ी क्षेत्र में खराब मौसम की वजह से हुए हेलीकॉप्टर हादसे में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री और अन्य लोग दुर्घटनास्थल पर मृत पाए गए । देश की सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। इब्राहिम रईसी की मौत के बाद प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर को देश का कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किया गया है। सरकारी टीवी ने पूर्वी अजरबैजान प्रांत में हुए हादसे का कोई कारण अभी नहीं बताया है। रईसी हादसे के समय ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत में यात्रा कर रहे थे। हादसे में रईसी के साथ मिले शवों में ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीराब्दुल्लाहियन (60) का शव भी शामिल है।

दुर्घटनास्थल पर पहुंचे बचाव दल के कर्मचारी। ● एजेंसी

सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, रईसी के साथ ईरान के विदेश मंत्री अमीराब्दुल्लाहियन, ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत के गवर्नर एवं अन्य अधिकारी और अंगरक्षक भी यात्रा कर रहे थे। ईरान द्वारा रईसी के निधन की पुष्टि किए जाने के बाद कि दुर्घटना में कोई भी जीवित नहीं बचा है, दुनिया भर से शोक संदेश आने शुरू हो गए। पाकिस्तान ने रईसी के निधन पर एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है।वहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश दुख की इस घड़ी में ईरान के साथ खड़ा है। मिस्र और जॉर्डन के नेताओं ने भी रईसी के निधन पर शोक जताया है। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल अशद ने भी ईरान के राष्ट्रपति के निधन पर शोक व्यक्त किया है। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने कहा कि वह और उनकी सरकार हादसे से गहरे सदमे में हैं।

उपराष्ट्रपति मोखबर बने कार्यवाहक राष्ट्रपति

भारत में एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा

नई दिल्ली। भारत ने ईरान के राष्ट्रपति डॉ. सैयद इब्राहिम रईसी और विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियान की मृत्यु पर उनके सम्मान में देश भर में 21 मई यानी मंगलवार को एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय की ओर से कहा गया कि रईसी व अब्दुल्लाहियान की मृत्यु पर उनके सम्मान में देश भर में 21 मई मंगलवार को राजकीय शोक घोषित किया गया है। इस दौरान देशभर में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और कोई आधिकारिक मनोरंजन गतिविधि नहीं होगी।

एक नजर

नए क्रिमिनल कानूनों के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता में आमूलचूल परिवर्तन लाने वाले तीन नए कानूनों को लागू करने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से सोमवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की अवकाशकालीन पीठ ने याचिकाकर्ता एवं वकील विशाल तिवारी को याचिका वापस लेने की अनुमति दी। पीठ ने यह कहा कि याचिका बहुत ही अनौपचारिक और अशिष्ट तरीके से दायर की गई है। अगर आप और बहस करते तो हम जुर्माना लगाने के साथ इसे खारिज कर देते।

राजस्थान में 10 दवाओं की आपूर्ति पर प्रतिबंध

जयपुर। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन ने 10 दवाओं के नमूने मानक के विपरीत पाए जाने पर 08 कम्पनियों को इनकी आपूर्ति के लिए प्रतिबंधित किया है। कारपोरेशन की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने बताया कि अग्रोन रेमेडीज को कफ सिरप एवं क्लोरमफेनिकल आई ड्रॉप, अलायन्स बायोटेक को हाइड्रोकोर्टीसोन सोडियम इंजेक्शन, एएनजी लाइफ को आर्टसुनेट इंजेक्शन, लिनस लाइफ केयर को डोरजोलामाइड आई ड्रॉप, मैक्सवेल लाइफ साइंसेज को सालब्यूटामॉल सिरप की आपूर्ति के लिए निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंधित किया है।

14 सीटों पर लगभग 58% वोटिंग

पांचवां चरण : सबसे ज्यादा बाराबंकी में 67.10% व सबसे कम लखनऊ 52.23% वोटिंग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मतदान के बाद अमिट स्याही दिखाते केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी, कौशल किशोर और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

- लखनऊ पूर्व विधानसभा सीट पर 52.45 प्रतिशत मतदान
- दोपहर में धीमा रहा मतदान, कई जगह ईवीएम में खराबी

अमृत विचार : प्रदेश में पांचवें चरण की 14 लोकसभा सीटों पर शाम छह बजे तक लगभग 58 प्रतिशत मतदान हुआ। सबसे ज्यादा बाराबंकी में 67.10 प्रतिशत व सबसे कम लखनऊ 52.23 प्रतिशत मतदान रहा। लखनऊ पूर्व विधानसभा सीट के उप चुनाव में 52.45 प्रतिशत मतदान हुआ। भीषण गर्मी के कारण दोपहर में मतदान धीमा रहा, शाम के वक्त लोगों ने मतदान में ज्यादा रुचि दिखाई। कई मतदान केंद्रों पर खराबी की शिकायत पर ईवीएम बदलकर मतदान कराया गया। छिटपुट घटनाओं के बीच मतदान शांतिपूर्ण रहा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि शाम छह बजे तक जिलों से प्राप्त जानकारी के आधार पर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल औसत मतदान 57.98 प्रतिशत हुआ। इसमें मोहनलालगंज (अजा) सीट पर 62.72 प्रतिशत, रायबरेली में 58.04 प्रतिशत, अमेठी में 54.40, जालौन (अजा) 56.15, झांसी में 63.70, हमीरपुर में 60.56 प्रतिशत, बांदा में 59.64, फतेहपुर में 57.05, कौशाम्बी (अजा) 52.79 प्रतिशत, फैजाबाद 59.10, कैसरगंज 55.68 व गोंडा सीट पर 51.64 प्रतिशत मतदान हुआ।

कई मंत्रियों समेत राहुल गांधी का भाग्य ईवीएम में कैद

पांचवें चरण के मतदान के बाद पांच केंद्रीय मंत्रियों राजनाथ सिंह, कौशल किशोर, स्मृति ईरानी, साध्वी निरंजन ज्योति व भानु प्रताप वर्मा समेत कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया। लखनऊ सीट पर राजनाथ सिंह का मुकाबला सपा प्रत्याशी रविदास मेहरात्रा से रहा। मोहनलालगंज सीट पर केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के मुकाबले में सपा से आरके चौधरी व बसपा के राजेश कुमार रहे। अमेठी सीट पर केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी व किशोरी लाल शर्मा और रायबरेली सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी का मुकाबला भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह से रहा।

एटा में एक बूथ पर 25 मई को पुनर्मतदान

भारत निर्वाचन आयोग ने प्रदेश में फर्रुखाबाद लोकसभा सीट पर एटा जिले में आने वाले एक बूथ पर फर्जी मतदान की शिकायत पर 25 मई को वहां पुनर्मतदान कराने का फैसला लिया है। फर्रुखाबाद लोस सीट पर एटा के अलीगंज विधानसभा क्षेत्र में फर्जी मतदान का वीडियो वायरल हुआ था।

सौ प्रतिशत मतदान कर ललितपुर ने रचा इतिहास

लखनऊ। शहरों में जहां मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अथक प्रयास किए जा रहे हैं वहीं, झांसी-ललितपुर के गांवों के लोगों ने शत-प्रतिशत मतदान कर इतिहास बना दिया। तीन बूथों पर सौ प्रतिशत वोटिंग कर रिकॉर्ड कायम किया है। माना जा रहा है कि देश का पहला मामला है, जहां 100 प्रतिशत मतदान हुआ है। यहां कुल 10 प्रत्याशी मैदान में रहे। ग्राम सौल्दा के बूथ संख्या 277 पर पुरुष 198 और महिला 177 मिलाकर कुल 375 मतदाताओं ने वोट डाले। ग्राम बम्हौरा नागल के बूथ संख्या 355 पर पुरुष 235 और महिला 206 मिलाकर कुल 441 मतदाताओं ने वोटिंग की। जबकि, ग्राम बुदनी नाराहट के बूथ संख्या 195 पर पुरूष 116 और महिला 99 कुल 215 मतदाताओं ने शत-प्रतिशत वोट किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि स्थानीय अधिकारियों के अथक प्रयास के चलते ही यह संभव हो सका। आखिरी मतदाता को वोट के लिए बंगलुरु से बुलवा लिया गया। ललितपुर डीएम अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर बंगलुरु से भोपाल तक का 18 हजार रुपये का टिकट बनवाया गया। फिर उस व्यक्ति को भोपाल से सरकारी गाड़ी द्वारा बूथ तक लाकर वोट डलवाया गया।

छत्तीसगढ़ : घाटी में गिरा वाहन, 18 की मौत

कवर्धा, एजेंसी

- पिकअप से तेंदूपत्ता तोड़ने गए थे ग्रामीण, 4 घायल, मृतकों में 17 महिलाएं और एक पुरुष

छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में सोमवार को एक वाहन (पिकअप) के घाटी में गिरने से 17 महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई तथा चार अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बाहपानी गांव के करीब दोपहर बाद लगभग 1:45 बजे वाहन के बंजारी घाट में गिरने से 18 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 17 महिलाएं हैं। उन्होंने बताया कि कुई गांव के रहने वाले ग्रामीण तेंदूपत्ता एकत्र करने जंगल गए थे और वे जब पिकअप वाहन में सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे तभी बाहपानी गांव के करीब वाहन बंजारी घाटी में गिर गया।

अधिकारियों ने बताया कि वाहन पहले सड़क से नीचे गिरा और घाटी के निचले हिस्से में बनी सड़क से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस दल को मौके पर भेजा गया तथा बचाव कार्य शुरू किया गया। कबीरधाम जिले के पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव ने बताया कि दुर्घटना में 12 महिलाओं और एक पुरुष की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। पल्लव ने बताया कि अस्पताल में पांच अन्य महिलाओं की मौत हो गई। तीन महिलाओं समेत अन्य चार घायलों को इलाज के लिए बेहतर सुविधा वाले अस्पतालों में भेजा जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घटना पर दुख जताया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने व्यक्त किया शोक

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हादसे में हुई मौतों पर दुख व्यक्त किया और शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रपति ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दुर्घटना में अनेक लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मैं गहन शोक-संवेदनाएं व्यक्त करती हूं और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

अहमदाबाद से आईएस के चार आतंकी गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी

- चारों श्रीलंका के रहने वाले हैं गुजरात एटीएस ने की कार्रवाई
- भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के मिशन पर थे

गुजरात पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने प्रतिबंधित संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) से संबंध रखने के आरोप में चार श्रीलंकाई नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि श्रीलंका के ये नागरिक भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के मिशन पर थे।

खुफिया सूचना पर एटीएस ने रविवार रात को सरदार वल्लभाई पटेल हवाई अड्डे पर इन आतंकवादियों को पकड़ा। ये श्रीलंका की राजधानी कोलंबो से चेन्नई होते हुए अहमदाबाद पहुंचे थे। गुजरात के डीजीपी विकास सहाय ने कहा कि एटीएस की टीम ने आरोपियों के पास से जब्त मोबाइल फोन में मिली जानकारी और तस्वीरों के आधार पर नाना चिलोडा इलाके से पाकिस्तान निर्मित तीन पिस्तौल और 20 कारतूस भी बरामद किए हैं। डीजीपी के अनुसार आरोपियों की पहचान मोहम्मद नुसरत, मोहम्मद फारुख, मोहम्मद नफरान और मोहम्मद रासदीन के रूप में की गई है।

माओवादियों से मुठभेड़ में एक जवान घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के एक सदस्य को सोमवार को नौपाड़ा जिले में माओवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान गोली लग गई। एडीजी (ऑपरेशन) देवदत्त सिंह ने बताया कि यह घटना सुबह करीब तीन बजे की है जब एसओजी के जवानों की ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा पर शिवनारायणपुर के पास सुनाबेड़ा जंगल में माओवादियों से मुठभेड़ हुई। गोलीबारी के दौरान एसओजी के एक जवान को गोली लगी और बाद में उसे इलाज के लिए रायपुर ले जाया गया। सिंह ने कहा कि तलाशी में 10 आईईडी, पिस्तौल और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है।

गैंगरेप के बाद बच्ची को जिंदा जलाने के दोषियों को मृत्युदंड

जयपुर, एजेंसी

- राजस्थान के भीलवाड़ा की पॉक्सो कोर्ट ने सुनाई सजा

राजस्थान के भीलवाड़ा की पॉक्सो अदालत ने एक नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म व उसे कोयला भट्टी में जलाने के मामले में दो दोषियों को सोमवार को मृत्युदंड दिया।

विशेष लोक अभियोजक महावीर सिंह किशनावत ने बताया कि इस मामले में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म और उसकी हत्या करने वाले दो दोषियों कालू व कान्हा को मौत की सजा सुनाई गई है। उन्होंने कहा कि नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, मारपीट और फिर उसे जिंदा ही भट्टी में जलाने को अदालत ने 'दुर्लभ से दुर्लभतम' मानते हुए दोनों दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने शनिवार को दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया था और सोमवार को सुनाई। अदालत ने इस मामले में साक्ष्य मिटाने के आरोपी 7 व्यक्तियों को बरी कर दिया था। इनमें तीन महिलाएं व चार पुरुष हैं। किशनावत ने कहा कि इन्हें बरी किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की जाएगी।

पीड़िता की मां ने कहा कि न्याय हुआ है और वह दोषियों को दी गई सजा से संतुष्ट हैं।

कैंटीन में उतरा करंट, सुबह फ्रीजर में चिपके मिले चाचा और भतीजे के शव

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

दीपक

धीरज

- फूलबेहड़ के कस्बा सुंदरवल में शराब भट्ठी के बगल की घटना

अमृत विचार : थाना फूलबेहड़ क्षेत्र के कस्बा सुंदरवल में शराब भट्ठी के बगल स्थित एक कैंटीन के शटर और फ्रीजर में उतरे करंट से बेहजम निवासी चाचा और भतीजे की मौत हो गई। यह घटना रविवार आधी रात बाद की है। सोमवार सुबह मॉर्निंग वॉक करने निकले लोगों ने दोनों के शव फ्रीजर से चिपके फर्श पर पड़े देखे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो पूरी कैंटीन में करंट दौड़ रहा था। बिजली कटवाने के बाद पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

थाना नीमगांव के कस्बा बेहजम निवासी दीपक (30), उसका चचेरा भाई विमल और साढ़ू रोहित थाना फूलबेहड़ क्षेत्र के सुंदरवल चौराहा पर शराब भट्ठी के बगल में साझे में कैंटीन चलाते थे। बताते हैं कि रविवार को दिन में दीपक का भतीजा धीरज कैंटीन पर आ गया था। इस वजह से विमल देर शाम घर चला गया। सोमवार सुबह जब लोग सुबह घूमने के लिए निकले तो देखा कि कैंटीन का आधा शटर खुला हुआ था। ग्रामीणों ने जब झांककर देखा तो अंदर दीपक व उसके भतीजे धीरज (19) के शव फ्रीजर से चिपककर फर्श तक पड़े हुए थे। लोगों की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक आलोक धीमान, सुंदरवल चौकी प्रभारी के साथ मौके पर पहुंचे।

> मृतक आपस में चाचा-भतीजे थे और कैंटीन चलाते थे। दोनों की करंट की चपेट में आने से मौत हुई है। कैंटीन में शटर-फ्रीजर में करंट उतरा हुआ था। घटना की जांच कराई जा रही है। - **आलोक धीमान,** प्रभारी निरीक्षक फूलबेहड़

एम्स की एमडी परीक्षा

नकल का भंडाफोड़

ब्यूरो, देहरादून

- एम्स ऋषिकेश के दो डॉक्टर्स समेत पांच गिरफ्तार
- एक परीक्षार्थी को उत्तीर्ण कराने को वसूले 50 लाख

अमृत विचार : पुलिस व एसओजी ने ऑल इंडिया स्तर पर आयोजित एम्स की एमडी परीक्षा में अन्य प्रांतों के परीक्षा केंद्रों पर नकल कराने का भंडाफोड़ किया है। एम्स ऋषिकेश के दो डाक्टर्स समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये लोग ऋषिकेश से टेलीग्राम के माध्यम से हिमाचल के कांगड़ा स्थित परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों को नकल करा रहे थे। इनके पास से तीन टेबलेट, तीन मोबाइल फोन, मेडिकल की दो किताबें बरामद हुई हैं।

रविवार को हुई एम्स की एमडी परीक्षा में नकल माफिया के सक्रिय होने की सूचनाएं मिल रही थीं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने ऋषिकेश पुलिस व एसओजी देहात की संयुक्त टीम को छानबीन के लिए लगाया था। टीम ने एक सूचना पर बैराज रोड पर दबिश देकर टाटा सफारी वाहन को पकड़ा जिसमें पांच लोग सवार थे जो एमडी परीक्षा में हिमाचल के कांगड़ा स्थित परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों को मोबाइल फोन एवं टैब के माध्यम से प्रश्न पत्रों के सॉल्वड उत्तर उपलब्ध करा रहे थे। इनमें जींद हरियाणा निवासी अजीत, विकास कॉलोनी रोहतक निवासी अमन शिवाच, पटियाला के सनौरी निवासी वैभव कश्यप, हिसार के पटेलनगर निवासी विजुल गौरा व डिफेंस कॉलोनी हिसार निवासी जयंत शामिल हैं।

ऋषिकेश कोतवाली प्रभारी शंकर सिंह बिष्ट ने बताया कि अजीत मुख्य आरोपी है, जबकि वैभव कश्यप व अमन शिवाच एम्स में डॉक्टर हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ कोतवाली ऋषिकेश में विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक प्रत्येक अभ्यर्थी को एमडी परीक्षा में पास कराने के एवज में 50 लाख रुपये लिए गए थे। दोनों डॉक्टरों को प्रश्नों को हल करने के एवज में दो-दो लाख रुपये दिए गए थे।

चारधाम यात्रा : 31 तक स्थगित किए गए ऑफलाइन पंजीकरण

देहरादून। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुरक्षा व सुविधा की दृष्टि से ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन 31 मई तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 10 दिनों में चारधाम यात्रा का विश्लेषण किया जाए, देखा जाए कहां कमी रही। यह भी देखा जाए कि यात्रा के दौरान कौन से सराहनीय कार्य किए गए। अपर मुख्य सचिव आनंद बर्धन को साप्ताहिक रिपोर्ट तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं को राज्य के अन्य धार्मिक और पौराणिक स्थलों पर जाने के लिए भी प्रेरित किया जाए।

कोवैक्सीन के दुष्प्रभाव वाला बीएचयू का शोध गलत

नई दिल्ली, एजेंसी

- बीएचयू के अध्ययन का आईसीएमआर ने किया खंडन
- कहा-अध्ययन से हटाया जाए आईसीएमआर का नाम

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने भारतीय कोविड टीका कोवैक्सीन पर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के एक अध्ययन का खंडन करते हुए इस पर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने कोवैक्सीन पर अध्ययन करने वाले विश्वविद्यालय के संस्थानों और प्रकाशित करने वाली न्यूजीलैंड की पत्रिका को अलग-अलग पत्र भेजा है और इस अध्ययन से आईसीएमआर का नाम हटाने को कहा है।

पत्र में कहा गया है कि इस अध्ययन की प्रक्रिया अवैज्ञानिक है और यह पूर्वाग्रह से ग्रसित है। अध्ययन में निर्धारित प्रक्रियाओं को पालन नहीं किया गया है तथा यह एक छोटे से समूह पर आधारित है। ये पत्र 18 मई को लिखे गए और इनकी प्रतियां सोमवार को यहां उपलब्ध कराई गईं। बहल ने दोनों पत्रों में अध्ययन से आईसीएमआर का नाम अलग करने तथा ऐसा नहीं होने पर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि आईसीएमआर इस अध्ययन से जुड़ा नहीं है और उसने शोध के लिए कोई वित्तीय या तकनीकी सहायता प्रदान नहीं की है। आईसीएमआर द्वारा भेजे गए पत्रों के अनुसार टीकाकरण और गैर-टीकाकरण वाले समूहों के बीच घटनाओं की तुलना करने के लिए अध्ययन में गैर-टीकाकरण वाले व्यक्तियों का कोई उल्लेख नहीं है। इसलिए, अध्ययन में बताई गई घटनाओं को कोविड टीकाकरण से नहीं जोड़ा जा सकता है।

कोवैक्सीन को लेकर जताई गई थी चिंता

हाल ही में किशोरों और वयस्कों में बीबीवीएल 52 कोरोना वायरस वैक्सीन का दीर्घकालिक सुरक्षा विश्लेषण : उत्तर भारत में एक वर्ष के संभावित अध्ययन से निष्कर्ष नामक शोध पत्र के प्रकाशन के बाद कोवैक्सीन टीके को लेकर सुरक्षा पर चिंताएं जताई गई हैं। डॉ. बहल ने कहा है कि आईसीएमआर को बिना किसी पूर्व अनुमोदन या आईसीएमआर को सूचित किए बिना अनुसंधान में शामिल किया गया था, जो अनुचित और अस्वीकार्य है उन्होंने कहा कि आईसीएमआर को इस असंगत अध्ययन से संबद्ध नहीं किया जा सकता है।

केकेआर और सनराइजर्स आजमाएंगे दम

लीग के पहले क्वालीफायर मैच में दोनों टीमों की ओर से रनों का अंबार लगने की उम्मीद

अहमदाबाद, एजेंसी

- केकेआर प्लेआफ में पहुंचने वाली पहली टीम, सनराइजर्स ने पंजाब को हराकर दूसरा स्थान पाया
- लीग के 70 मैचों में शीर्ष दो स्थान पर रही इन टीमों को बारिश से अच्छा खासा ब्रेक मिला

बेहतरीन फॉर्म में चल रही कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना इंडियन प्रीमियर लीग के पहले क्वालीफायर में मंगलवार को 'रन मशीन' सनराइजर्स हैदराबाद से होगा तो दर्शकों को रोमांचक क्रिकेट की सौगात मिलने की गारंटी रहेगी। केकेआर इस साल आईपीएल प्लेआफ में पहुंचने वाली पहली टीम थी जबकि सनराइजर्स ने आखिरी लीग मैच में पंजाब किंग्स को चार विकेट से हराकर दूसरा स्थान हासिल किया।

लीग चरण के 70 मैचों में शीर्ष दो स्थान पर रही इन टीमों को पिछले दस दिन में बारिश के कारण अच्छा खासा ब्रेक मिल गया है। वैसे प्लेआफ से पहले मैदान पर अधिक समय नहीं बिता पाने की चुनौती भी कठिन है। सैकड़ों किलोमीटर का सफर करके यहां पहुंचने वाली केकेआर और सनराइजर्स को हालात के अनुकूल ढलने के लिये अधिक समय नहीं मिलेगा। दोनों ने आखिरी लीग मैच रविवार को ही खेला है। सनराइजर्स ने हालांकि पूरा मैच खेलकर पंजाब को हराया लेकिन केकेआर और राजस्थान रॉयल्स का मैच बारिश के कारण नहीं हो सका। केकेआर ने आखिरी पूरा मैच 11 मई को खेला था।

बारिश के खलल से पहले केकेआर ने लगातार चार मैच जीते थे पिछले दो मैच बारिश की भेट हो गए। शीर्ष पर काबिज केकेआर को विकेटकीपर बल्लेबाज फिल साल्ट (435 रन) की कमी खलेगी जो टी-20 विश्व कप से पहले इंग्लैंड टीम से जुड़ने स्वदेश लौट गए हैं। साल्ट और सुनील नारायण (461) ने केकेआर को शानदार शुरूआत दी है।

मध्यक्रम में कप्तान श्रेयस अय्यर (287 रन) प्रभावित नहीं कर सके लेकिन इसकी कमी टीम को खली नहीं। रॉयल्स के खिलाफ मैच बारिश में धुलने के कारण साल्ट की जगह टीम में आये रहमानुल्लाह गुरबाज को अभ्यास नहीं मिल सका जिससे केकेआर खेमा चिंतित होगा। केकेआर के लिये नीतिश राणा और आंद्रे रसेल का फॉर्म में रहना भी बहुत जरूरी है। कागजों पर केकेआर और सनराइजर्स बराबरी की टीमें लगती है जिससे यह मुकाबला और रोमांचक हो गया है।

ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा दोनों ने 200 से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बनाकर रिकॉर्ड की झड़ी लगा दी है। आस्ट्रेलिया के हेड ने आक्रामक बल्लेबाजी की नयी परिभाषा गढी है और अब तक एक शतक तथा चार अर्धशतक समेत 533 रन बना चुके हैं। उनके साथ अभिषेक (467 रन) ने भी खुलकर खेलते हुए आईपीएल में अभी तक 41 छक्के जड़ डाले हैं। सनराइजर्स के पास तीसरे नंबर पर राहुल त्रिपाठी जैसा भरोसेमंद बल्लेबाज है।

हेनरिच क्लासेन फॉर्म में लौट आये हैं और पंजाब के खिलाफ 42 रन बनाए। पिछले साल विश्व कप फाइनल में देखा गया था कि अहमदाबाद में बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम को अधिक सफलता मिलती है । छह में से चार बाद लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम कामयाब रही है। केकेआर के पास मिचेल स्टार्क की अगुवाई में तेज गेंदबाजों के साथ बेहतरीन स्पिनर हैं तो सनराइजर्स की गेंदबाजी की अगुवाई कप्तान पैट कमिंस कर रहे हैं। इस सत्र में उनके पिछले मैच में केकेआर ने सनराइजर्स को चार रन से हराया था ।

कोलकाता नाइट राइडर्स

श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नीतिश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंथा चमीरा, साकिब हुसैन, मुजीब उर रहमान, गट एटिकिंसन, अल्लाह गजांफर ।

सनराइजर्स हैदराबाद

अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, हेनरिक क्लासेन , एडेन मार्कराम, अब्दुल समद, नितीश रेड्डी, शाहबाज अहमद, पैट कमिंस (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट, टी नटराजन, मयंक मार्कंडेय, उमरान मलिक, अनमोलप्रीत सिंह, ग्लेन फिलिप्स , राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, उपेंद्र यादव, जे सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विजयकांत व्यासकांत, फजलहक फारूकी, मार्को यानसेन, आकाश महाराज सिंह, मयंक अग्रवाल।

पर्पल कैप

खिलाड़ी	मैच	विकेट
हर्षल पटेल (पंजाब)	14	24
जसप्रीत बुमराह (मुंबई)	13	20
अर्शदीप (पंजाब)	14	19

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	मैच	रन
विराट कोहली (आरसीबी)	14	708
ऋतुराज गायकवाड़ (चेन्नई)	14	583
ट्रेविस हेड (हैदराबाद)	12	533

आज का मुकाबला

सनराइजर्स हैदराबाद
बनाम
कोलकाता नाइट राइडर्स
शाम 7:30 बजे

क्रिकेट छोड़ने का मन बना रहे थे स्वप्निल

बेंगलुरु। बाएं हाथ के स्पिनर स्वप्निल सिंह ने आईपीएल की पिछली नीलामी के शुरुआती दौर में अपनी बोली नहीं लगने के बाद खेल को अलविदा करने की योजना बना रहे थे लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने उन्हें टीम में शामिल कर लिया।

18 साल के घरेलू क्रिकेट करियर में स्वप्निल ने बड़ौदा और उत्तराखंड की टीमों का प्रतिनिधित्व किया है। आईपीएल में वह आरसीबी से पहले किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) और लखनऊ सुपरजायंट्स का हिस्सा रह चुके हैं। स्वप्निल ने आरसीबी बोल्ड डायरिज से कहा कि आईपीएल नीलामी के दिन मैं एक मैच के लिए धर्मशाला जा रहा था। जब मैं वहां पहुंचा तब शाम के सात-आठ बज रहे थे। तब तक नीलामी का आखिरी दौर चल रहा था, मुझे लगा कि मेरे लिए चीजें खत्म हो गयी है। मैंने सोचा था कि मैं मौजूदा घरेलू सत्र में खेलूंगा और अगर जरूरत पड़ी तो अगला सत्र खेलने के बाद करियर खत्म कर दूंगा क्योंकि मैं पूरी ज़िंदगी खेलना नहीं चाहता था। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 2006 में पदार्पण करने वाले स्वप्निल को आरसीबी ने 20 लाख रुपये की बोली के साथ टीम में शामिल किया था। उन्होंने कहा कि जैसे ही मेरे परिवार ने फोन किया, हम भावनाओं पर काबू नहीं रख पाये क्योंकि कोई और नहीं समझ सकता कि हमारी यात्रा कितनी भावनात्मक रही है।

विश्व पैरा चैंपियनशिप में रिकॉर्ड के साथ दीप्ति ने जीता स्वर्ण

कोबे (जापान), एजेंसी

भारत की दीप्ति जीवनजी ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर टी-20 रेस में 55.07 सेकंड के विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता।

दीप्ति ने अमेरिका की ब्रियाना क्लार्क का 55.12 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा जो उसने पिछले साल पेरिस में बनाया था। तुर्की की एसिल ओंडेर 55.19 सेकंड के साथ दूसरी रहीं जबकि एक्वाडोर की लिजांशेला एंगुलो 56.68 सेकंड का समय निकालकर तीसरे रहीं। दीप्ति ने रविवार को एशियाई रिकॉर्ड समय 56.18 सेकंड के साथ अपनी हीट रेस जीती थी। टी-20 वर्ग की रेस बौद्धिक रूप से अक्षम खिलाड़ियों के लिए है। योगेश कथुनिया ने पुरूषों के एफ 56 वर्ग चक्का फेंक में 41.80 मीटर के साथ रजत पदक जीता। भारत ने अब तक एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीत लिये हैं।

भारत ने एशियाई रिले में रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीता

बैंकॉक, एजेंसी

भारत की मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने पहली एशियाई रिले चैंपियनशिप में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण जीता। हालांकि भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रही।

मुहम्मद अजमल, ज्योतिका श्री दांडी, अमोज जैकब और शुभा वेंकटेशन की चौकड़ी ने तीन मिनट 14.12 सेकंड के साथ स्वर्ण अपने नाम किया। इससे पहले का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन मिनट 14.34 सेकेंड का था जो भारतीय टीम ने पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने के दौरान बनाया था। भारतीय टीम रेस के चारों चरण में बढ़त बनाए हुए थी। श्रीलंका की टीम तीन मिनट 17सेकेंड के साथ दूसरी जबकि वियतनाम की टीम ने तीन मिनट 18.45 सेकेंड के साथ तीसरी रही।

- मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले रेस में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में रही नाकाम

ये भारतीय टीम को विश्व एथलेटिक्स की रोड टू पेरिस सूची में 21वें स्थान पर जगह दिलाता है। टीम का लक्ष्य 15वें या 16वें स्थान तक आना था। इससे पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की राह भारत के लिए मुश्किल हो गई है क्योंकि पेरिस में मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले टीम में सिर्फ 16 टीम हिस्सा लेंगी। बहामास के नसाऊ में विश्व एथलेटिक्स रिले से पहले ही 14 चार गुणा 400 मीटर रिले टीम पेरिस ओलंपिक के लिए स्वतः क्वालीफाई कर चुकी हैं। अब 30 जून की समयसीमा तक देशों के सर्वश्रेष्ठ समय के आधार पर सिर्फ दो स्थान भरे जाने हैं। चेक गणराज्य (3 मिनट 11.98) और इटली (3 मिनट 13.56 सेकेंड) रोड डू पेरिस सूची में अभी क्रमशः 15वें और 16वें स्थान पर हैं। इससे पहले ही शीर्ष 14 टीम विश्व एथलेटिक्स रिले के दौरान ओलंपिक का टिकट कटा चुकी हैं जहां भारतीय टीम क्वालीफाई करने में नाकाम रही। भारत का लक्ष्य तीन मिनट 13.56 सेकेंड से बेहतर प्रदर्शन करना था जिससे कि वह 16वें स्थान पर आ जाए लेकिन टीम ऐसा करने में नाकाम रही। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ 30 जून से पहले टीम को अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में भेजने पर विचार कर सकता है।

खेल डायरी

नागल जिनेवा ओपन के पहले दौर से बाहर

जिनेवा। भारत के चोटी के एकल खिलाड़ी सुमित नागल जिनेवा ओपन के पहले दौर में अर्जेंटीना के सेबेस्टिएन बाएज से हारकर बाहर हो गए हैं । दुनिया के 94वें नंबर के खिलाड़ी नागल को दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी अर्जेंटीना के क्लेकोर्ट विशेषज्ञ प्रतिद्वंद्वी ने 7.6, 6.3 से हराया। नागल ने हार के बाद ट्वीट किया कि आज की हार से निराश हूं। लेकिन फ्रेंच ओपन से पहले अच्छी तैयारी हुई । अगला लक्ष्य पेरिस ।

पूर्वोत्तर में क्रिकेट अकादमी की रखी आधारशिला

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर राज्यों के उभरते हुए खिलाड़ियों की मदद के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने छह राज्यों में इनडोर क्रिकेट प्रशिक्षण अकादमियों की आधारशिला रखी। क्रिकेट अकादमी अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड और सिक्किम के खिलाड़ियों को सुविधा प्रदान करेंगी। यह अकादमी शिलांग, ईटानगर, कोहिमा, आइजोल, इंफाल और गंगटोक में स्थित होंगी। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने एक्स पर लिखा, पूर्वोत्तर में इनडोर प्रशिक्षण सुविधाओं की आधारशिला रखकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मानसून के दौरान प्रशिक्षण के लिए कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, मुंबई या अहमदाबाद की यात्रा करनी पड़ती थी।

खेल या शिक्षा, अनुशासन जरूरीः गोपीचंद

पटना। खिलाड़ी और कोच के रूप में बेहद अनुशासित पुलेला गोपीचंद ने प्रतिस्पर्धी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को प्रेरित करते हुए अनुशासन का महत्व बताया। पूर्व ऑल इंग्लैंड चैंपियन और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता 50 साल के गोपीचंद इंजीरियंग और मेडिसिन पाठ्यक्रम की प्रतिस्पर्धी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों से मुखातिब थे। भारत के मुख्य बैडमिंटन कोच गोपीचंद ने छात्रों से कहा, खेल हों या शिक्षा दोनों समान हैं। दोनों में अनुशासन और प्रतिबद्धता जरूरी है। समय के साथ इसमें मार्गदर्शक की जरूरत जुड़ गई है। शिक्षा के साथ जब ट्रेनिंग दी जाती है तब छात्र प्रतिस्पर्धा में सक्षम बन पाता है।

इंडियन ओपन सर्फिंग 31 मई से

मेंगलुरु। इंडियन ओपन सर्फिंग (आईओएस) का पांचवां सत्र 31 मई से दो जून तक यहां खेला जाएगा। इसमें चार वर्गों में पुरुष ओपन, महिला ओपन, ग्रोम्स (अंडर 16) बालक और बालिका वर्ग के मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। भारतीय सर्फिंग महासंघ ने बतसश्स कि इंडियन ओपन सर्फिंग 2024 कैलेंडर वर्ष में राष्ट्रीय चैंपियनशिप सीरिज का दूसरा चरण होगा। इससे पहले केरल में मार्च में अंतर्राष्ट्रीय सर्फिंग फेस्टिवल हुआ है।

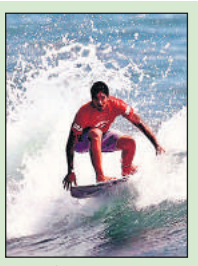

खिताब का सूखा खत्म करने उतरेगी सिंधू

मलेशिया मास्टर्स

कुआलालम्पुर, एजेंसी

ब्रेक से लौटी पीवी सिंधू पेरिस ओलंपिक से पहले मंगलवार से शुरू हो रहे मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत दर्ज कर अपना मनोबल बढ़ाने के इरादे से उतरेगी। सिंधू ने उबेर कप और थाईलैंड ओपन में भाग नहीं लिया। वापसी करते हुए उनका लक्ष्य इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट में महिला एकल में अच्छा प्रदर्शन का होगा। वह पिछले साल अक्टूबर में घुटने की चोट से उबरने के बाद से फॉर्म में नहीं है।

ओलंपिक में रजत और कांस्य पदक जीत चुकी सिंधू का रिटर्न पहले की तरह नहीं रहा है और कई मुकाबले वह हार गई हैं। वह छह प्रतिस्पर्धाओं में से दो में ही क्वार्टर फाइनल तक पहुंच सकी हैं। वह 2022 सिंगापुर ओपन में खिताब जीती थी। पहले दौर में उनका सामना स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर से होगा। इस टूर्नामेंट में एंग सि यंग, चेन यू फेइ, अकाने यामागुची और कैरोलिना मारिन जैसे सितारे भाग नहीं ले रहे हैं।

सिंधू का सामना युवा खिलाड़ियों से होगा जो पहले भी उन्हें परेशान कर चुके हैं। अष्मिता चालिहा, आकृषि कश्यप और मालविका बंसोड भी अच्छे नतीजे देना चाहेंगी। पुरुष वर्ग में किरण जॉर्ज अकेले भारतीय हैं जो जापान के ताकुमा ओबायाशी से पहला मैच खेलेंगे। सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी यह टूर्नामेंट नहीं खेल रहे हैं। पुरुष युगल में कृष्णा प्रसाद गारागा और साई प्रतीक के की जोड़ी उतरेगी। मिश्रित युगल में बी सुमीत रेड्डी और एन सिक्की रेड्डी के अलावा सतीश कुमार के और आद्या वरियाथ खेलेंगे।

पाकिस्तान को इंग्लैंड महिला टीम ने 34 रन से हराया

लीड्स, एजेंसी

- तीन मैचों की शृंखला इंग्लैंड की टीम ने 3-0 से जीती

डैनी व्याट 48 गेंदों में (87) और उसके बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड की महिला टीम ने तीसरे टी-20 मैच में पाकिस्तान को 34 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीत ली है।

177 रनों का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ने पहले विकेट लिए 60 रन जोड़े। नौवें ओवर में सिदरा अमीन (26) का पहला विकेट गिरा। अगले ही ओवर में गुल फिरोजा भी (30) पवेलियन लौट गई। सदफ शमास (6) और मुनीबा अली(3) 10वें और 11वें ओवर में गिरने से पाकिस्तानी टीम बैकफुट पर आ गई। कप्तान निदा डार और आलिया रियाज ने पारी को संभालने का प्रयास किया और मैच के अंत तक पिच पर टिकी रहीं। पाकिस्तान की टीम चार विकेट पर 142 रन ही बना सकी और 34 रन से मुकाबला हार गई। इंग्लैंड की ओर से चार्ली डीन, लॉरेन फ़िलर, सोफी एक्लेस्टोन और डेनिएल गिब्सन ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए एक-एक विकेट लिए। खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने निर्धारि 20 ओवरों में 176 रन का स्कोर खड़ा किया।

बॉलीवुड हलचल

यामी गौतम-आदित्य धर के घर बेटे का जन्म

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम और उनके पति फिल्मकार आदित्य धर माता-पिता बन गये है। यामी गौतम और आदित्य धर ने सोशल मीडिया पर एक साथ पेरेंट्स बनने की खबर शेयर की है। बेटे होने की अनाउंसमेंट के साथ ही उन्होंने बेटे का नाम भी बताया है। यामी और आदित्य ने बेटे का नाम 'वेदाविद' रखा है, जिसका मतलब होता है वेदों को जानने वाला। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, हम सूर्या अस्पताल के बेस्ट डॉक्टर्स, खासकर डॉ. भूपेन्द्र अवस्थी और डॉ. रंजना धनु के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिनकी स्पेशलाइजेशन और कोशिशों ने इस खुशी के अवसर को संभव बनाया। हम माता-पिता बनने की इस खूबसूरत जर्नी पर निकल रहे हैं, हम उत्सुकता से अपने बेटे 'वेदाविद' के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। हम इस समय आशा और विश्वास से भरे हुए हैं कि वह हमारे पूरे परिवार और राष्ट्र का भी गौरव बनेगा।

अगस्त में शुरू होगी जू. एनटीआर की फिल्म एनटीआरनील

मुंबई। मैन ऑफ मासेस जू. एनटीआर की आने वाली फिल्म एनटीआरनील की शूटिंग अगस्त 2024 में शुरू होगी। मैन ऑफ मासेस जू. एनटीआर, केजीएफ सीरीज़ और सालार जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के निर्देशक प्रशांत नील के साथ काम करेंगे। फिल्म, जिसका अस्थायी नाम एनटीआरनील है, की घोषणा बहुत पहले की गई थी। निर्देशक प्रशांत नील, माइथ्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स की अगली एक्शन महाकाव्य फिल्म एनटीआरनील की शूटिंग अगस्त 2024 में शुरू होगी। जूनियर एनटीआर के जन्मदिन पर निर्माताओं ने शूट अपडेट की घोषणा की। निर्माताओ ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैन ऑफ मासेस को जन्मदिन की शुभकामनाएं -टीम एनटीआरनील। एक पावरहाउस प्रोजेक्ट के लिए खुद को तैयार करें।

पेरिस ओलंपिक में पुरुष युगल ड्रॉ में होंगी 32 टीमें, एक देश अधिकतम रख सकता है दो टीम

बालाजी या युकी किससे जोड़ी बनाएंगे रोहन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ी रोहन बोपन्ना पेरिस ओलंपिक में एन श्रीराम बालाजी या युकी भांबरी के साथ जोड़ी बनाएंगे और अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) से उसे मंजूरी मिलना तय है।

विश्व युगल रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज 44 वर्ष के बोपन्ना शीर्ष दस में होने के कारण अपना जोड़ीदार चुन सकते हैं। पेरिस ओलंपिक में पुरूष युगल ड्रॉ में 32 टीमें होंगी जिसमें से एक देश अधिकतम दो टीमें रख सकता है। क्वालीफिकेशन मानदंडों के तहत शीर्ष दस में शामिल खिलाड़ी अपना जोड़ीदार चुन सकते हैं जो एटीपी या डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 300 के भीतर होना चाहिये। फ्रेंच ओपन के बाद 10 जून की रैंकिंग क्वालीफिकेशन के लिए मान्य होगी। एआईटीए सूत्रों के अनुसार बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के लिए उनके जोड़ीदार के तौर पर टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में शामिल करने के लिए एआईटीए को बालाजी और भांबरी का नाम भेजा है। एआईटीए महासचिव अनिल धूपर ने कहा कि आम तौर पर खिलाड़ी अपना जोड़ीदार खुद चुनता है। चयन समिति

उससे विकल्प पूछेगी और उस पर बात की जायेगी। रोहन जिसके साथ भी खेलना चाहेगा, उस पर विचार किया जायेगा।

बालाजी ने हाल ही में जर्मनी के आंद्रे बेजेमैन के साथ कैगलियारी चैलेंजर टूर्नामेंट जीता था। वहीं भांबरी ने फ्रांस के अलबानो ओलिवेत्ती के साथ अप्रैल में म्युनिख में एटीपी 250 टूर्नामेंट जीता और इस महीने बोर्डो चैलेंजर के सेमीफाइनल में पहुंचे।

हमेशा विवादों से घिरा रहा है भारतीय टेनिस

भारतीय टेनिस में ओलंपिक या बहु खेल आयोजनों में नामांकन को लेकर हमेशा विवाद रहा है। 2012 में महेश भूपति और बोपन्ना दोनों ने लिएंडर पेस के साथ खेलने से इनकार कर दिया था जिसके बाद पेस ने विष्णु वर्धन को जोड़ीदार बनाया था। इसके बाद मिश्रित युगल में सानिया मिर्जा को पेस के साथ खेलने के लिए कहा गया लेकिन देश की शीर्ष महिला खिलाड़ी सानिया ने पेस को तसल्ली देने के लिये उनका इस्तेमाल करने पर एआईटीए को आड़े हाथों लिया था। एशियाई खेल 2018 में पेस ने दो दिन पहले यह कहकर नाम वापिस ले लिया था कि एआईटीए ने उन्हें विशेषज्ञ जोड़ीदार नहीं दिया है। एआईटीए ने बोपन्ना का जोड़ीदार दिविज शरण को बनाया था जिससे पेस को एकल खिलाड़ी के साथ खेलना पड़ा। बोपन्ना का यह ओलंपिक पदक जीतने का आखिरी मौका होगा जो 2016 रियो खेलों में मिश्रित युगल में सानिया के साथ पदक से चूक गए थे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), **ईमेल-** amritvicharkanpur@gmail.com (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

महामति प्राणनाथ महाविद्यालय मऊ में मतदाताओं के साथ सीडीओ अमृतपाल कौर। अमृत विचार

मतदान के लिए कोलगदहिया के मजरे कछारपुरवा में लगी महिलाओं की लाइन। अमृत विचार

कैमरे की नजर से

कर्वी माफी में बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह की अगुवाई में युवाओं ने उत्साह से वोट डाला।

पहाड़ी निवासी देवेंद्र सिंह ,पड़ोसी वासुदेव गर्ग (85) को लेकर पालेश्वरनाथ इंटर कॉलेज पहुंचे। सहदेइया पत्नी स्व. शिवकुमार साइकिल पर वोट डालने पहुंचीं।

चिलचिलाती धूप व भीषण गर्मी के बीच 59 प्रतिशत मतदान

सुबह लगी कतार, दोपहर में सन्नाटा और शाम को फिर बढ़ी भीड़, कई बूथों पर ईवीएम में खराबी से प्रभावित हुआ मतदान

मतदानः ऐसे बढ़ा प्रतिशत (दोनों विधानसभा क्षेत्रों में)

15.2 प्रतिशत सुबह नौ बजे तक

30.29 % पूर्वाह्न 11 बजे तक

41% एक बजे तक मतदान

48.50% अपराह्न तीन बजे तक

57.3 % शाम पांच बजे तक

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। बेतहाशा गर्मी और चिलचिलाती धूप में सोमवार को लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण के तहत जिले में 59 प्रतिशत मतदान हुआ। शाम पांच बजे तक चित्रकूट और मानिकपुर विधानसभा क्षेत्रों में कुल 57.3 फीसदी लोग मतदान का प्रयोग कर चुके थे। बांदा-चित्रकूट लोकसभा सीट से इस बार भाजपा प्रत्याशी और सांसद आरके सिंह पटेल, सपा प्रत्याशी कृष्णा पटेल और बसपा प्रत्याशी मयंक द्विवेदी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है।

सोमवार को बूथों पर सुबह तो भीड़ नजर आई पर तेज धूप का असर कुछ ही देर में दिखने लगा। 10 बजते बजते बूथों पर सन्नाटा पसर गया। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक आनंद ने चित्रकूट इंटर कॉलेज में आदर्श बूथ में वोट डाला। कई जगहों से ईवीएम खराब होने की सूचना है। बूथ संख्या 392 में ईवीएम की गड़बड़ी से मतदान शुरू होने में देरी हुई। बूथ नंबर 112 पंडित पुरुषोत्तम द्विवेदी इंटर कॉलेज मऊ में ईवीएम खराब होने से मतदान के प्रभावित होने की सूचना रही। एसडीएम राकेश कुमार पाठक ने बताया कि ईवीएम बदल दी गई है। उधर, पता चला कि पहाड़ी ब्लाक के कंपोजिट विद्यालय सकरौली में बिजली आपूर्ति बाधित होने से दिक्कत हुई। पहाड़ी ब्लाक अंतर्गत अरछा बरेठी में कंपोजिट विद्यालय में भाग संख्या 53 में पहला वोट एडवोकेट काउंसिल के जिला प्रभारी रामप्रकाश पांडेय ने डाला। उन्होंने बताया कि ईवीएम खराब हो जाने के कारण आधे घंटे की देरी से मतदान शुरू हुआ।

पहाड़ी में 84 साल के रामआसरे अपने परिजन के साथ वोट डालने पहुंचे।

मतदान का चिह्न दिखाते जिलाधिकारी अभिषेक आनंद, साथ में पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह। अमृत विचार

बरगढ़ में मधुमक्खियों ने किया चुनावकार्मिकों पर हमला

■ **बरगढ़ (चित्रकूट)।** बरगढ़ में एक मतदान केंद्र पर मधुमक्खियों ने चुनाव कार्मिकों पर हमला कर दिया। हालांकि किसी को ज्यादा दिक्कत नहीं हुई। चिकित्सक ने मौके पर पहुंचकर पीड़ितों का इलाज किया। इस दौरान कुछ देर को अफरातफरी मची रही। बरगढ के प्राइमरी प्रथम में मतदान केंद्र में मतदान चल रहा था कि अचानक पोलिंग बूथ संख्या 162 व 163 में मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार, मधुमक्खियों ने तीन जवान एवं एक आशा कर्मचारी को काट लिया। इससे कुछ समय के लिए अफरातफरी मच गई। सूचना पर मऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्साधीक्षक डॉ. मो. हारून की अगुवाई में चिकित्सकों की टीम मौके पर पहुंची और घायलों का इलाज किया। डाक्टरों ने बताया कि किसी प्रकार के कोई खतरे की बात नहीं है। प्रभावित दो-तीन लोगों को दवाइयां दी हैं। बताया गया कि यहां पर डॉक्टरों की टीम लगाई गई है जिससे किसी प्रकार की कोई परेशानी से बचा जा सके।

सड़क दुर्घटना में शिक्षिका घायल, कानपुर रेफर

■ **पहाड़ी (चित्रकूट)।** चुनाव ड्यूटी में जा रही शिक्षिका सोमवार की सुबह सड़क दुर्घटना में घायल हो गई। उसे जिला अस्पताल से कानपुर रेफर किया गया। शिक्षिका के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। थाना भरतकूप के अंतर्गत रसिन ग्राम निवासी मंजुला श्रीवास्तव पत्नी बिंदा प्रसाद खरे गांव के ही प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य हैं। परिजनों के अनुसार, लोकसभा चुनाव में उनकी ड्यूटी विकास खंड पहाड़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत मिर्जापुर प्राथमिक विद्यालय में बतौर पीठासीन अधिकारी लगी है। शनिवार को जब वह वहां पहुंचीं तो अचानक तबीयत खराब हो गई। इस पर वह रात में घर चली गईं। इलाज कराकर आज सुबह लगभग पांच बजे भतीजे हिमांशु के साथ बाइक से चुनाव की ड्यूटी पर जा रही थीं कि पहाड़ी सीमा पर बरेठी रोड पर बने ब्रेकर पर बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। इससे मंजुला के सिर पर गंभीर चोट आई। हिमांशु उनको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी ले गया, जहां से हालत गंभीर होने पर डाक्टर अनुज ने जिला चिकित्सालय रिफर किया। वहां से उनको कानपुर रिफर किया गया।

घायल शिक्षिका।

चुनावकार्मिकों का इलाज करने पहुंची चिकित्सकों की टीम। अमृत विचार

छोटी बिलहरी में वोट डालने के बाद अंगुली में लगी स्याही दिखातीं महिलाएं।

मतदान करके लौटते सांसद आरके सिंह, साथ में उनके प्रतिनिधि शक्ति प्रताप सिंह

रामनगर क्षेत्र के ग्राम पंचायत रगौली में सुबह से मतदान स्थलों में लंबी कतारें लगी रहीं।

हाईकोर्ट के वकील विनय कुमार ने अपनी अधिवक्ता पत्नी दीपिका पाल के साथ सकरौली में वोट डाला।

कर्वी निवासी ताप्ती ने 20 मई को अपना बर्थडे मतदान केंद्र चित्रकूट इंटर कॉलेज में केक काटकर मनाया। उन्होंने मां मंजुला निषाद व परिजनों के साथ वोट डाला।

चित्रकूट इंटर कॉलेज में मतदान के बाद पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र, प्रधानाचार्य डॉ. रणवीर सिंह चौहान आदि।

ठेकेदार के रवैये से मृतक के परिजन खफा, कराएंगे रिपोर्ट

संवाददाता, पहाड़ी (चित्रकूट)

● निजी कर्मचारी की करंट से मौत का मामला

अमृत विचार। निजी कर्मी की मौत के बाद भी ठेकेदार द्वारा उसके परिजनों की सुध न लेने से लोगों में जबर्दस्त आक्रोश है। परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज कराने की चेतावनी दी है उधर, इस संबंध में ठेकेदार का पक्ष नहीं मिल सका।

जानकारी के अनुसार थाना पहाड़ी के अंतर्गत गांव-गांव एक निजी कंपनी द्वारा बिजली का काम कराया जा रहा है। इसके अधीनस्थ कई कर्मचारी काम कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गंगूपुरवा में रविवार की देर शाम देहरीपुरवा थाना खीरी (लखीमपुर खीरी) निवासी राहुल अन्य कर्मचारियों राकेश, रवी, छोट्टन आदि के साथ काम कर रहा था। राहुल पुत्र ओमप्रकाश निवासी रात लगभग पौने आठ बजे खंभे पर चढ़ा था। इसी दौरान अचानक तेज करंट आ जाने से उसकी मौत हो गई।

परिजनों का आरोप है कि राहुल सिंहपुर साईंपुर फीडर में सूचना देकर और शटडाउन लेकर खंभे पर चढ़ा था, इसके बाद भी आपूर्ति चालू कर दी गई। राहुल की मौत के कई घंटे बाद भी परिजनों के पास ठेकेदार के न पहुंचने से लोगों में जबर्दस्त आक्रोश है। इनका आरोप है कि बगैर सुरक्षा उपकरणों के कर्मचारियों को खंभे पर चढ़ाया जाता है। अन्य कर्मचारियों ने बताया कि ठेकेदार से कई बार सुरक्षा उपकरण की मांग की गई लेकिन ध्यान नहीं दिया गया। बताया कि ठेकेदार कर्वी में रहता है। परिजनों का कहना है कि उनकी मांगें न मानी गईं और उचित मुआवजा न मिला तो वे ठेकेदार पर रिपोर्ट दर्ज कराएंगे।

मंदाकिनी में डूबने से युवक की मौत, परिजन बेहाल

सीतापुर (चित्रकूट)। तीर्थक्षेत्र में मंदाकिनी नदी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, प्रदीप शर्मा (22) पुत्र श्यामबरन निवासी मुरैना (मप्र) दोस्तों के साथ चित्रकूट घूमने आया था। सोमवार को प्रमोदवन घाट में नहाते समय वह गहराई में चला गया और जब तक उसे निकाला जाता, उसकी मौत हो चुकी थी। घटना से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल रहा।

घर पर गिरा महुआ का पेड़

चित्रकूट। खंडेहा गांव में सोमवार की शाम एक कच्चे घर के ऊपर महुआ का पेड़ गिरने से ग्रामीण का नुकसान हो गया। अशोक कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि लगभग साढ़े तीन बजे हल्की आंधी आई और पेड़ भरभराकर गिर पड़ा। इससे उसकी गृहस्थी का नुकसान हो गया। भगवान का शुक्र रहा कि परिवार बालबाल बच गया।

डीएम, एसपी ने किया बूथों का मुआयना

संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। सोमवार को लोकसभा चुनाव के दौरान डीएम अभिषेक आनंद ने एसपी अरुण कुमार सिंह के साथ चित्रकूट एवं मानिकपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदान केंद्रों का मुआयना किया। दोनों अधिकारियों ने सीआईसी, कंपोजिट विद्यालय नगर क्षेत्र, डिलौरा, सोनेपुर, कालूपुर, रेहुटिया, सेमरिया चरणदासी, ऐंचवारा, खरौंध, गढ़चपा, सरैंया, मानिकपुर, अगरहुंडा, रैपुरा, गडरियनपुरवा, देऊंधा, रामनगर आदि में मतदान प्रक्रिया का मुआयना किया और कार्मिकों को निष्पक्ष मतदान कराने के निर्देश दिए। डीएम, एसपी ने कलेक्ट्रेट सभागार में स्थापित इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम का हाल देखा।

तेज धूप से दोपहर में बूथ पर रहा सन्नाटा।

छात्राओं में भी वोट को लेकर उत्साह नजर आया। मानिकपुर नगर पंचायत में वोट डालने के बाद अंगुली में लगी स्याही दिखातीं छात्राएं।

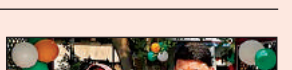

व्यवसायी विवेक अग्रवाल अपनी पत्नी और पिता के साथ वोट डालने पहुंचे। पहाड़ी में पत्नी राजकुमारी के साथ वोट डालने के बाद अखिलेश दीक्षित।

आक्रोश विकास खंड रामनगर की ग्राम पंचायत बरुवा के बाशिंदों को एडीएम ने समझाया, अपराह्न 3.10 पर शुरू हुई वोटिंग

सड़क न बनाए जाने से नाराज ग्रामीणों ने किया मतदान का बहिष्कार

संवाददाता, रामनगर/राजापुर (चित्रकूट)

अमृत विचार। विकास खंड रामनगर की ग्राम पंचायत बरुवा के बाशिंदों ने खोहरा धाम मोड़ से बरुवा तक की सड़क न बनने से नाराज होकर सोमवार को मतदान का बहिष्कार कर दिया। जानकारी के अनुसार, बहिष्कार की बात फैलने से पहले लगभग 14 मत पड़ चुके थे। मतदान बहिष्कार से मतदान केंद्र कंपोजिट विद्यालय बरुवा में सन्नाटा पसरा रहा।

लोगों ने बताया कि खोहरा धाम मोड़ से बरुवा तक लगभग आठ किमी की सड़क खराब है। इसको लेकर कई बार कार्यदायी संस्था, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से कहा गया पर कोई सुनवाई नहीं हुई। ऐसे में मांग की ओर ध्यान आकृष्ट कराने के लिए उन लोगों ने वोटिंग न करने का फैसला किया। जानकारी के मुताबिक, यहां कुल 1134 मतदाता हैं। मामले की जानकारी मिलते ही एसडीएम प्रमोद झा, सीओ निष्ठा उपाध्याय बरुवा पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की। उधर, जानकारी पर जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, पालिकाध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य उमाकांत त्रिपाठी आदि भी वहां पहुंच गए। जिपं अध्यक्ष ने ग्रामीणों को वादा किया कि जिला पंचायत की सीमा के अनुसार एक करोड़ रुपये अवमुक्त कर इस सड़क को जल्द बनवाया जाएगा पर लोग नहीं माने। लगभग पौने तीन बजे अपर जिलाधिकारी उमेश चंद्र निगम, एसडीएम और सीओ के साथ वहां पहुंचे। उन्होंने मतदाताओं को सड़क निर्माण का आश्वासन दिया और इसके बाद अपराह्न लगभग तीन बजकर दस मिनट पर मतदान शुरू हुआ।

इस सड़क को लेकर आक्रोशित हैं लोग। अमृत विचार

मतदान केंद्र पर पसरा सन्नाटा।

ग्रामीणों को समझाते जिला पंचायत अध्यक्ष और पालिकाध्यक्ष।

बीडीसी सदस्य ने बना लिया वीडियो

बूथ संख्या 111 प्राथमिक विद्यालय कुचारम पूर्व भाग में वोटिंग कंपोर्टमेंट के अंदर एक बीडीसी सदस्य द्वारा मोबाइल से वीडियोग्राफी करने का भी आरोप लगा, जिसकी जानकारी पोलिंग पार्टी के किसी सदस्य को नहीं हो पाई। मतदेय स्थल पर मोबाइल ले जाने पर पूर्णतया प्रतिबंध था लेकिन बीडीसी सदस्य ने मतदेय स्थल के अंदर चोरी छिपे वीडियोग्राफी की। पीठासीन अधिकारी ममता सैनी व द्वितीय मतदान अधिकारी विजय सिंह ने प्रभारी निरीक्षक थाना पहाड़ी को तहरीर दी है।

वोट डालने के बाद पूर्व राज्यमंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय। जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव ने सोनेपुर प्राथमिक विद्यालय में पत्नी के साथ वोट डाला।

मनोज केशरवानी,

स्वप्निल अग्रहरि

सेल्फी प्वाइंट रहे आकर्षण के केंद्र

चित्रकूट। युवाओं को मतदान केंद्रों के बाहर सेल्फी प्वाइंट ने आकर्षित किया। वोट डालने के बाद इन लोगों ने वहीं खड़े होकर फोटो खींची और अपने सोशल मीडिया अकाउंट के स्टेटस में लगाई।

परिवार के साथ मतदान करने जाते कमिश्नर। अमृत विचार

सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचवाते जलशक्ति राज्यमंत्री। अमृत विचार

मतदान केंद्र में लगी मतदाताओं की लंबी लाइनें। अमृत विचार

प्रेक्षक सहित डीएम व एसपी ने केंद्रों का किया निरीक्षण

- पांचवें चरण के तहत सोमवार को संसदीय क्षेत्र में हुए मतदान का प्रेक्षक के साथ जिला निर्वाचन अधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने एक दर्जन से ज्यादा पोलिंग बूथों का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाएं परखीं। पीठासीन अधिकारियों से मतपत्र लेखा सहित अन्य प्रपत्रों को ठीक प्रकार से तैयार करने के निर्देश दिए। सामान्य प्रेक्षक वी .कलाईराशि के साथ जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल और पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने संसदीय क्षेत्र के पंडित जेएन डिग्री कालेज, उच्च प्राथमिक विद्यालय बलखंडी नाका, राजकीय इंटर कॉलेज, इंटर कॉलेज हिंदू इंटर कालेज अतर्रा, उच्च प्राथमिक विद्यालय फौजदार पुरवा प्राथमिक विद्यालय पनगरा, आदर्श मतदान केंद्र राजकुमार इंटर कालेज नरैनी, प्राथमिक विद्यालय बरौली, प्राथमिक विद्यालय बबेरू तथा कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय तिंदवारी सहित कई मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने माकपोल को समय से कराने का का निरीक्षण किया। पीठासीन अधिकारियों से मतपत्र लेखा सहित अन्य प्रपत्रों को ठीक प्रकार से तैयार करने के निर्देश दिए। कहा कि ईवीएम को सही तरीके से सील किया जाए। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी राजेश कुमार सहित निर्वाचन से जुड़े संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

लोकतंत्र के महापर्व में फर्स्ट क्लास पास हुए मतदाता

पांचवें चरण के लिए बांदा-चित्रकूट संसदीय सीट पर हुआ मतदान, करीब 60 फीसदी लोगों ने डाले वोट, सुबह धीमी रही वोटिंग, सुरक्षा के थे पुख्ता इंतजाम

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचार। बांदा-चित्रकूट संसदीय सीट के लिए सोमवार को जब मतदान का महापर्व शुरू हुआ तो जिले के सभी मतदान केंद्रों में वोटर्स की लंबी लंबी कतारें लग गई। सुबह से ही बूथों में बढ़ी मतदाताओं की भीड़ ने जहां जिला प्रशासन को राहत पहुंचाने का काम किया, वहीं दोपहर आते आते प्रशासन की खुशी काफूर भी होने लगी। कुल मिलाकर शांतिपूर्वक संपन्न हुए मतदान में किसी भी विवाद की कोई खबर नहीं है। कुछ स्थानों पर शुरूआती दौर में ईवीएम और वीवीपैट ने जवाब दिया, जिसे सेक्टर मजिस्ट्रेटों ने तत्काल पहुंचकर सही कराया। जिले की चार विधानसभा सीटों में 59.64 फीसदी मतदाताओं ने हिस्सा लिया। इसके अभी और ऊपर जाने की उम्मीद है। शांतिपूर्ण तरीके से मतदान के लिए बूथों पर पैरामिलिट्री फोर्स तैनात किया गया था।

पांचवें चरण के लिए होने वाले मतदान का महापर्व निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिला निर्वाचन ने शांतिपूर्ण तरीके से निपटाने को पुख्ता इंतजाम किए थे। सुबह ठीक सात बजे से मतदान की शुरूआत हुई, लेकिन बूथों में सुबह छह बजे से ही लाइन लगी रहीं। प्रत्येक बूथ पर मतदान शुरू कराने से पहले मतदान अभिकर्ताओं की मौजूदगी में माक पोल कराया गया। इसके बाद मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग करना शुरू किया। सुबह नौ बजे तक जिले में केवल करीब 14.15 फीसदी मतदाताओं ने ही मतदान किया था। इसके बाद बूथों में मतदाताओं की लाइन लगने लगी। सबसे अधिक युवा और महिला मतदाताओं मे मतदान के प्रति अधिक उत्साह देखने को मिला। हर जगह बूथ में महिलाओं की लंबी लाइन लगी थी। वोट डालने के लिए मतदाताओं ने काफी देर तक बूथ में लाइन पर खडे रहकर इंतजार किया। इसी तरह से सुबह 11 बजे करीब 28.23 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया था। कड़ी धूप के बावजूद मतदाताओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई और अपराह्न एक बजे मतदान का प्रतिशत करीब 39.35 फीसदी पहुंच गया। हालांकि एक बजे से तीन बजे के बीच मतदान की रफ्तार थोड़ी धीमी हुई। अपरान्ह तीन बजे तक 47.27 फीसदी वोटरों ने मतदान मे हिस्सा लिया। विभिन्न प्रत्याशियों के समर्थक घर-घर जाकर मतदाताओं को मतदान के लिए बूथ जाने को प्रेरित कर रहे थे। इसका असर भी काफी देखने को मिला। इस तरह से शाम पांच बजे तक मतदान का औसत 56.76 फीसदी पहुंच गया। शाम छह बजे तक 60 फीसदी मतदान रिकार्ड किया गया है। जबकि छह बजे के बाद तक कई पोलिंग बूथों में लाइनें लगी रहीं और मतदान का काम चलता रहा। मतदान के बाद मतदान अभिकर्ताओं की मौजूदगी में ईवीएम सील हुई। इसके बाद पोलिंग पार्टियां रवाना हुई। हालांकि मतदान समाप्ति तक मतदान के प्रतिशत में थोड़ा बहुत इजाफा होने की उम्मीद जताई जा रही है। मतदान के बाद सियासी जंग मे ताल ठोंक रहे दर्जनभर रणबांकुरों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया है। आगामी 4 जून को होने वाली मतगणना में इनके भाग्य का पिटारा खुलेगा।

मतदान केंद्र का निरीक्षण करतीं प्रेक्षक व डीएम। अमृत विचार

मतदान के बाद अमित स्याही दिखाते सदर विधायक। अमृत विचार

आदर्श मतदान केंद्रों में रही भव्य सजावट। अमृत विचार

- ईवीएम व वीवी पैट की गड़बड़ियों के बीच शांतिपूर्वक हुई वोटिंग

डीएम की मुहिम पर भारी पड़ी बीएलओ की लापरवाही

- जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्गाशक्ति नागपाल की अगुवाई में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में 85 फीसदी से अधिक मतदान का लक्ष्य को पार करने को लेकर मुहिम छेड़ी गई, लेकिन मतदाताओं की बेरुखी के साथ ही बीएलओ की लापरवाही ने इस अभियान को फ्लाप कर डाला और मतदान का आंकड़ा 85 प्रतिशत के आसपास भी नहीं पहुंच सका। जिले में करीब फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान में अपेक्षित इजाफा होने को लेकर जहां बूथों पर काम करने वाले बीएलओ की लापरवाही सामने आई है। उधर मतदाताओं की लंबी लाइनों व सूरज की तल्खी को भी इसका कारण माना जा रहा है। सुबह के समय जहां मतदान केंद्रों में लाइनें लगी रहीं, वहीं दोपहर के समय ज्यादातर बूथ सन्नाटे में डूब गए। हालांकि मतदान जागरूकता से लेकर मतदान तक के लिए डीएम दुर्गाशक्ति नागपाल ने अथक परिश्रम किया और जिले अधिक से अधिक मतदान कराने का पूरा प्रयास किया। लेकिन बीएलओ की लापरवाही ने डीएम की मेहनत पर पानी फेरने का काम किया। आलम यह रहा कि शहरी क्षेत्र के ज्यादातर मतदाताओं के घर पर्चियां तक नहीं पहुंच पाई और मतदान केंद्र में पर्चियों को लेकर खासी अफरातफरी देखने को मिली। पर्चियां न मिलने से तमाम मतदाता नाराज होकर बूथों से बैरंग वापस लौट गए। ऐसा ही नजारा कमोवेश ग्रामीण अंचलों में भी रहा।

ईवीएम जमा करने को रही मारामारी

- सोमवार देर शाम के बाद जिले के सभी मतदान केंद्रों से जैसे ही ईवीएम के आने का सिलसिला शुरू हुआ तो मंडी समिति परिसर में वाहनों की कतार लगी रही। मंडी परिसर में देर रात तक मतदान कर्मियों का जमावड़ा बढ़ने लगा। इससे वहां सभी जांच पूरी करवाने के बाद ईवीएम को स्ट्रांग रूम में जमा करवाने के लिए लगने वाली समयावधि भी बढ़ने लगी और देखते ही देखते परिसर में हजारों की संख्या में मतदान कर्मी जमा हो गए। जो सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद ईवीएम जमा करवाने के बाद ही अपनी ड्यूटी से मुक्त हो पाए। मंडी समिति परिसर में यह प्रक्रिया देर रात तक जारी रही। बता दें कि जिले के 1389 मतदान केंद्रों में चुनावी प्रक्रिया की सफलता के लिए प्रशासन की ओर से करीब साढ़े हजार हजार कर्मचारियों की तैनाती की गई थी। इनमें बहुतायत पोलिंग पार्टियां रात तक वापस आ चुकी थीं। इस दौरान इन पोलिंग पार्टियों में पहले ईवीएम जमा करवाने की होड़ रात भर चलती रही।

बांदा-चित्रकूट संसदीय क्षेत्र : मतदान का उतार-चढ़ाव (प्रतिशत)

विधानसभा	9 बजे	11 बजे	1 बजे	3 बजे	5 बजे	6 बजे
बबेरू	13	27.67	38.69	47.36	56.7	59.23
बांदा	14.66	28.85	40.18	48.05	57.61	60.05
चित्रकूट	15.33	30.53	41.72	49.65	58.79	60.55
मानिकपुर	15.33	30.05	40.40	47.20	55.74	56.90
नरैनी	14.50	28.93	39.81	47.95	58:11	60.51
कुल मतदान	14.57	29.25	40.20	48.08	57.30	59.64

तिंदवारी में सुबह कम लोग पहुंचे बूथों पर

- हमीरपुर-तिंदवारी संसदीय क्षेत्र के लिए तिंदवारी विस क्षेत्र में सुबह मतदान की गति धीमी रही। सुबह नौ बजे 13 .08 प्रतिशत लोगों ने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके बाद वोटों में तेजी आई और दोपहर 11 बजे मतदान प्रतिशत 27 .86, एक बजे मतदान प्रतिशत 39 .00, तीन बजे मतदान प्रतिशत 46 .02, शाम पांच बजे मतदान प्रतिशत 54 .87 रहा।

मतदाता सूची में रहीं काफी खामियां

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचार। मतदाता सूची में गड़बड़ी और बीएलओ द्वारा मतदाता पर्ची वितरण में लापरवाही की वजह से सोमवार को कई लोग लोकतंत्र के उत्सव में शामिल नहीं हो सके। वोटर कार्ड होने के बाद भी वे लोग मतदान नहीं कर सके। मतदाता सूची में नाम नहीं होने पर निराश होकर लोग घर लौट गए।

जिला प्रशासन ने मतदान प्रतिशत बढ़ने के लिए भले ही अपनी ताकत झोंक दी लेकिन मतदाता सूची में गड़बड़ी के चलते तमाम मतदाता वोट नहीं डाल सके। शहर के जेएन डिग्री कालेज को मॉडल बूथ बनाया गया है। यहां आवास-विकास, इंदिरा नगर, सिविल लाइन का वोट पड़ना था। लोग उम्मीद के साथ अपना निर्वाचन कार्ड लेकर बूथ तक गए लेकिन वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के कारण कई लोग वोट नहीं डाल सके। शहर के इंदिरा नगर निवासी रुपकिशोर अवस्थी, सुनीता अवस्थी, मीनाक्षी, मढ़िया नाका ज्ञानूराम तिवारी, राकेश गुप्ता, सुनीता सेन, नमन गुप्ता, अमन गुप्ता, स्वराज कालोनी के बैजनाथ, गिरजा देवी, रामनाथ, रामरती, मुन्ना, सविता, गुड्डू, पुष्पा और अनिल का नाम नहीं था। मतदाता सूची में भारी गड़बड़ी रही। मतदान से वंचित लोगों ने सेक्टर मजिस्ट्रेट से शिकायत किया कि उनके पास वोटर कार्ड है लेकिन सूची में नाम नहीं है। बीएलओ की लापरवाही से वोट नहीं डाल पा रहे हैं। सेक्टर मजिस्ट्रेट ने कहा कि जब सूची में नाम नहीं है तो वोट नहीं डाल सकते। इसी तरह शहर के डीएवी इंटर कालेज मतदान केंद्र में दो दर्जन लोग मतदाता सूची में गड़बड़ी के कारण वोट नहीं डाल सके।

मतदाता सूची में नाम खोजते वोटर। अमृत विचार

- वोटर कार्ड होने के बाद भी कई लोग नहीं डाल सके वोट

पहली बार डाला वोट, बूथ के बाहर ली सेल्फी

बांदा। चुनाव में पहली बार वोट डालने वाले युवक और युवतियों में मतदान के बाद उंगली में लगी स्याही के साथ सेल्फी लेने का काफी क्रेज दिखाई दिया। युवाओं के उत्साह को देखते हुए हर आयु वर्ग वोट करने के लिए पहुंचा। नए मतदाताओं में मतदान को लेकर गजब का उत्साह नजर आया। मतदान केंद्र पहुंचे कुछ युवक-युवतियों को तो जाते ही वोट डालने का मौका मिल गया। मगर कुछ को मतदान केंद्रों पर भारी भीड़ के कारण लाइन में लगना पड़ा। सभी ने लाइन में लग कर अपनी बारी का इंतजार किया। वोट डालकर मतदान केंद्र से बाहर आए नए मतदाताओं के चेहरे पर खुशी अलग ही झलक रही थी। बूथ से बाहर आने के बाद युवक-युवतियों में सेल्फी खींचने की होड़ मच गई। हर युवा इस पल को अपनी मोबाइल पर कैद करना चाहता था। मतदान करने के बाद युवाओं ने उंगली में लगी स्याही के साथ जमकर सेल्फी खींची और सोशल मीडिया पर फोटो शेयर करते हुए अपने दोस्तों को वोट करने के लिए प्रेरित किया।

उम्मीदवारों समेत जनप्रतिनिधियों ने किया मतदान

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचार। लोकतंत्र के महापर्व का हिस्सा बनने के लिए जहां आम मतदाताओं में होड़ लगी रही, वहीं जनप्रतिनिधियों समेत सभी सियासी दलों के उम्मीदवारों ने भी लोकतंत्र के महायज्ञ में आहुति डाली। सूबे के जलशक्ति राज्यमंत्री और सदर विधायक समेत सभी जनप्रतिनिधियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और अपने-अपने दल के उम्मीदवार की जीत का भरोसा जताया।

सोमवार को मतदान के दौरान प्रदेश सरकार के जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने जहां अपने पैत्रक गांव पैलानी डेरा स्थित मतदान केंद्र में पहुंचकर मताधिकार का प्रयोग किया, वहीं सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने भी छिबांव खुरहंड स्टेशन में अपना वोट डाला। दोनों नेताओं ने भाजपा के उम्मीदवारों की भारी भरकम जीत के साथ देश में तीसरी बार मोदी सरकार बनने का भरोसा जताया। वहीं पूर्ववर्ती बसपा सरकार में कद्दावर मंत्री रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने आदर्श बजरंग इंटर कालेज अपना वोट डाला और यहां से सपा उम्मीदवार की जीत का भरोसा जताया। उन्होंने देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का दावा किया।

ऐसे ही इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी कृष्णा सिंह पटेल ने बबेरू कस्बे के जेपी शर्मा इंटर कालेज, बसपा उम्मीदवार मयंक द्विवेदी ने अतर्रा के महोतरा में अपने मताधिकार का प्रयोग किया और अपनी जीत के प्रति आश्वस्त दिखे। उधर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विशंभर प्रसाद निषाद ने झंझरीपुरावा, सपा से बबेरू विधायक विशंभर सिंह यादव ने बबेरू में मतदान किया। वहीं जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्गाशक्ति नागपाल और मंडलायुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी ने परिवार के सदस्यों के साथ पं.जेएन डिग्री कालेज में मताधिकार का प्रयोग किया।

मतदान के बाद अमित स्याही दिखाते बसपा उम्मीदवार मयंक द्विवेदी। अमृत विचार

सेल्फी प्वाइंट पर फोटी खिंचवाती गठबंधन प्रत्याशी कृष्णा सिंह पटेल।

वोट की चोट | आजादी के बाद से नहीं बनी थी सड़क, ग्रामीणों ने किया था मतदान का बहिष्कार

सड़क निर्माण के लिखित आश्वासन के बाद ही शुरू हो सका मतदान

संवाददाता, नरैनी (बांदा)

- लगभग साढ़े छह घंटा प्रभावित रहा मतदान
- फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे तहसीलदार

अमृत विचार। सड़क निर्माण न होने पर ग्रामीणों द्वारा मतदान बहिष्कार रंग लाई। ग्रामीणों ने बताया की आजादी के बाद से सड़क न होने की वजह से बरसात के महीने में आवागमन ठप हो जाता है। बच्चे भी स्कूल नहीं जा पाते हैं। एक पखवारे पहले ग्रामीणों ने लोकसभा मतदान बहिष्कार का एलान कर दिया।

मतदान बहिष्कार की खबर पर तहसीलदार भारी पुलिस फोर्स को लेकर गांव पहुंचें। आक्रोशित ग्रामीणों ने उन्हें जमकर खरी खोटी सुनाई। तहसीलदार के लिखित आश्वासन पर ग्रामीण वोट डालने को तैयार हुए।

मामला नरैनी तहसील के नौगवां गांव के मजरा सुखारी पुरवा का मतदान केंद्र नौगवां के बूथ संख्या 161 का है। गांव के मुन्ना, सुरेंद्र, रामकेश सहित दो सैकड़ा से अधिक लोगो ने आजादी के बाद से सड़क न बनने की मांग को लेकर लोक सभा चुनाव का बहिष्कार कर दिया। ग्रामीणों ने बताया की आजादी के बाद से सड़क न होने की वजह से बरसात के महीने में आवागमन ठप्प हो जाता है बच्चे स्कूल नहीं जा पाते है।

अगर कोई व्यक्ति बीमार पड़ जाता है तो वह अस्पताल नही पहुंच पाता है जिससे लोगो को भारी परेशानी होती है। सोमवार को चुनाव बहिष्कार की सूचना पर तहसीलदार संतोष कुमार, नायब तहसीलदार यशपाल सिंह भारी पुलिस फोर्स के साथ सुखारी पुरवा गांव पहुंचे ग्रामीणों को देर तक समझाया-बुझाया। अधिकारियों के लिखित आश्वासन के बाद दोपहर बाद मतदान शुरू हुआ। इस बूथ में लगभग साढ़े छह घंटा तक मतदान प्रभावित रहा।

मतदान बहिष्कार के बाद ग्रामीणों को मनाते अधिकारी। अमृत विचार

धरा गया बूथ में प्रचार कर रहा पोलिंग एजेंट

शहर के खिन्नी नाका स्थित प्राथमिक विद्यालय के पोलिंग बूथ नंबर तीन के अंदर पार्टी का प्रचार कर रहे पोलिंग एजेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने का प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए उसे धर लिया। वीडियो में दिख रहा है कि एजेंट एक पार्टी का पोस्टर लेकर बूथ के अंदर लाइन में लगे मतदाताओं को पार्टी का चिन्ह और ईवीएम में किस नंबर पर वोट डालना है बताता नजर आ रहा है।

दो बूथों पर खराब हुई ईवीएम

बदौसा ग्राम पंचायत के संकुल भवन बूथ संख्या 330 के पीठासीन अधिकारी भारत भूषण नें बताया कि माक पोलिंग के दौरान 6 बजे मशीन में ईरर आ रहा था जिसकी सूचना सेक्टर मजिस्ट्रेट अनूप वर्मा को दी गयी। उनके निर्देश पर यूनिट चेंज किया तब भी ईबीएम नहीं चली एक घंटा तक मतदान बाधित रहा। ईवीएम और बैलेट यूनिट बदलने के बाद मतदान शुरू हुआ। इसी प्रकार बरकतपुर अंश बदौसा के बूथ संख्या 342 प्राथमिक विद्यालय बरकतपुर की ईबीएम खराब होने पर दो घंटा मतदान बाधित रहा। वसीम खान नें बताया कि 7 बजे ईबीएम चली नहीं। तकरीबन 2 घंटे तक मतदान रुका रहा। सेक्टर मजिस्ट्रेट अनूप वर्मा नें उक्त दोनो जगह ईबीएम खराब होने व मशीन बदल कर मतदान चालू कराने की पुष्टि की है।

पोलिंग बूथ में युवक को पीटने का आरोप

बदौसा थाना क्षेत्र के तेरा(ब) के बूथ में लाइन पर खडे होने के मामले में युवक को पुलिस नें जमकर पीटा, पुलिस की मार-पीट से युवक के कान का पर्दा फट गया, जिसे सीएचसी अतर्रा में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बांदा रेफर किया गया। लोक सभा चुनाव के दौरान बांदा-चित्रकूट के तेरा (ब) बूथ संख्या 354 उच्च प्राथमिक विद्यालय तेरा (ब) में सुबह बोट डालने के लिए लाइन पर खड़े किसी बात को ले कर दो लोगों में बहस हो गयी ड्यूटी में तैनात सुरक्षा कर्मियों नें धर्मेन्द्र कुमार वर्मा (24) पुत्र नत्थू निवासी साहुन पुरवा तेरा ब थाना अतर्रा को इतना मारा कि कान का पर्दा फट गया जिसे एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अतर्रा लाए। यहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया।

तेज धूप और गर्मी से बूथों पर पसरा रहा सन्नाटा

चिल्ला क्षेत्र के मतदान केंद्र पर पसरा सन्नाटा।

सुबह में जहां कुछ मतदान केंद्रों में मतदान देने के लिए लोगों में काफी उत्साह देखा गया। वहीं दिन चढ़ने के साथ दोपहर को बूथों में सन्नाटा पसर गया। सिर्फ सुबह ही ज्यादातर मतदान केंद्रों में लंबी लाइनें नजर आईं। दिन चढ़ने के साथ तेज धूप और भीषण गर्मी से ज्यादातर बूथों में सन्नाटा पसर गया। सिर्फ इक्का-दुक्का मतदान केंद्रों में लोग नजर आए। कुछ केंद्रों में तो ये हालात रहे कि मतदान अधिकारी मतदाताओं का इंतजार करते रहे। मतदान केंद्रों में किसी तरह की सुविधा के इंतजाम नहीं थे। अधिकारियों को पानी के लिए तरसना पड़ा।

मतदान दिवस पर बाजार में पसरा रहा सन्नाटा। अमृत विचार

सड़कों पर छाया रहा सन्नाटा

बांदा। लोकसभा चुनाव को लेकर लोकसभा क्षेत्र के बाजार की दुकानें बंद रही। वहीं मतदान के कारण सड़कों पर सन्नाटा बिखरा रहा। शहर के मुख्य मार्ग पर इक्का-दुक्का वाहन नजर आएं। रेलवे स्टेशन और रोडवेज बस स्टैंड में भी भीड़भाड़ कम नजर आई।

व्यवसायी वर्ग अपनी दुकान बंद कर मतदान में भाग लेने गए। व्यवसायी वर्ग के लोग अपने परिवार वालों के साथ मतदान करने संबंधित बूथ पर पहुंचे। मतदान के दौरान शहर के साथ ग्रामीण इलाके पर भी सड़के सुनी रही। लोग मतदान के लिए घर से निकले और पुनः घर में ही सिमट कर रह गए। बाजार भी पूरी तरह से सुनसान रहा। मतदान के दौरान सड़कों पर प्रशासनिक हलचल तेज रही। प्रशासन के आला-अधिकारियों की भाग-दौड़ सड़क पर अधिक दिखी। सूनी सड़कें इस बात की गवाही दे रही थी कि लोकतंत्र के मजबूती प्रदान के लिए लोग अपने काम को पीछे रख इस पर्व में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे है।

बाजारों में कुछ आवश्यक सामग्री की दुकानों को छोड़ लगभग सभी दुकानें बंद रही। जहां रोज ई-रिक्शा की कतार सड़क पर रहती है। वहीं आज इन लोगों ने भी सड़क पर निकलने से गुरेज किया। जिस कारण कुछ लोगों को अपने गंतव्य स्थान पर जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। उधर, रेलवे स्टेशन और रोडवेज बस स्टैंड में भी यात्रियों की संख्या कम नजर आई।

वोट डालने पहुंचीं पच्चासी वर्ष की वृद्धा सावित्री देवी।

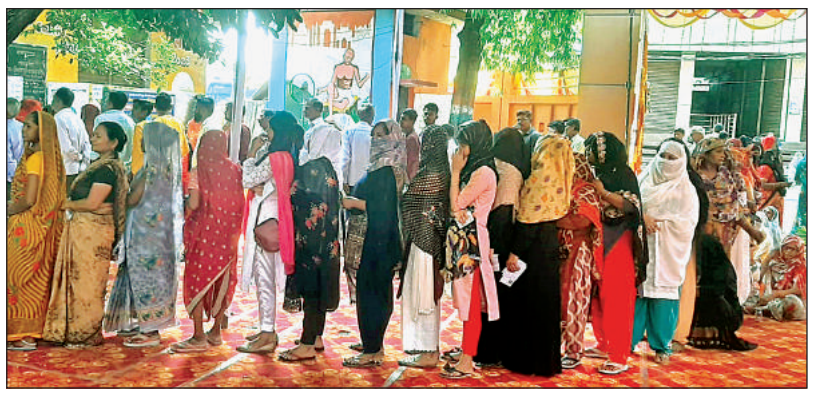
वोट डालने के लिये लगी महिलाओं की लंबी लाइन। अमृत विचार

नब्बे साल की रामकुंवर भी पहुंचीं वोट डालने।

वोट डालने के बाद उंगली दिखाते सांसद।

मतदान केंद्रों का जायजा लेते डीएम मृदुल चौधरी और एसपी अपर्णा गुप्ता। अमृत विचार

भीषण गर्मी भी मतदाताओं का नहीं डिगा सकी जोश

सुबह साढ़े छह बजे से बूथों पर पहुंचे मतदाताओं ने किया मताधिकार का प्रयोग, कुछ पोलिंग बूथों पर मशीनें खराब होने से बाधित हुई प्रक्रिया

कार्यालय संवाददाता, महोबा

46 डिग्री सेल्सियस के बीच मतदाताओं ने किया मतदान

59.81 फीसद जिले में हुआ मतदान

06 बजे शाम तक चला मतदान का दौर

वोट डालने के लिए लाइन में लगे महिला व पुरुष मतदाता। अमृत विचार

अमृत विचार। जिले में छिटपुट घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्ण तरीके से लोकसभा का चुनाव संपन्न हुआ। लोकसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। सुबह छह बजे से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भारी भीड़ जमा हो गई। वहीं चुनाव में इस दफा मतदान के दौरान पारा 46 डिग्री के पार पहुंच जाने और आसमान से बरस रही आग भी मतदाताओं का हौसला नहीं डिगा सकी। पहले करो मतदान फिर करो जलपान स्लोग्न को सार्थक करते हुए महिलाओं ने कोई काम न करके पहले पालिंग बूथों पर पहुंचकर लाइन लगा ली ।

सुबह छह बजे से दस बजे तक मतदाताओं की लाइन का क्रम नहीं टूटा। किसी किसी बूथ पर पुलिस जवानों द्वारा मतदान केंद्रों में जाने से मना करने पर पत्रकारों और पुलिस जवानों के बीच जमकर नोकझोंक हुई। वहीं पूरब साधन सहकारी समिति बड़ीहाट, प्राथमिक विद्यालय सर्राफीपुरा, पूर्व माध्यमिक विद्यालय लाड़पुर और राजकीय महाविद्यालय महोबा सहित कुछ पूलिंग बूथों पर मशीनें खराब होने पर अधिकारियों ने दूसरी मशीनें पहुंचाई, जिससे आधा घंटे से एक घंटे तक वोटिंग रुकी रही, जबकि राजकीय महाविद्यालय में मशीनें खराब होने पर डीएम और एसपी ने मौके पर पहुंचकर दूसरी मशीन मंगाकर मतदान शुरू कराया। जिलाधिरी मृदुल चौधरी और एसपी अपर्णा गुप्ता ने तेज धूप के बीच जिले की दोनों विधानसभा क्षेत्रों के पोलिंग बूथों का निरीक्षण कर जायजा लिया।

हमीरपुर महोबा संसदीय सीट के चुनाव को लेकर जिले की महोबा और चरखारी विधानसभाओं में सोमवार को सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो गया। पिछले पांच दिनों से पड़ रही तेज धूप और आसमान से उगल रही आग से बचने के लिए मतदाता सुबह साढ़े छह बजे से पोलिंग बूथों पर लाइनों में लग गए और ठंडे मौसम में वोटिंग करने के बाद अपने-अपने घरों को वापस लौट आए। सुबह से ही प्रत्येक पोलिंग बूथों पर मतादाताओं की लंबी-लंबी लाइनें लग गई, जिसके चलते सुबह नौ बजे महोबा विधानसभा में 14 फीसदी और चरखारी विधानसभा में 12.8 फीसदी वोट पड़े। दिन में ग्यारह बजे तक महोबा विधानसभा में 28.82 और चरखारी विधानसभा में 27.41 फीसदी वोटिंग हुई थी। इसी तरह दोपहर एक बजे महोबा में 41.37 और चरखारी विधानसभा में 40.32 प्रतिशत वोटिंग हुई, लेकिन एक बजे से तीन बजे तक अधिक धूप और भीषण गर्मी के चलते मतदान प्रतिशत घट गया, जिसके चलते एक बजे से तीन बजे मात्र आठ फीसदी ही वोटिंग हो सकी, जिससे महोबा विधानसभा में तीन बजे तक 48.63 और चरखारी विधानसभा में 49.9 फीसदी वोट पड़े वहीं शाम छह बजे तक महोबा में 60.80 फीसद व चरखारी में 59.54 मतदान हुआ।

लोकसभा चुनाव में सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल ने अपने परिवार के साथ पहुंचकर तहसील में बने पोलिंग बूथ पर मतदान किया। इसी तरह अन्य प्रत्याशियों ने भी अपने अपने गांव के पोलिग बूथों पर वोट डाले। जिला पंचायत अध्यक्ष जेपी अनुरागी ने जनतंत्र इंटर कालेज के मतदान केंद्र पर मतदान किया। मतदाताओं ने इस दफा के चुनाव में विशेष उत्साह दिखाई दिया। विकलांग और अस्सी वर्ष से अधिक उम्र की महिलाएं भी कोई साइकिल से, व्हीलचेयर से तो कोई डंडा टेकते हुए मतदान केंद्रों तक पहुंचे और अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। कुछ पोलिंग बूथों पर सुबह मात्र एक छोटी सी एलईडी बल्ब लगा होने से मतदान कार्मिकों को थोड़ी असुविधा का सामना करना पड़ा। मतदान के चलते सोमवार को सरकारी, गैर सरकारी कार्यालय, शिक्षण संस्थान और बाजार बंद होने से सड़कों पर सन्नाटा छाया रहा, लेकिन पोलिंग बूथों के आसपास खासी चहल पहल दिखाई दी। पुलिस कर्मचारियों द्वारा बुजुर्गों को पोलिंग बूथ तक लाने पर पुलिस कर्मचारियों द्वारा तत्काल वाहन हटवाए जाने से बुजुर्ग मतदाताओं को असुविधा हुई। कुछ पार्टी प्रत्याशियों द्वारा मतदान अधिक बढ़ाने के लिये टेंपो, टैक्सी और लगा दिए गए, जिससे मतदाताओं को केंद्र तक जाने में असुविधा न हो।

- लोकसभा चुनाव के प्रति इस दफा मतदाताओं में दिखाई दिया विशेष उत्साह
- कहीं विकलांग तो कहीं पच्चासी वर्ष से अधिक उम्र की महिलाएं भी पहुंचीं वोट डालने

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुआ मतदान

लोकसभा चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने सात कंपनी सशस्त्र बल, तीन कंपनी पीएसी, जिले की फोर्स के अलावा बाहरी फोर्स भी लगाया गया। कुल मिलाकर जिले की दोनों विधानसभाओं में सुरक्षा की दृष्टि से 4500 सशस्त्र और पुलिस बल को पोलिंग बूथों पर लगाया गया, जिससे कि चुनाव में किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि लोकसभा चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं, जिससे मतदाता निडर होकर मतदान करता दिखाई दिया।

घूंघट की ओट से महिलाओं ने डाले वोट

भीषण गर्मी के बीच महिलाओं ने पोलिंग बूथों पर घूंघट की ओट में पहुंचकर वोट डाला तो वहीं तमाम महिलाएं बुर्का और सिर पर चुन्नी बांधकर वोट डालने पहुंची, वहीं वोट डालने के प्रति महिलाओं ने भी उत्साह दिखाया, जहां एक तरफ पुरुषों की लंबी लाइन थी वहीं महिलाओं की लाइन भी पुरुषों से पीछे नहीं थी। महिलाओं ने बुर्का और घूंघट की ओट में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। हालांकि मतदान करते समय मतदान कार्मिकों ने चेहरा देखने के लिए घूंघट और चुन्नी हटवाकर फोटो से मिलान किया।

प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में कैद

सपा प्रत्याशी अजेंद्र लोधी।

बीएसपी प्रत्याशी निर्दोष।

- प्रमुख दलों के प्रत्याशी सारा दिन पोलिंग बूथों का निरीक्षण कर जीत के करते रहे दावे
- ईवीएम को कड़ी सुरक्षा के साथ स्ट्रांग रूम में रखवाया गया

कार्यालय संवाददाता महोबा

11 प्रत्याशी अंत में बचे थे चुनावी समर में

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के सोमवार को हुए मतदान के बाद भाजपा, सपा कांग्रेस, गठबंधन और बसपा प्रत्याशी समेत 11 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम मशीन में कैद हो गया। मतदान के बाद रात में वापस लौटे मतदान कार्मिकों ने ईवीएम मशीन जमा की। राजकीय पॉलिटेक्निक के स्ट्रांग रूम में ईवीएम मशीनों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रखा दिया गया।

स्ट्रांग रूम में

सुरक्षा बलों का पहरा लगा दिया गया है। अब मतदान समाप्त होने के बाद 4 जून को राजकीय पॉलीटेक्निक में मतगणना कराई जाएगी। सोमवार को सुबह 7:00 बजे से शुरू हुए मतदान के दौरान भाजपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल, सपा कांग्रेस गठबंधन की प्रत्याशी अजेंद्र लोधी, और बसपा प्रत्याशी निर्दोष दीक्षित ने लोक सभा क्षेत्र में पोलिंग बूथों में जा जाकर मतदान का जायजा लिया साथ ही प्रमुख दलों के तीनों प्रत्याशियों ने अपनी अपनी जीत के भी दावे किए। भाजपा प्रत्याशी जीत के प्रति अधिक आशान्वित नजर आ रहे थे।

मतदान समाप्त होने के बाद सभी प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला अब ईवीएम में कैद हो गया है। मतदान समाप्त होने के बाद प्रत्याशी और उनके समर्थक कार्यालय और घरों में बैठकर कितने वोट किस क्षेत्र से मिले हैं इसका गुणा भाग लगाने में जुटे हुए हैं। जिससे जीत का आकलन किया जा सके। मतदान समाप्त होने के बाद अब चुनाव कार्यालय में अपनी अपनी जीत के कयास लगा रहे हैं। उधर पॉलिटेक्निक के स्ट्रांग रूम की खिड़कियों को बंद कर कर ईवीएम मशीन रखने के बाद स्ट्रांग रूम को सील कर दिया गया है और अर्ध सैनिक बलों को सुरक्षा में लगा दिया है। जहां पर अब परिंदा भी पर नहीं मार सकता।

मतदाता सूची से नाम गायब होने पर तमाम लोग मतदान से हुए वंचित

संवाददाता, जैतपुर महोबा

- ग्रामीणों ने बीएलओ पर सूची से नाम गायब करने का लगाया आरोप

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव में जहां अधिक से अधिक मतदान के लिए अधिकारियों, समाजसेवियों द्वारा मतदाताओं को जागरूक किया गया, वहीं जैतपुर के बीएलओ की लापरवाही के चलते तमाम मतदाताओं को मतदान करने से वंचित रहना पड़ा। सैकड़ों की संख्या में मतदान सूचनी में नाम न होने से वोटर बिना मतदान किए बैरंग लौट गए। सालों से कस्बे में रह रहे मतदाताओं का मतदाता सूची में नाम गायब होने पर बीएलओ पर मनमानी का आरोप लगाया है।

सोमवार को बूथों पर मतदान चल रहा था, तभी पर्ची न आने पर तमाम मतदाता मतदान केंद्र पहुंच गए, जहां पर बीएलओ से मुलाकात कर पर्ची की मांग की गई, लेकिन मतदाता सूची में नाम न होने के कारण उनकी पर्ची निकल सकी और मतदाता बैरंग वापस लौट गए, इससे उनमें वोट न डालने से खासा आक्रोश नजर आया। ग्राम खंदियापुरा निवासी ओमप्रकाश अहिरवर, मंजू, नीरज, दीपिका, गायत्री, प्रमोद कुमार, मोहनलाल, ब्रजरानी, राकेश कुमार आदि का कहना है कि वह दो किमी0 तक मतदान केंद्र पैदल चलकर पहुंचे, लेकिन मतदाता सूची से नाम गायब होने पर उन्हें वापस लौटना पड़ा।

इसी तरह कई कई किमी0 दूर बूथ बनाए जाने के कारण तमाम मतदाता वोट डालने ही नहीं गए। मतदाताओं ने बताय कि तीन किमी0 दूर बूथ बना दिए जाने से मतदाताओं में खासा गुस्सा दिखाई दिया और बुजुर्ग मतदान करने से हिम्मत हार गए। निर्वाचन आयोग द्वारा 85 वर्ष के मतदाताओं को घर पर मतदान करने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन कोई कर्मचारी बुजुर्ग मतदाताओं के पास मतदान कराने के लिए नहीं पहुंचा।

बूथ दूर होने पर ई-रिक्शा चालकों की रही चांदी

मतदान केंद्र इस साल अधिक दूर बना दिए जाने से ई-रिक्शा चालकों की बल्ले बल्ले रही। एक मतदाता के बूथ तक आने जाने का रिक्शा चालकों ने बीस रुपये के हिसाब से किराया वसूला, जिससे गरीब वर्ग के लोग किराए का इंतजाम न हो पाने पर मतदान करने ही नहीं गए। कस्बा जैतपुर के गुसियानापुरा, खंदियापुरा के भारत सिंह, गनेश सिंह, ठकुराइन, दुलईया, रामचरन, शंकरलाल, रामलाल कुशवाहा सहित मतदाताओं ने बताया कि मतदान केंद्र दूर होन से पैदल चलना संभव नहीं था, जिससे दोनो तरफ से रिक्शा चालकों ने बीस रुपये प्रति सवारी के हिसाब से वसूला, जिससे ईरिक्शा चालकों की बल्ले बल्ले रही।

ड्यूटी में मणिपुर से आए आरक्षी की हुई मौत

महोबा। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को सकुशल संपन्न कराने के लिए मणिपुर राज्य से जनपद महोबा आए एमपीटीसी जी कंपनी में नियुक्त मुख्य आरक्षी की चुनाव ड्यूटी के दौरान अचानक स्वास्थ्य खराब हो गई। आनन फानन में उसके साथी उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल महोबा ले गए, जहां पर डाक्टरों ने जांच करते हुए उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक को भी दे दी गई है, बाद में उसके शव को पुलिस लाइन महोबा ले जाया गया, जहां पर राजकीय सम्मान के साथ उसे सैल्यूट किया गया। इस घटना से मणिपुर से आए आरक्षियों में गमगीन महौल बना हुआ है।

तेज धूप के बीच वोट डालने जातीं महिलाएं।

पहली बार वोट डालने के बाद उंगली दिखातीं युवतियां।

चुनाव के चलते सड़क पर पसरा सन्नाटा। अमृत विचार

वोट की चोट कर मतदाताओं ने दिखाई अपनी ताकत

कार्यालय संवाददाता, महोबा

07 बजे के पहले ही बूथों पर पहंचने लगे थे मतदाता

90 वर्ष की वृद्धा रामकुंवर ने भी की वोट की चोट

अमृत विचार। मतदान के दौरान पारा 46 डिग्री के पार पहुंच जाने और आसमान से बरस रही आग भी मतदाताओं का हौसला नहीं डिगा सकी। मतदाता केंद्रों में सुबह सात बजे के पहले ही लाइन में लग गये। मतदाताओं में इस कदर का मतदान के प्रति उत्साह दिखाई दिया कि जहां पुरुष सिर पर गमछा और तौलिया बांधकर मतदान के लिए निकल पड़े, वहीं महिलाएं और युवतियां धूप से बचने के लिए सिर पर चादर व स्टॉल ओढ़कर मतदान केंद्र पहुंची और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। तेज धूप के बीच महिलाएं साढ़े बारह बजे सड़क पर छाए सन्नाटे के बीच मतदान के लिए पोलिंग बूथ पहुंचकर लाइन पर लग गईं।

मालूम हो कि इस दफा के लोकसभा चुनाव की तरह पिछले कई लोकसभा चुनाव में मतदान के दिन इतनी तेज धूप और लू के थपेड़े देखने को नहीं मिले, इस साल जितनी ज्यादा आग बरस रही थी उतना ही मतदाताओं में मतदान के प्रति जोश दिखाई दे रहा था। मतदाताओं ने लू के थपेड़ों और धूप की चिंता किए बिना वोटिंग की।

युवतियों ने पहली बार वोट डालकर जताया हर्ष

अन्य मतदाताओं के साथ पहली दफा वोट डालने पहुंचे युवा मतदाताओं में कुछ अलग ही उत्साह नजर आया। जहां एक तरफ युवा मतदाता अपने साथियों के साथ पहली दफा वोट डालने के लिए पहुंचे वहीं पहली बार वोट डालने के लिए युवतियां भी अपने सहेलियों के साथ पोलिंग बूथ पहुंची और उत्साह के साथ प्रथम बार वोट डाला। चरखारी निवासी सज्जो, नीलू और हजरा ने बताया कि उन्हें पहली दफा वोट डालने का सौभाग्य मिला है, जिससे उन्होंने कड़ी धूप के बीच पोलिंग बूथ पर पहुंचकर वोटिंग की। युवतियों का कहना है कि उन्होंने पहली बार रोजगार के लिए वोट डाला है, जिससे युवाओं को अच्छा प्रत्याशी चुनकर संसद पहुंचने के बाद रोजगार दिला सके।

चुनाव के चलते सड़कों पर पसरा रहा सन्नाटा

मतदान को लेकर सोमवार को सारे कामकाज ठप रहे,यहां तक कि बाजार भी बंद रहा, जिसके चलते बाजार और सड़कों में पूरी तरह सन्नाटा पसरा रहा। सड़कों में आवाजाही ठप रही, जिससे वाहन चालक तो दूर पशु पक्षी भी नहीं दिखाई दिए। शाम को मतदान समाप्त होने के बाद कुछ दुकानें खुलने पर हुई चहल-पहल।

इतना ही नहीं अस्सी से नब्बे साल की महिलाओं पर भी धूप और गर्मी का कोई असर नहीं दिखाई दिया। चरखारी निवासी रामकुंवर (90) घर से तेज धूप में पैदल ही मतदान के लिए निकल पड़ी। मतदान केंद्र के दरवाजे पर इस वृद्धा को देखकर पुलिस कर्मियों ने व्हीलचेयर में बैठाकर पोलिंग बूथ तक पहुंचाया।

इसी तरह चरखारी कस्बे के रायनपुर निवासी सावित्री देवी (85) अपने नाती का हाथ पकड़कर वोट डालने के लिए मतदान केंद्र पहुंच गई, जहां पर उन्होंने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। व्हीलचेयर में बैठने से डर रही महिला मतदान केंद्र के अंदर लाठी के सहारे चलकर पोलिंग बूथ पहुंची। रायनपुर चरखारी निवासी विकलांग रीता देवी अपने पति के साथ साइकिल पर सवार होकर वोट डालने आईं। उसने बताया कि वह वोट के अधिकार को समझती है, इसलिए उसने धूप की कोइ परवाह नहीं की।

चाक चौबंद — जिले में बनाए गए थे 732 मतदान केंद्र, पोलिंग बूथ पर शुद्ध पेयजल और टेंट की व्यवस्था होने पर जताया संतोष

कमिश्नर और डीआईजी ने पोलिंग बूथों का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, महोबा

निरीक्षण करते कमिश्नर बालकृष्ण त्रिपाठी और डीआईजी अजय कुमार सिंह।

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में सोमवार को चित्रकूट धाम मंडल बांदा के कमिश्नर बालकृष्ण त्रिपाठी और डीआईजी अजय कुमार सिंह जिले की दोनों विधानसभा सीटों के मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर जायजा लिया। दोनों आला अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्था को भी देखा साथ ही मतदाताओं से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील भी की। कमिश्नर के अलावा जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने भी मतदान केंद्रों में स्वच्छ पेयजल, व्हीलचेयर और पोलिंग बूथों पर टेंट आदि की व्यवस्थाओं को देखा। भीषण गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने पोलिंग बूथों पर मतदाताओं को धूप से बचाने के लिए टेंट लगाने के निर्देश दिए थे।

जिले में बनाए गए 732 मतदान केंद्रों पर मतदान शुरू होने के बाद जिलाधिकारी भी जहां पोलिंग बूथों की व्यवस्थाओं को देखने के लिए निकल पड़े वहीं बांदा के कमिश्नर और डीआईजी भी महोबा आ धमके। जिन्होंने अखंड इंटर कालेज कबरई के पोलिंग बूथ का जायजा लिया, यहां पर शुद्ध पेयजल और टेंट की व्यवस्था होने पर संतोष जताया। पोलिंग बूथों पर मतदाताओं की लंबी लाइन देखकर चित्रकूट धाम बांदा परिक्षेत्र के अधिकारी गदगद हो गए।

दो-दो घंटे में पड़े मतदान प्रतिशत का रिकार्ड

सुबह सात बजे शुरू हुए मतदान का दो दो घंटे में मतदान प्रतिशत रिकार्ड किया गया, जिसके तहत सुबह सात से नौ बजे तक महोबा विधानसभा में 14 प्रतिशत और चरखारी विधानसभा में 12 फीसदी, सुबह 11 बजे तक महोबा में 28.82 प्रतिशत और चरखारी में 27.41 प्रतिशत वोटिंग हुई। दोपहर एक बजे तक महोबा में 41.37 और चरखारी में 40.32 प्रतिशत वोट डाले गए। तीन बजे तक महोबा में 48.63 और चरखारी विधानसभा में 49.9 फीसदी मतदाताओं ने वोट डाले। शाम पांच तक महोबा विधानसभा में 57.67 प्रतिशत और चरखारी विधानसभा में 57.61 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मतदाधिकार का प्रयोग किया। वहीं शाम छह बजे तक महोबा में 60.80 फीसद व चरखारी में 59.54 फीसद मतदान हुआ।

सीगौन के ग्रामीणों ने किया चुनाव बहिष्कार

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव में विकासखंड जैतपुर के ग्राम सीगौन में सड़क निर्माण की मांग को लेकर मतदाताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए मतदान का बहिष्कार किया। कई घंटे तक मतदान बहिष्कार जारी रखने की खबर मिलते ही तमाम अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने और उनकी मांग पूरी किए जाने के बाद भी ग्रामीण नहीं माने । ग्रामीणों के किसी तरह न मानने पर अधिकारियों ने ग्राम प्रधान को समझाया तब प्रधान व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सरकारी कर्मचारियों सहित 36 लोगों ने मतदान किया।

बहिष्कार के चलते दो से तीन घंटे बाद शुरू हुआ मतदान

विकासखंड जैतपुर के ग्राम रजपुरा के ग्रामीणों ने पुल की मांग को लेकर चुनाव का बहिष्कार कर दिया।
इसी तरह ग्राम रामूपुरा, ठठेवरा के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर चुनाव का बहिष्कार कर दिया। चुनाव बहिष्कार की खबर मिलते ही नायब तहसीलदार कुलपहाड़ अन्य अधिकारियों के साथ गांव पहुंचे और ग्रामीणों की समस्या का चुनाव के बाद निराकरण करने का आश्वासन दिया, इसके बाद करीब दो से तीन घंटे देरी से मतदान शुरू हुआ।

गौरतलब है कि ग्राम पंचायत सीगौन की दो किमी. सड़क पूरी तरह से गायब है । पिछले लोकसभा चुनाव में चुनाव प्रचार के लिए आए प्रत्याशियों ने सड़क निर्माण कराए जाने का आश्वासन दिया था, लेकिन पांच साल बाद भी कोई नहीं आया। ग्रामीणों ने बताया कि इस दफा समूचे गांव के लोगों न एकजुट होकर चुनाव का बहिष्कार किया है। उन्होंने बताया कि अधिकारियों के कहने पर ग्राम प्रधान व उसके परिवार और रिश्तेदारों व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने वोट डाले हैं, जबकि गांव के अन्य मतदाताओं ने चुनाव का बहिष्कार किया है। ग्राम सीगौन से चंद किमी. दूर जनपद छतरपुर के पूर्व विधायक ने सीगौन गांव पहुंचकर ग्रामीणों को समझा बुझाकर मतदान करने की अपील की, इसके बाद भी पांच बजे तक मात्र 36 वोट ही पड़ सके।

गर्मी से नहीं डिगा हौसला, 60.56 फीसदी वोट पड़े

◯ राठ विधानसभा में सर्वाधिक 63.23 प्रतिशत वोट डाले गए ◯ तिंदवारी विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 57.72 फीसदी हुआ मतदान

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। संसदीय क्षेत्र में कुल 60.56 प्रतिशत मतदान हुआ। इसमें राठ विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं ने झूमकर वोट डाले। यहां मतदान का प्रतिशत सबसे ज्यादा रहा। वहीं तिंदवारी विधानसभा में सबसे कम मतदान हुआ। राठ विधानसभा में 63.23 प्रतिशत तो तिंदवारी में 57.72 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चरखारी में 59.77 फीसदी, महोबा में 60.29 व हमीरपुर सदर में 61.23 फीसदी मतदान हुआ।

भीषण तपन भरी गर्मी के बीच जंग में लोकतंत्र की जीत हुई। शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न चुनाव में कुल 60.56 फीसद लोगों ने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए डीएम राहुल पांडेय और एसपी डॉ.दीक्षा शर्मा समेत अन्य अधिकारी लाव लश्कर के साथ बूथों का निरीक्षण करते रहे। सोमवार को 45 डिग्री तापमान होते हुए भी लोग घरों से निकले और पूरे जोश से वोट डाला। सुबह छह बजे ठंडक भरे माहौल में वोट डालने के लिए लोग मतदान केंद्रों पर पहुंच गए। अधिकांश बूथों पर समय से मतदान शुरू हो गया। इक्का-दुक्का बूथों पर ईवीएम में तकनीकी खराबी के कारण मतदान प्रक्रिया देरी से शुरू हुई। सुबह सात बजे फतेहपुर से भाजपा प्रत्याशी/केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, डीएम राहुल पांडेय और एसपी डॉ.दीक्षा शर्मा ने श्री विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बूथ पर अपने मत का प्रयोग किया। वहीं राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के बूथ में मतदान कर लोकतंत्र के पर्व पर अपने कर्तव्य को पूरा किया। सदर विधायक डॉ.मनोज प्रजापति भी सुबह अपने पैतृक गांव पौथिया में मतदान केंद्र पर वोट डालने पहुंचे। अधिकांश मतदान केंद्रों पर वोट डालने के लिए महिलाएं, युवतियां और युवक उत्साहित नजर आए। खासकर महिलाओं में गजब का उत्साह देखने को मिला। सुबह नौ बजे तक 13.61 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। नगर पालिका क्षेत्र के ब्रह्मा का डेरा स्थित बूथ में सुबह नौ बजे तक सन्नाटा पसरा रहा। दोपहर एक बजे तक 40.71 प्रतिशत मतदाता ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। पारा बढ़ने के बाद मतदाताओं मतदान प्रतिशत भी धीमी गति से बढ़ता रहा। शाम पांच बजे तक 57.83 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। जबकि फाइनल मतदान 60.41 प्रतिशत रहा।

मतदान में लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया: मौदहा (हमीरपुर)। लोकसभा सीट के लिए मतदान में लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सुबह से ही मतदाताओं ने अपने सारे काम छोड़ मतदान केंद्रों में पहुंच लाइन में लगने शुरू हो गए। हालांकि 10 बजे के बाद चिलचिलाती गर्मी व गर्म हवाओं के चलते मतदान केंद्रों में सन्नाटा पसरने लगा। इक्का-दुक्का मतदाता ही वोट डालते दिखाई दिए। हालांकि तीन बजे के बाद मतदान केंद्रों की तरफ मतदाताओं ने रुख किया और शाम को खासी संख्या में लोग मतदान केंद्र पहुंच डालने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। लोकतंत्र के इस महापर्व में युवा महिलाओं व बुजुर्गों में खासा उत्साह देखा गया।

दिव्यांग भी देश की सरकार बनाने में अपनी भागीदारी करने में पीछे नहीं रहे। ग्राम सिसोलर में सुबह 9 बजे तक 12 फीसद, भमई में 11:30 बजे तक 30, टिकरी व कपसा में 12 बजे तक 34 फीसद मतदान हुआ। इचौली में 12 :15 बजे 50, नायकपुरवा में 12:30 बजे तक 40, गुसियारी में 1 बजे तक 41, फत्तेपुर में 1:30 बजे तक 46, खंडेह में 1:40 बजे तक 39, करहिया में 2 बजे तक 50, छिमौली में 2:15 बजे तक 50, सिलौली में 3: 36 बजे तक 58 व कम्हरिया में 3:45 बजे तक 47 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं पाटनपुर के के बूथ क्रमांक 289, नायकपुरवा के बूथ संख्या 433 व बक्छा के बूथ संख्या 434 में मतदान के दौरान वीपीपैट काम न करने से कुछ देर के लिए मतदान की प्रक्रिया बाधित रही, लेकिन थोड़ी ही देर में उसको सुधार लिया गया।

पहली बार वोट डालने पर मतदान केन्द्र पर सेल्फी लेती युवती

वोट डालकर बाहर निकलती जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत अमृत विचार

मौदहा के एक मतदान केंद्र में मतदान के लिए लगी भीड़।

मतदान प्रतिशत विधानसभा वार

विधानसभा	मतदान प्रतिशत
चरखारी	59 .77
हमीरपुर	61.17
महोबा	60 .33
राठ	63 .23
तिंदवारी	57 .72

नोट- मतदान के ये आंकड़े अंतिम नही हैं

● शांतिपूर्ण हुआ मतदान, जगह जगह मुस्तैद रहा सुरक्षा बल

मुस्करा में मतदान करने जाता वृद्ध।

व्हीलचेयर पर वोट डालने आईं वृद्धा।

भाजपा की हैट्रिक में दलित मतदाता होगा निर्णायक

सुमेरपुर (हमीरपुर)। कस्बे से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में जिस तरह से दलित वर्ग के मतदाताओं का झुकाव इंडिया गठबंधन की तरफ हुआ है। इससे कमल की हैट्रिक में ग्रहण लग सकता है। भाजपा हमीरपुर महोबा तिंदवारी लोकसभा सीट पर हैट्रिक लगाने की जुगत में है। भाजपा ने दो बार के सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल को तीसरी बार मैदान में उतार रखा है। इसी बीच इंडिया गठबंधन के नेताओं ने संविधान एवं आरक्षण में बदलाव का नया राग छेड़ दिया। इससे दलित वर्ग का कुछ मतदाता इंडिया गठबंधन के साथ नजर आया। हालांकि भाजपाईयों का कहना है कि दलित समाज ने उनके पक्ष में वोट किया हैं। सरकार की तमाम लाभकारी योजनाओं से उनको खूब लाभ मिला है। तमाम दलित मतदाताओं ने मोदी की गारंटी पर पूरा भरोसा जताया है।

मतदान करने जाते मिमिक्री कलाकार जय विजय सचान। अमृत विचार

मिमिक्री आर्टिस्ट जय विजय सचान ने मतदाताओं को किया जागरूक

हमीरपुर। मशहूर मिमिक्री कलाकार जय विजय सचान ने अपने मतदेय स्थल संख्या 94 आर्य समाज महर्षि दयानंद विद्यालय में मतदान किया। सर्वप्रथम बूथ के बाहर स्वीप नोडल अधिकारी/ सीडीओ चन्द्रशेखर शुक्ला ने उन्हें निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मतदाता पहचान पत्र व बुके दिया। इसके बाद अपने मतदान वोटिंग की। बाहर आकर मतदाताओं को जल्द से जल्द बूथ पर आने के लिए अपील करते हुए पैदल चलकर मतदान के लिए लोगों को जागरूक किया। जय विजय सचान ने बताया कि उनके बीएलओ अकबर अली ने उनसे मतदान के लिए अपने बूथ पर जनपद आकर मतदान की अपील की थी। जिससे मतदाताओं में उत्साह आए तथा मतदान प्रतिशत बढ़े। इसके लिए वह जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल पाण्डेय को धन्यवाद देते हैं। इस अवसर पर बीएसए आलोक सिंह, जिला विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

मुस्करा में मतदान केंद्र में लगी मतदाताओं की लंबी लाइन। अमृत विचार

डीएम राहुल पांडेय व एसपी डॉ. दीक्षा शर्मा ने भी किया मतदान। अमृत विचार

मां शारदा बूथ पर वोट डालने जाते दिव्यांग

ग्रामीणों को समझाते ब्लाक प्रमुख आशीष पालीवाल व चेयरमैन कुलदीप निषाद।

मुस्करा क्षेत्र में 75 फीसदी लोगों ने डाले वोट

मुस्करा (हमीरपुर)। कस्बे में मतदाताओं ने जागरूकता की एक नई मिसाल पेश करते हुए 75 फ़ीसदी मतदान किया। करखा सहित क्षेत्र में मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। लोगों ने मतदान को पर्व के रूप में मनाया और सुबह 7 बजे से ही मतदान केंद्रों में लोगों की खासी भीड़ नजर आने लगी। दोपहर 12 बजे के बाद से चिलचिलाती धूप के चलते 3 :00 बजे तक मतदान केंद्रों में सन्नाटा पसर गया। 3 बजे के बाद से एक बार फिर मतदाता अपने घरों से निकले और मतदान केंद्रों में चहल-पहल और लंबी लाइनें नजर आने लगी। शाम 6 :00 बजे तक 75 फ़ीसदी मतदान सकुशल संपन्न हुआ।

जमरेही तीर के मतदाताओं ने किया चुनाव का बहिष्कार

संवाददाता,कुरारा(हमीरपुर)

● जानकारी होने पर ब्लाक प्रमुख सहित अन्य नेताओं ने समझाया-बुझाया

अमृत विचार। जमेरहीतीर गांव के मतदाताओं ने मूलभूत सुविधाएं न मिलने से नाराज होकर मतदान का बहिष्कार किया। खबर मिलते ही सम्मानित लोग गांव पहुंचे और लोगों को मतदान के मनाया। भटपुरा ग्राम पंचायत के मजरा जमेरहीतीर मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। यहां के मतदाताओं को वोट के लिए भौली गांव के कन्या विद्यालय के बूथ संख्या 64 में मतदान के लिए जोड़ा गया है। जब इस गांव के मतदाता मतदान करने नहीं आने की खबर पर नगर पालिका अध्यक्ष कुलदीप निषाद, ब्लॉक प्रमुख आशीष पालीवाल, अजय सिंह सेंगर, पप्पन पालीवाल को लगी तो गांव के सम्मानित ग्रामीणों को मतदान करने के लिए मनाया गया। जिस पर वे मतदान करने पहुंचे।

तीन बूथों में ईवीएम में गड़बड़ी से कुछ देर रुका मतदान

■ **सरीला (हमीरपुर)।** लोकसभा का चुनाव क्षेत्र में शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। तीन बूथों पर मशीनों में आई गड़बड़ी की वजह से कुछ देर के लिए मतदान प्रभावित रहा। मशीनों के बदलने के बाद मतदान कराया गया। सारा दिन अधिकारियों की गाड़ियां दौड़ती रहीं। सोमवार को संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में तड़के से ही बूथों पर लंबी-लंबी कतारें देखी गई। चुनाव को लेकर लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। भीषण गर्मी होने से दोपहर में मतदान में कुछ नरमी रही। दोपहर बाद फिर मतदान में तेजी आई। मशीनों में खराबी की वजह से राजकीय इंटर कॉलेज सरीला के बूथ संख्या 90 की मशीन लगभग बीस मिनट बाद चालू हो सकी। मसीदन गांव के बूथ में भी मशीन की गड़बड़ी की वजह से लगभग पांच मिनट बाद मशीन बदलकर मतदान कराया गया। इटैलिया बाजा गांव में मशीन खराब होने से 9 :45 से लगभग 40 मिनट मतदान ठप रहा। जिससे लोगों में नाराजगी रही। बाद में मशीनें बदल कर यहां मतदान कराया गया। क्षेत्र में मतदान पूरी तरह शांतिपूर्वक संपन्न हुआ है। अधिकारियों की गाड़ियां भी बूथों पर दौड़ती रहीं। लोगों में मतदान के प्रति और उत्साह दिखाई दिया।

मतदान के दिन चुनाव प्रचार करने में दो लोग गिरफ्तार

■ **कुरारा(हमीरपुर)।** कस्बा व क्षेत्र में लोकसभा चुनाव का शांतिपूर्वक मतदान संपन्न हुआ। कही मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिला तो कही सन्नाटा रहा। गर्मी व तपन के चलते 3 बजे के बाद मतदान की गति बढ़ी। करखा में बूथ नंबर 41, 42, 43 में लोगों का सुबह से ही मतदान करने के लिए लंबी लाइन देखने को मिली। जिसमें कस्बे के जगदीश शरन (86) को व्हील चेयर से मतदान कराया गया। चकोठी गांव के बूथ नंबर 39 में सुबह 11 बजे तक 170 मत पड़ सके। इसके बाद इक्का दुक्का ही मतदाता बूथ में नजर आए। जल्ला गांव के बूथ नंबर 38 में 11 बजे तक 300 मत ही पड़ सके। यहां महिलाओं व पुरुषों की लंबी लाइन देखने को मिली। पतारा ग्राम पंचायत के मजरा हरेटा गांव में ईवीएम मशीन 15 मिनट तक खराब होने से मतदाताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। करखा व क्षेत्र के सभी बूथों मे सुरक्षा को लेकर पुलिस फ़ोर्स मौजूद रही। वही जखेला गांव में मतदान के दिन दो लोगों द्वारा बस्ती में चुनाव प्रचार प्रसार करने की शिकायत पर पुलिस ने दोनों लोगों को पकडकर थाने मे बैठा लिया। जखेला गांव के मतदान स्थल का सीओ सदर राजेश कमल व कोतवाली प्रभारी योगेश तिवारी ने अपनी टीम के साथ निरीक्षण किया।

10 बजे के बाद बूथों पर लाइन गायब

सुमेरपुर(हमीरपुर)। सुबह 7 बजते ही कस्बे से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए बूथों में मतदाताओं की लंबी लाइन लग गई। हालांकि 10 बजने तक यह लाइन बूथों से गायब होने लगी और इक्का-दुक्का मतदान तक सिमट गई। यह क्रम 3 बजे तक इसी तरह चला। इसके बाद फिर मतदान केंद्रों में भीड़ जुटने लगी और मतदान समाप्ति तक भीड़ बनी रही। पूरे क्षेत्र में मतदाताओं ने शांति के साथ मतदान किया और वोट की चोट करके घरों को लौट गए। सुबह के दो घंटे में मतदान में काफी जोश नजर आया। 7 से 9 बजे तक मतदान 13 से 14 प्रतिशत तक पहुंच गया। 10 बजे के बाद मतदान की गति धीमी हो गई। दोपहर में पुरुषों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं की संख्या ज्यादा नजर आई। दोपहर को 1 बजे तक मतदान का आंकड़ा 40 प्रतिशत के पार हो गया। 3 बजे तक यह आंकड़ा बढ़कर 48 प्रतिशत से अधिक पहुंच गया था। मतदान के प्रति सभी वर्गों में काफी उत्साह नजर आ रहा था। युवा बुजुर्ग महिलाएं मतदान के प्रति उत्साहित दिख रहे थे।

महंगाई, बेरोजगारी पर बोले मतदाता

सुमेरपुर(हमीरपुर)। कस्बे के निवासी बुजुर्ग भूरेलाल एवं शिवचरण सुबह 8 :00 बजे मतदान करके बाहर आए। कहा कि संविधान बदलने की आहट सुनकर मतदान किया है। विदोखर पुरई के युवा प्रथम मतदाता कौशलेंद्र यादव, ज्योति यादव ने कहा कि बेरोजगारी देश में बड़ा मुद्दा है। भौरा की कलावती, लक्ष्मी, कमला, बरुआ की शांति, टेढ़ा की विमला, उषा देवी आदि ने कहा कि महंगाई से गृहस्थी की गाड़ी चरमरा गई है। वहीं कई महिलाओं ने भाजपा सरकार के किए गए अच्छे कार्यों को भी बताया।

मतदान अधिकारी को बंदर ने काटा

मौदहा(हमीरपुर)। हमीरपुर लोकसभा सीट के लिए सोमवार को शुरू हुए मतदान के दौरान दोपहर बाद रहमानिया इंटर कॉलेज मतदान केंद्र के कक्षा नंबर 4 में दूसरे नंबर के मतदान अधिकारी स्नेहलता को पानी पीते समय बंदर ने कई जगह काट लिया। भयभीत इस महिला अधिकारी को अस्पताल भेजा गया। इस दौरान कुछ देर के लिए मतदान में बाधा पड़ी। लेकिन स्थानीय प्रशासन ने उनके स्थान पर दूसरे मतदान अधिकारी को भेज कर मतदान सुचारू कराया। रहमानिया इंटर कॉलेज मतदान केंद्र में कमरा नंबर 4 में वार्ड कायम कुआं के मतदाताओं को मतदान करने के लिए सेकंड मतदान अधिकारी स्नेहलता लगी थी। उन्होंने बताया कि दोपहर बाद लगभग 2 :00 बजे वह कॉलेज के बाथरूम की तरफ गई। तभी वहां एक बंदर ने उन्हें खदेड़ लिया, उन्होंने शोर मचाया तो वहां मौजूद लोगों ने आकर बचाया, लेकिन तब तक बंदर ने उन्हें कई जगह काट कर लहूलुहान कर दिया। कर्मचारियों ने बंदर को लाठी दिखा कर भगाया। बंदर के हमले से घायल महिला अधिकारी को इलाज के लिए तत्काल अस्पताल भेजा गया। उनके स्थान पर दूसरे मतदान अधिकारी को लगाकर मतदान संचालित किया गया। इस घटना से कुछ देर के लिए मतदान केन्द्र पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

वोट डालने आईं साध्वी निरंजन ज्योति। अमृत विचार

कहीं साइकिल ने दौड़ लगाई तो कहीं कमल खिला

■ **कुरारा(हमीरपुर)।** क्षेत्र में लोकसभा चुनाव में मतदान बूथ पर साइकिल ने खूब दौड़ लगाई। वहीं कहीं कमल खिला। दोनों दलों के समर्थक अपनी अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। क्षेत्र में 78 मतदान बूथों पर इंडिया गठबंधन भाजपा का टक्कर होने से दोनों दलों के समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। समाजवादी पार्टी के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष माया वाल्मीकि ने पार्टी प्रत्याशी की जीत का दावा करते हुए कहा कि गलत मतदाताओं के साथ ओबीसी मतदाताओं ने इंडिया गठबंधन पर भरोसा जताया है। वही ब्लॉक प्रमुख आशीष पालीवाल ने भाजपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र चंदेल की जीत सुनिश्चित मान रहे हैं। भाजपा को सभी वर्गों का सहयोग मिला है। जिससे भाजपा की जीत सुनिश्चित है।

वोट डालने के बाद लोगों ने अंगुली में लगे स्याही के निशान को दिखाया। अमृत विचार

मुस्करा में मतदान केंद्र में महिलाओं ने ली सेल्फी।

आश्रम में दंपति को पीटा, महिला ने लगाया छेड़खानी करने का आरोप

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के एक मोहल्ले में स्थित आश्रम में कुछ लोगों द्वारा एक दंपति के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। महिला ने आरोपियों के विरूद्ध छेड़खानी करने का भी आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी है।

महिला ने बताया कि बीती 14 फरवरी को उसने महोबा जनपद के खरेला कस्बे में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में महोबा जनपद के विजयपुर गांव निवासी युवक से प्रेम विवाह किया था। बताया कि उसके प्रेम विवाह करने से नाराज उसकी बड़ी बहन कई युवकों से उसे और उसके पति को परेशान करवा रही है। बताया कि उसकी बहन के द्वारा भेजे गए युवकों ने उसे और उसके पति को बातचीत करने के बहाने बुलाकर कस्बे के एक आश्रम में ले जाकर मारपीट कर दी। आरोप लगाते हुए कहा कि आरोपियों ने उसके साथ छेड़छाड़ भी की है तथा उसके कपड़े भी फाड़ दिए। बताया कि उसने पुलिस को घटना की जानकारी दी लेकिन पुलिस ने कोई भी कार्रवाई नहीं की।

युवा वोटरों में मतदान के लिए दिखा जबरदस्त उत्साह। अमृत विचार

ससुराल पक्ष पर महिला की हत्या का आरोप

राठ (हमीरपुर)। महोबा जनपद के कुलपहाड़ निवासी युवक ने ससुरालीजनों द्वारा उसकी बहन की मारपीट करने तथा जान से मारने के बाद मायके पक्ष को बिना खबर किए शव को जलाने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी है। कुलपहाड़ निवासी बहोरी, खेमचंद्र पुत्र रामस्वरूप अनुरागी ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र के माध्यम से बताया कि उसने अपनी बहन पानकुंवर की शादी तीन साल पहले कोतवाली के बरदा गांव निवासी दशाराम पुत्र कल्लू के साथ की थी। बताया कि शादी के आठ माह गुजर जाने के बाद दशाराम द्वारा शराब पीकर मारपीट करने लगे। आरोप लगाया कि आरोपी दशाराम रूपयों की मांग भी करता रहा। आरोप लगाते हुएबताया कि 13 मई को ससुराल पक्ष के लोगों ने उसकी बहन की मारपीट कर जान से मार दिया। यह भी बताया कि ससुराल पक्ष के लोगों ने बिना उन्हें सूचना दिए शव का अंतिम संस्कार कर दिया। पीड़ित भाईयों ने कोतवाली में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है।

हाईवे पर ओवरटेक करते समय पलटे दो ट्रक

सुमेरपुर(हमीरपुर)। बीती रात नेशनल हाईवे में जेके सीमेंट के सामने कबरई से गिट्टी लादकर कानपुर की ओर जा रहे दो ट्रक ओवरटेक करते समय अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे पलट गए। इस घटना में दोनों ट्रकों के चालक एवं खलासी मामूली रूप से घायल हुए हैं। बीती रात 2 बजे दो ट्रक कबरई से गिट्टी लादकर कानपुर की तरफ जा रहे थे। नेशनल हाईवे 34 में जेके सीमेंट के सामने दोनों एक दूसरे को ओवरटेक करते समय अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे खड्ड में गिरकर पलट गए। इस घटना में चालक रामू, प्रमोद कुमार तथा खलासी प्रदीप एवं संजय कुमार मामूली रूप से घायल हो गए। दोनों ट्रकों के चालक खलासी घटना के बाद मौके से बगैर उपचार कराये भाग निकले।

हाईवे पर पलटा पड़ा ट्रक।

सुरक्षा का चक्रव्यूह तोड़ ईवीएम तक पहुंचे मोबाइल, खींची तस्वीर

प्रतिबंध के बावजूद मतदान केंद्र के अंदर तमाम मतदाताओं के हाथों में देखे गए मोबाइल

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचार। पुलिस प्रशासन ने भले ही सुरक्षा चक्रव्यूह तैयार किया हो, लेकिन मतदाता उस सुरक्षा के चक्रव्यूह को तोड़कर भी मोबाइल इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) तक ले गए। मतदान केंद्र के अंदर भी तमाम मतदाताओं के हाथों में मोबाइल देखे गए। मतदाताओं ने वोट डालते वक्त फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर डाल दिए।

मतदान के दिन मतदान केंद्र के अंदर मोबाइल फोन लेकर जाने की अनुमति नहीं थी। अगर कोई मोबाइल लेकर जाना चाहता था तो उसे मोबाइल बंद करने के आदेश दिए गए थे। जिससे कोई अंदर जाकर फोटो न खींच सके, लेकिन बाद में तमाम लोग सुरक्षा का चक्रव्यूह तोड़कर मतदान के अंदर मोबाइल लेकर पहुंच गए। इतना ही नहीं मोबाइल से वोट डालते वक्त फोटो भी लिए गए। तमाम लोगों ने ईवीएम का बटन दबाने के बाद फोटो कर लिए।

मतदान केंद्र से बाहर निकलकर लोगों ने उस फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। सोशल मीडिया फोटो वायरल करने के बाद कुछ लोगों ने लिखा कि राष्ट्रहित के लिए कर दिया मतदान, तो किसी ने फोटो डालकर लिखा कि संविधान बचाने के लिए वोट की दी आहुति। यह फोटो सोशल मीडिया वायरल होते रहे। सोशल मीडिया पर फोटो वायरल होने के बाद पुलिस प्रशासन ने इसका संज्ञान लिया और लोगों से सोशल मीडिया से फोटो हटाने की बात भी कही।

ईवीएम की खीचीं गई फोटो।

मतदान के बाद परिवार के साथ स्याही दिखातीं भाजपा नेत्री। अमृत विचार

पतौरा में बुजुर्ग मां को गोद में लेकर मतदान कराने जाता पुत्र। अमृत विचार

परिवार के साथ पहली बार मतदान के बाद सेल्फी लेते वैभव। अमृत विचार

फोटो डालने में आगे रहे सत्ताधारी

बांदा। वोट डालते समय ईवीएम का फोटो सभी राजनीतिक पार्टियों के मतदाताओं ने सोशल मीडिया पर वायरल किए है। लेकिन इसमें सबसे आगे भाजपा के मतदाता रहे। भाजपा के तमाम मतदाताओं द्वारा सोशल मीडिया ईवीएम के वायरल किए गए फोटो आसानी देखे जा सकते है। दूसरे नंबर गठबंधन प्रत्याशी के मतदाता रहे। जबकि कांग्रेस के इक्का दुक्का मतदाता को छोड़ दे तो उन्होंने इस तरह की हरकत नहीं की है।

सरदर्द बनी रहीं वीवीपैट मशीनों की खामियां

कार्यालय संवाददाता, बांदा

- बांदा सदर, नरैनी और बबेरू में आधा दर्जन से अधिक बूथों पर मतदान प्रभावित रहा

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के मतदान के दौरान वीवीपैट मशीनें चुनाव कर्मचारियों की परेशानी का सबब बनी रही। बांदा सदर, नरैनी और बबेरू विधान सभा क्षेत्रों में आधा दर्जन से अधिक पोलिंग बूथों पर वीवीपैट के सही काम नहीं करने के कारण मतदान प्रभावित हुआ। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार इस बार मतदान के दौरान सभी बूथों में वीवीपैट मशीनों को इस्तेमाल किया गया। लेकिन वीवीपैट मशीनों में तकनीकी खामियों के चलते मतदान प्रभावित हुआ। बातातें चलें कि वीवीपैट मशीनों में लगे सेंसर अत्याधिक संवेदनशील होने के कारण रोशनी, धूप तथा अन्य कारणों से भी कार्य नहीं कर पाते। प्रशासन की ओर से सुबह मतदान आरंभ होने से पूर्व कई पोलिंग बूथों पर वीवीपैट लगाकर मॉक पोलिंग कराई गई। इस दौरान कुछ स्थानों पर ईवीएम व वीवीपैट ने सही कार्य नहीं किया। इसके बाद तत्काल यहां दूसरी मशीनें मंगाई गयी। बांदा सदर विधान सभा क्षेत्र में डीएवी इंटर कालेज, आर्यकन्या इंटर कालेज आदि मतदान केंद्रों में ईवीएम व वीवीपैट में तकनीकी खराबी के कारण कुछ देर के लिए मतदान बाधित रहा। कमोवेश ऐसी ही स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों के पोलिंग बूथों पर देखने को मिली। जिला प्रशासन का कहना है कि कुछ स्थानों पर ईवीएम व वीवीपैट के सही कार्य नहीं करने की सूचना मिली थी। इन मशीनों को तत्काल बदल कर मतदान आरंभ करा दिया गया।

संदिग्ध परिस्थिति में विवाहिता की मौत

संवाददाता, जैतपुर महोबा

- प्रेम प्रसंग के चलते युवती ने मां से जिद करके प्रेमी से की थी शादी

अमृत विचार। प्रेम विवाह के बाद पति के उत्पीड़न से आजिज आ चुकी विवाहिता ने ससुराल में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका के पिता ने ससुरालीजनों हत्या का आरोप लगाते हुए कोतवाली कुलपहाड़ में तहरीर दे दी है। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, इसके बाद पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है।

कोतवाली कुलपहाड़ के ग्राम मगरौलकला निवासी जगदीश राजपूत ने फूल सिंह के बेटे महेश कुशवाहा के साथ अपनी बेटी चंद्रप्रभा (30) का विवाह बेटी के कहने पर किया था। मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि विवाह के बाद से ही ससुरालीजन उसे आए दिन प्रताड़ित करने लगे और शादी में दहेज न देने के लिए मारपीट शुरू कर दी।

बेटी ने ससुरालीजनों द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न की बात अपनी मां को बताई, लेकिन मां ने धीरे धीरे सबकुछ ठीक होने की बात कहकर कुछ दिन बाद मायके ले आने की बात कही।

मृतका के पिता ने तहरीर में बताया कि मायके आने से पहले ही पति और ससुर सहित ससुरालीजनों ने बेटी की हत्या कर शव को फांसी पर लटका दिया। पिता ने पति महेश कुशवाहा, ससुर फूल सिंह कुशवाहा, चाचा प्रकाश, देवर नरेंद्र पर आए दिन बेटी की मारपीट और उत्पीड़न कर हत्या करने का आरोप लगाते हुए तहरीर कोतवाली कुलपहाड़ में दे दी है। पिता ने चेतावनी दी कि जब तक बेटी के ससुरालीजनों पर कार्रवाई नहीं हो जाती, शव का अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा।

सार-संक्षेप

जान बचाने को कूदे ट्रैक्टर चालक की दबकर मौत

इटावा। थाना सहसों क्षेत्र में गांव कुंअरपुरा में रहने वाले बलराम सिंह का 30 वर्षीय पुत्र मुनेश सोमवार सुबह आठ बजे ट्रैक्टर-ट्रॉली में लखना नगर से ईंट भरने के लिए घर से निकला था। गांव के बाहर निकलते ही ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर खाई की तरफ जाने लगा, तो ड्राइवर मुनेश ने कूदकर जान बचाने का प्रयास किया लेकिन ट्रॉली उसके ऊपर ही पलट गई। ट्राली के नीचे दबने से उसकी मौत हो गई। घर में चीख पुकार मच गई। थाना प्रभारी रणबहादुर सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे, जानकारी करके पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

अड्डा जालिम में किया निःशुल्क इलाज

इटावा। लोटस टीएमटी मेडिकल बस कैंप शहर के अड्डा जालिम में लगाया गया। समाजसेवी राम शरण गुप्ता ने बताया कि महंगाई के समय में जो रोगी इलाज नहीं करा सकते हैं, उनकी सुविधा के लिए यह प्रयास किया गया है। कैंप में नेत्र व दंत परीक्षण के साथ-साथ पैथोलॉजी जांच भी की जा रही है। आईटीआई चौराहा अड्डा जालिम पर शिविर का आयोजन किया किया गया। कोलकाता से आए चिकित्सकों में डॉ शवोन राय, डॉ हार्दिक गलनानवी, नवीन गर्ग व साजन अली करन, अंगूरी पाल, श्याम, धर्मेंद्र आदि का सहयोग रहा।

दहेज हत्या में वांछित सास गिरफ्तार

बकेवर। थाना क्षेत्र के ग्राम मडैया दिलीपनगर में डेढ़ माह पूर्व संदिग्ध हालात में नव विवाहिता द्वारा फांसी लगाकर आत्म हत्या करने के मामले में आरोपी सास को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बकेवर प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि मडैया दिलीपनगर में एक महिला की हुई दहेज हत्या की आरोपित महिला फरार चल रही थी। बराउख चौकी इंचार्ज विपिन कुमार को पुलिस फोर्स के साथ उसके घर भेजा और वांछित विमला पत्नी नितीश कुमार निवासी ग्राम मडैया दिलीपनगर बकेवर को गिरफ्तार किया। आरोपित महिला विमला तीन माह के नाती को भी अपने साथ जेल लेकर गयी।

महिला के साथ मारपीट, रिपोर्ट

बकेवर। ग्राम अहेरीपुर निवासी महिला प्रीति ने बकेवर थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया है कि वह रविवार को गांव के आम रास्ते से घर जा रही थी। तभी पड़ोस के ही तीन लोग उसे रोक कर गाली-गलौज करने लगे। महिला ने विरोध किया तो मारपीट करने लगे। पुलिस ने घायल महिला को अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने पीड़ित घायल महिला के प्रार्थना पत्र पर बीरवल, सौरभ के अलावा सर्वेन्द्र निवासीगण ग्राम अहेरीपुर थाना बकेवर के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की।

करंट लगने से किसान की मौत

जसवंतनगर। थाना क्षेत्र के ग्राम कुरसैना गांव निवासी किसान त्रिलोकी यादव (45) पुत्र प्रकाश चन्द्र रविवार सुबह 11 बजे अपने खेतों में काम करने गए थे। उसी समय बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। देर शाम तक जब त्रिलोकी घर नही पहुंचे तो परिजन खोजबीन करते हुये खेतो की ओर गये जहां उनका शव पड़ा मिला। शव के पास ही बिजली की लाइन पड़ी मिली। घटना की सूचना परिजनो ने थाना पुलिस को दी। परिजनो ने सरकार से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है।

शिक्षक रक्षपाल यादव का हुआ निधन

जसवंतनगर। मुलायम सिंह यादव के कंधे से कंधा मिलाकर समाजवादी आंदोलन का मजबूत करने वाले शिक्षक रक्षपाल सिंह यादव का सोमवार हृदयगति रुकने से निधन हो गया। रक्षपाल सिंह यादव ने डॉ. राममनोहर लोहिया इंटर कॉलेज धनुवां में काफी समय तक शिक्षक के रूप में कार्य किया। सोमवार आगरा के एक निजी अस्पताल में उनका निधन हो गया।

नवविवाहिता समेत दो ने फांसी लगाकर जान दी

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचार। शहर कोतवाली क्षेत्र के कालका चैराहा निवासी पूजा (24) पत्नी रवि गुप्ता ने रविवार की शाम कमरे के अंदर लगी खूंटी में दुपट्टा का फंदा बनाकर फांसी पर झूल गई। मृतका के पति ने बताया कि घरेलू कामकाज को लेकर सास दुर्गेश नंदनी से विवाद हो गया। इसी से क्षुब्ध होकर पूजा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। मृतक के चचेरे भाई अंकुर गुप्ता ने बताया कि पूजा की शादी दो मार्च को हुई थी। डेढ़ माह रहने के बाद चार दिन पहले मायके से ससुराल आई थी। आरोप है कि पति दहेज में बाइक की मांग करता था। पूजा के पिता ने बाइक देने से मना कर दिया था। इसी के चलते ससुरालीजनों ने पूजा को मारपीट कर मार डाला। आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे पर लटका दिया।

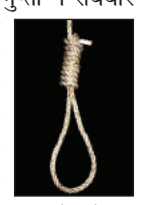

महिला के गले में कसा फंदा

बांदा। मटौंध थाना क्षेत्र के लोहरा गांव निवासी आशा (60) पत्नी चंदू सोमवार की सुबह घर के बाहर मवेशी बांध रही थी। अचानक मवेशी की रस्सी से उसके गले में फंदा कस जाने से उसकी हालत बिगड़ गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने जान बचाई। आनन-फानन फंदा काट कर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उधर, पैलानी थाना क्षेत्र के सांड़ी गांव में मजरा करिंदा डेरा निवासी रामबाबू निषाद (25) पुत्र रामविलाश निषाद ने सोमवार की सुबह नशे की हालत में पत्नी, मां और पिता से विवाद के बाद छत में लगी बल्ली के सहारे साड़ी का फंदा बनाकर फांसी पर झूल गया। मृतक के पिता ने बताया कि रामबाबू की शादी पांच साल पहले हुई थी। पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

लाठी-डंडों से पीटकर महिला को मार डाला

संवाददाता ऊसराहार, इटावा

- 12 घंटे पहले हुई मारपीट पर पुलिस ने की होती कार्रवाई तो नहीं होती हत्या

अमृत विचार। दीवार में मोखला (बल्ली लगाने को होल) करने से रोकने पर नामजदों ने लाठी-डंडों के प्रहार से अधेड़ महिला की जान ले ली। उसके बेटे बेटी और बहू को घायल कर दिया। गांव वालों का कहना है कि पुलिस ने 12 घंटे पहले हुई मारपीट पर कार्रवाई की होती तो शायद महिला से सोमवार सुबह सरेआम मारपीट करके हत्या की घटना नहीं होती।

ऊसराहार थाना क्षेत्र में मामन गांव में रहने वाले राजबहादुर चौहान ने अपने मकान की सुरक्षा के लिए एक दीवार कुछ दिन पहले बनाई थी। दीवार निर्माण के दौरान कुछ स्थानों पर मोखले (छेद) वाली जगह छूट गई थी जिसे राजबहादुर ने सुरक्षा की दृष्टि से ईंटों से बंद कर दिया था। रविवार को शाम दीवार की दूसरी ओर पड़ोस में रहने वाले विनोद कुमार तथा सोनू पुत्र ने बंद मोखलो तोड़ दिए। जिससे विनोद की ओर से राजबहादुर का घर दिखने लगा। रविवार को राजबहादुर की पत्नी गुड्डी देवी ने मोखला तोड़ने से विनोद को रोका तो वह गाली गलौज करने लगे। राजबहादुर ने गालियां देने से रोका तो विनोद ने अपने साथियों के साथ राजबहादुर तथा उसकी पत्नी गुड्डी देवी को लाठी-डंडों से पीटा। बचाने आई राजबहादुर की बहन सीमा देवी को भी उन्होंने बुरी तरह पीटा। राजबहादुर ने रविवार शाम छह बजे घायल पत्नी व बहन के साथ ऊसराहार थाने में तहरीर दी। आरोप है कि पुलिस ने राजबहादुर को ही हड़का दिया, ज्यादा गुहार लगाने पर पुलिस ने घायल महिलाओं को डाक्टरी के लिए सीएचसी सरसईनावर भेजा। डाक्टरी कराकर महिलाएं वापस थाने आईं तो पुलिस ने टरकाकर घर वापस भेज दिया। राजबहादुर मौके पर कार्रवाई करने की गुहार लगाता रहा लेकिन पुलिस ने एक नहीं सुनी। राजबहादुर सोमवार सुबह छह बजे घर से बाहर निकला तो विनोद और सोनू ने उसे घेरकर डंडे से सरेआम पिटाई शुरू कर दी। उसकी 60 वर्षीय मां समुद्री देवी बचाने आ गई तो नामजदों ने मां के सिर पर उसी डंडे से कई प्रहार कर दिये जिससे वह बुरी तरह घायल होकर गिर पड़ी। मरणासन्न देख हमलावर धमकी देते हुए भाग निकले। समुद्री देवी को इलाज के लिए सीएचसी भरथना ले जाया गया, डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सरेआम बुजुर्ग महिला की हत्या होने पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम हाउस ले गई। नामजदों के खिलाफ मारपीट और गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया आरोपी पुलिस से अभी दूर हैं।

समुद्री देवी। अमृत विचार

संदिग्ध हालात में मायके में महिला की हत्या

भरथना। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला रानी नगर में बीती रात्रि मायके में रह रही एक महिला की सिर में भारी भरकम हथियार के प्रहार से हत्या कर दी गई। हत्याकांड को अंजाम देकर हमलावर फरार हो गए। मृतका की चाची गीता देवी ने आरती के पति समेत तीन ससुरालीजनों पर हत्या का आरोप लगाया है। उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है। रविवार रात घर में सोते समय 26 वर्षीय आरती पत्नी राजीव उर्फ रिंकू की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसके सिर व गर्दन पर किसी धारदार हथियार से वार कर मार दिया गया। मृतका की चाची सभासद गीता देवी समेत अन्य लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। परिजनों के मुताबिक आरती की 2018 में जिला औरैया के थाना कुदरकोट क्षेत्र में रहने वाले राजीव उर्फ रिंकू से शादी हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद से पति समेत ससुरालीजन आरती के साथ आए दिन मारपीट करते थे। पिछले एक महीने से आरती अपने दो बच्चों पांच साल के प्रतीक व एक साल की नित्या के साथ मायके में पिता राजवीर के घर रह रही थी। आरती के पिता ट्रक ड्राइवर हैं जो कि घटना के समय घर पर नहीं थे। आरती का भाई व दोनों बच्चें घर के अलग अलग कमरों में मौजूद थे।

असलहों, बाइकों सहित दो वाहन चोर गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। दिल्ली से लखनऊ तक वाहन चोरी का नेटवर्क संचालित करने वाले दो शातिर वाहन चोर पुलिस के हाथ आ गए। दोनों से असलहे तथा चोरी की पांच बाइकें बरामद हुईं। दोनों पेट्रोलियम पाइप लाइन से तेल चोरी करने में भी माहिर हैं। एसएसपी ने पुलिस टीमों का 10 हजार रुपये का इनाम दिया।

एसएसपी संजय वर्मा ने बताया कि सोमवार तड़के वैदपुरा थाना प्रभारी समित चौधरी फोर्स के साथ बिचपुरी नहर पुल पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। तभी बुलेट बाइक पर सवार दो लोगों को रुकने का इशारा किया गया तो बाइक मुड़ाकर भागने लगे। एसओजी टीम प्रभारी जय प्रकाश तथा सर्विलांस टीम प्रभारी नागेंद्र चौधरी फोर्स के साथ आ गए जिससे घेराबंदी करके दोनों बुलेट बाइक सहित पकड़ लिया। यह बुलेट दिल्ली से चुराई गई तथा फर्जी नंबर प्लेट लगी पाई गई, दोनों की तलाशी लेने पर तमंचा कारतूस बरामद हुए।

दोनों ने अपनी पहचान थाना ऊसराहार क्षेत्र के गांव भाऊपुरा का प्रदीप कुमार उर्फ कल्लू तथा थाना चौबिया क्षेत्र में गांव चमरोआ का सरकेश बताया। दोनों की निशानदेही पर गांव महोला नदी के पास चार और चोरी की गई बाइकें बरामद हुईं जो राजस्थान धोलपुर, कन्नौज, जालौन से चुराई गईं थीं।

पकड़े गए शातिर वाहन चोर।

दलालों और खरीदारों पर होगी कार्रवाई

- एसएसपी संजय वर्मा ने बताया कि दोनों शातिरों ने दिल्ली से लखनऊ तक अपना नेटवर्क फेला रखा है। दोनों ने चोरी की बाठकें बिकवाने वाले दलालों तथा सस्ते में खरीदने वालों की जानकारी दी है। गहनता से जांच कराकर ऐसे लोगों को जल्द ही कानून के घेरे में लिया जाएगा।

फर्जी फेसबुक आईडी बना मांगे रुपये

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। समाजसेवी की फर्जी फेसबुक आईडी तैयार कर आरोपी ने उनके परिचितों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी और रुपये भी मांगे। इस संबंध में साइबर थाना पुलिस लाइन में शिकायत दर्ज कराई है।

समाजसेवी प्रेम कुमार शाक्य की प्रोफाइल पिक्चर चुराकर साइबर फ्रॉड करने वाले ने फर्जी फेसबुक आईडी तैयार कर ली। तमाम लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी और मैसेंजर के माध्यम से कई लोगों से फोन पे एवं गूगल पे के जरिए पैसों की डिमांड भी की। आरोपी ने एक टीवी चैनल संवाददाता अजय बाथम व फॉरेंसिक लखनऊ में तैनात संजय कुमार शाक्य, कांग्रेस नेता संजय दोहरे, तरुण कुमार मिश्रा, पीएलवी ऋषभ पाठक व पत्रकार प्रदीप सिंह चौहान, सुशील कांत, मनोज कुमार, आशीष कुमार को भी फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। भाजपा नेत्री दीपिका अनमोल से भी रुपयों की डिमांड की गई। उन्होंने तुरंत शाक्य को संपर्क किया तो पता चला कि वो फेसबुक आईडी फर्जी थी। शाक्य ने एसएसपी व साइबर क्राइम थाना पुलिस लाइन को कार्रवाई करने हेतु लिखा तो शिकायत दर्ज कर शीघ्र ही जांच-पड़ताल शुरू कर दी गई है।

अंतिम संस्कार से लौट रही वृद्धा की हादसे में जान गई

बांदा। सीमावर्ती सतना (मध्य प्रदेश) जिले के मझगवां के पाथर कछार निवासी सुखरनिया (58) पत्नी केदार प्रसाद अपने पुत्र प्रेमचंद के साथ दामाद राजेश साहू के अंतिम संस्कार में शामिल होने शहर कोतवाली क्षेत्र के आजाद नगर आई थी। सोमवार को शुद्धता कार्यक्रम निपटाने के बाद पुत्र के साथ बाइक वापस जा रही थी। तभी नरैनी कोतवाली क्षेत्र के बरछा गांव के पास बाइक की हैंडल में टंगा हेलमेट गिर पड़ा। पुत्र हेलमेट उठाने के लिए बाइक मोड़ने लगा। इसी बीच सुखरनिया बाइक से गिरकर घायल हो गई। नरैनी सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद उसे रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

दो ने जहर खाया : बिसंडा थाना क्षेत्र के ओरन निवासी शोभा (20) पत्नी दिनेश का सोमवार की सुबह खाना बनाने को लेकर पति से विवाद हो गया। इसी से नाराज होकर उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। इसी तरह तिंदवारी थाना क्षेत्र के टोलिया गांव निवासी राकेश (19) पुत्र सुरेश रविवार को शाम नशे में हालत में घर आने पर परिजनों ने डांट दिया। इसी से नाराज होकर जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया।

धर्म-कर्म

बिहारीपुर में चल रहे बौद्ध महासम्मेलन में कथावाचिका ने किया भक्तों का मार्गदर्शन

बुद्ध के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान

संवाददाता महेवा, इटावा

अमृत विचार। महेवा के ग्राम बिहारीपुर में सात दिवसीय राष्ट्रीय विशाल बौद्ध महासम्मेलन में कथा वाचिका जौनू बौद्ध ने प्रभु बुद्ध की कथा का वर्णन करते हुए बताया कि हमें हम सबको भगवान बुद्ध के विचारों को आत्मसात करते हुए उनके आदर्शों पर चलना चाहिए तभी बौद्ध कथा करने का सार्थक परिणाम निकलेगा और राष्ट्र का हित होगा।

उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर का दृष्टिकोण, उनकी विचारधारा मानववादी रही है। उनका उदेश्य शोषित, पीड़ित एवं दलित समाज का विकास करना एवं उन्हें उनके मानव अधिकारों से सजग कराना एवं मानवीय अधिकार दिलाना था।

उन्होंने बताया कि महापुरुषों का संघर्ष संपूर्ण जनमानस को असीम ऊर्जा प्रदान करता है। भगवान बुद्ध का त्यागमय जीवन, उनके उत्कृष्ट विचार एवं मानवतापूर्ण शिक्षा हम सभी को अनंत काल तक प्रेरित करती रहेगी। जिला पंचायत सदस्य जय प्रकाश दोहरे, दीपक कुमार, सत्यवीर, वेदप्रकाश, राजकुमार, प्रवक्ता शिव शंकर यादव, डॉ. रमेश चंद्र, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, इंजीनियर नरेश चंद्रा, अमरपाल सिंह, अहेरीपुर सहकारी संघ अध्यक्ष गंभीर सिंह यादव, शिलादित्य सिंह उपस्थित रहे।

विशाल बौद्ध महासम्मेलन में भाग लेते जयप्रकाश दोहरे एवं अन्य। अमृत विचार

प्रवेश प्रारम्भ
प्रवेश प्रारम्भ
वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय
वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ
पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)
जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992
पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

मतदान के लिए बूथ पर लगी लाइन। अमृत विचार

मतदान कर लौटी महिलाएं व युवती। अमृत विचार

वोट डाल कर ट्राईसाइकिल से लौटा दिव्यांग मतदाता।

विकास के नाम पर दिया वोट

जालौन। महिला मतदाता अशोक कुमारी ,रुचि और रिचा ने कहा की उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा और विकास के मुद्दे पर मतदान किया है। राम बाबू चौधरी ने कहा कि गरीब, दलित के उत्थान करने के उद्देश्य से अपने पसंददीदा प्रत्याशी को वोट दिया है।

अशोक कुमारी।

रामबाबू।

रुची।

रिचा सिंह।

रगेदा में 75 प्रतिशत पड़े वोट

रगेदा गांव के प्राथमिक विद्यालय रगेदा के बूथ 115 में सर्वाधिक 75 फीसदी मतदान हुआ है। बीएलओ सुदामा चक ने गांव से ढूंढ-ढूंढकर मतदाताओं को मतदान बूथ में लाकर वोट डलवाए। पीठासीन अधिकारी देवेंद्र सिंह तोमर, मतदान अधिकारी पीओ विनय प्रताप सिंह, पीओ राजेंद्री देवी तथा हर प्रसाद परिहार ने अधिक से अधिक मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाताओं का उत्साह वर्धन किया।

56% मतदान, ईवीएम में छह प्रत्याशियों का भाग्य बंद

मतदान केंद्रों पर सुबह व शाम दिखीं लाइनें, जिले में कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ मतदान

कार्यालय संवाददाता उरई (जालौन)

अमृत विचार। जालौन-गरौठा-भोगनीपुर सुरक्षित लोकसभा सीट के लिए सोमवार को मतदान हुआ। सीट से चुनाव लड़ रहे छह प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में कैद हो गया। भीषण गर्मी के साथ दोपहर से शाम तक तेज धूप होने के बाद भी लोकसभा क्षेत्र में 56.15 फीसदी मतदाताओं ने जमकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। प्रशासनिक अधिकारियों के प्रयासों के बाद भी लोकसभा क्षेत्र के कुछ स्थानों पर विलंब से मतदान शुरू हो सका। सुबह मतदान शुरू होने के बाद शुरुआती दो घंटों में नौ बजे तक करीब 12.27 फीसदी मतदान हुआ। प्रशासन की जागरुकता के बाद भी इसबार वर्ष 2019 व वर्ष 2014 के मुकाबले कम मतदान हुआ।

यहां दोपहर में गर्मी के बाद भी लोगों का उत्साह कम नहीं होता दिखा। जिसके चलते अगले दो घंटे बाद सुबह 11 बजे तक क्षेत्र में करीब 28 फीसदी मतदाता अपने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं दोपहर एक बजे भी मतदान प्रतिशत बढ़ता रहा और इस चरण में करीब 39.52 मत पड़ने का कंट्रोल रूम को आंकड़ा प्राप्त हुआ। वहीं दोपहर तीन बजे तक 46.19 प्रतिशत वोट ही डाले जा सके। इसके बाद शाम पांच बजे तक 53.7 मतदान हुआ। यह मतदान प्रतिशत तब हो सका, जब जिले के डीएम राजेश कुमार पांडेय और एसपी डॉ. ईरज रजा मतदान केंद्र पहुंचे और मताधिकार का प्रयोग कर लोगों को वोट डालने के लिए प्रेरित किया।

मॉडल बूथ पर मतदाताओं का स्वागत करते एसडीएम अतुल कुमार। अमृत विचार

सुबह महिलाओं की ज्यादा दिखी भीड़

उरई (जालौन)। जालौन-गरौठा व भोगनीपुर सुरक्षित लोकसभा सीट पर पांचवें चरण के मतदान में महिलाओं और दिव्यांग लोगों ने अपने-अपने पोलिंग बूथ पर पहुंच कर अपने पसंददीदा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया। सुबह प्रात: 7 बजे से मतदान कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुआ। भीषण गर्मी को देखते हुए सुबह से ही मतदान केन्द्रों पर वोट डालने के लिए लाइनें लग गईं। दोपहर 12 बजे के बाद भीषण गर्मी के चलते मतदान करने वालों की कतारें कम हो गईं। सुबह के वक्त मतदान की शुरुआत में सबसे ज्यादा संख्या महिलाओं व दिव्यांग मतदाताओं की दिखाई दी। सबसे ज्यादा भीड़ इंडिया गठबंधन प्रत्याशी व भाजपा प्रत्याशियों के पंडालों में दिखाई दी। जबकि बसपा प्रत्याशी के अधिकतर मतदान केंद्रों पर बस्ते तक नहीं दिखे।

59 प्रतिशत मतदान हुआ था वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में

57.58 प्रतिशत मतदान हुआ था वर्ष 2014 में

जालौन-गरौठा, भोगनीपुर संसदीय क्षेत्र: मतदान प्रतिशत

विधानसभा	11 बजे	1 बजे	3 बजे	6 बजे
भोगनीपुर	29.96	41.68	48.42	58.39
माधौगढ़	25.01	37.93	44.43	52.08
कालपी	26.51	39.5	45.99	55.53
उरई	27.51	38.91	46.32	56.22
गरौठा	26.29	39.9	46.25	58.08

मतदान कर निकले डीएम राजेश कुमार व एसपी ईरज रजा। अमृत विचार

डीएम-एसपी ने मतदान कर लोगों से की अपील

जालौन-गरौठा-भोगनीपुर सुरक्षित लोकसभा सीट पर होने वाले मतदान के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक ईरज रजा पोलिंग बूथ पर पहुंचे और मतदाताओं की तरह लाइन में लगकर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सहभागिता निभाते हुए वोट डाला। इस मौके पर जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक ईरज रजा ने जनपदवासियों से निष्पक्ष और निडरता के साथ शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील की, जिससे लोकतंत्र को मजबूत बनाया जा सके।

वोटों के प्रतिशत को लेकर होते रहे जीत-हार के दावे

मतदान समाप्त होने के बाद एक ओर जहां वोटरों ने अपना फर्ज निभाया। वहीं दूसरी ओर प्रत्याशियों ने भी अपना भाग्य अब जनता के फैसले पर छोड़ दिया। शाम होने पर जैसे ही वोटिंग प्रतिशत सभी के सामने आया तो आमजन व राजनीतिक लोगों में जीत-हार के आंकड़ों पर चर्चा शुरू हो गई। प्रत्याशी वोटों के बंटवारे व खुद को मिले वोटों की गणित लगाते रहे।

रगेदा गांव का बूथ। अमृत विचार

मंत्री और प्रत्याशियों ने किया मतदान

भानु प्रताप (भाजपा)

नारायण दास (सपा)

मंत्री स्वतंत्र देव

जालौन। जालौन में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के मतदान के दौरान जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने उरई के मॉडल बूथ पर वोट डाला। उन्होंने लोगों से मतदान करने की अपील की और प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ की। इसी तरह भाजपा प्रत्यासी भानू प्रताप वर्मा ने कोंच कस्बे के बूथ नंबर 495 में वोट डाला। सपा प्रत्याशी नारायणदास अहिरवार ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी को कई बार वोट देकर मतदाता ऊब गए हैं।

इन प्रत्याशियों के बीच मुकाबला

उरई। सोमवार को हुए मतदान में छह प्रत्याशी मैदान में हैं। इसके तहत भाजपा से भानुप्रताप वर्मा, इंडिया गठबंधन से सपा के प्रत्याशी नारायणदास अहिरवार, बसपा से सुरेशचंद्र गौतम, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी से नगेंद्र कुमार, निर्दलीय, ब्रजमोहन, निर्दलीय प्रेमलता वर्मा मैदान में हैं।

नव दंपति पहुंचे बूथ, किया गया सम्मान

कार्यालय संवाददाता उरई (जालौन)

अमृत विचार। सोमवार को लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण एक नवदंपति मतदान करने के लिए मतदान केंद्र में पहुंचा। आसपास मौजूद सभी लोग मतदान केंद्र में दूल्हा-दुल्हन को देखते ही रह गए। जिले में पांचवें चरण के मतदान के दौरान एक दूल्हा शादी करने के बाद दुल्हन को मॉडल मतदान केंद्र लेकर वोट डालने पहुंच गया। मतदान केंद्र में दूल्हा-दुल्हन को देख लोग आश्चर्य में पड़ गए। दूल्हे ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ वोट डालने पहुंचा है, जिसके बाद एसडीएम जालौन, सीओ और मौजूद मतदाताओं ने नवदंपति का स्वागत किया। आला अधिकारियों, पुलिसकर्मियों व आसपास मौजूद लोगों ने दूल्हा-दुल्हन के लिए जोर-जोर से तालियां बजाईं।

नव दंपति वोट देने जाते हुए। अमृत विचार

लीकेज होने से बर्बाद हुआ पानी

जालौन। नगर में अलग अलग जगहों पर पानी की पाइप लाइन लीकेज होने से प्रतिदिन हजारों लीटर पानी बर्बाद होकर सड़क पर बह रहा है। जलसंस्थान में शिकायत करने के बाद भी सुनवाई नहीं हो रही है।

नगर के मोहल्ला मुरली मनोहर में जलसंस्थान की पेयजल आपूर्ति के लिए लाइन बिछी हुई है। इसी प्रकार चुर्खी रोड स्थित बालाजी मंदिर से औरैया मार्ग की ओर पाइप लाइन बिछाई गई है। उक्त पाइप लाइन करीब एक माह से ज्यादा समय से लीकेज है।

डीएम, एसपी ने निरीक्षण कर परखी व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता कालपी (जालौन)

- जानकारियां हासिल कर अधिकारियों को दिए निर्देश
- कालपी नगर तथा बिहार के मतदान केंद्र पहुंचे

अमृत विचार। सोमवार को मतदान के दौरान जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय तथा पुलिस अधीक्षक ईरज रजा ने घूम-घूम कर कालपी नगर तथा यमुना के बिहार के मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जानकारियां हासिल करके संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

विदित हो कि जनपद के डीएम एवं एसपी द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन-24 के पंचम चरण में हो रहे मतदान को सकुशल, शान्तिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत भ्रमणशील रहकर कालपी क्षेत्र के मतदान केंद्रों, बूथों का निरीक्षण किया। सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लेकर सम्बन्धित को आवश्यक निर्देश दिये गये। डीएम तथा एसपी ने कालपी नगर के एमएसवी इंटर कॉलेज के पोलिंग बूथ का निरीक्षण किया। इसी प्रकार यमुना नदी के तट में स्थित मगरौल गांव में पहुंचकर मतदान केंद्र एवं बूथों का निरीक्षण किया गया।

बूथ का निरीक्षण करते एसपी ईरज रजा व पुलिस बल। अमृत विचार

चिकित्सा कर्मचारी रहे तैनात

कालपी जालौन। भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर दिनेश गुप्ता के निर्देशन पर कालपी नगर के चार अलग-अलग पोलिंग बूथों में असहाय मतदाताओं की मदद करने के लिए दवाओं के साथ चिकित्सीय कर्मचारियों को तैनात किया गया।

स्थानीय नगर के पोलिंग बूथों में हर कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज में नीरज पाल व रानी अहिरवार, नगर पालिका परिषद कार्यालय में शालिनी वाजपेई व नसीमा खान, एस इंटर कॉलेज में राकेश बघेल व अंजू लता कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय सदर बाजार में माया वर्मा व आशा नीलम यादव को प्राथमिक उपचार की दवाइयां के साथ तैनात किया गया था। मतदान बूथों में भीषण गर्मी में आने वाले मतदाताओं को ओआरएस का घोल के पैकेट देने के अलावा जरूरी दवाइयां भी उपलब्ध कराई गयीं।

प्रयास के बाद भी तीन बूथों पर नहीं हुआ मतदान

कार्यालय संवाददाता उरई (जालौन)

अमृत विचार। सड़क निर्माण की मांग को लेकर चुनाव बहिष्कार कर रहे ग्रामीणों को भाजपा की जिलाध्यक्षा, क्षेत्रीय विधायक एवं ब्लाक प्रमुख द्वारा समस्या का समाधान किए जाने के आश्वासन के बाद भी ग्राम जायघा में के तीन बूथों पर मतदान नहीं हुआ। माधौगढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत जायघा के बूथ क्रमांक तीन व चार तथा ग्राम पंचायत में सम्मिलित मजरा ग्राम कर्रा के बूथ क्रमांक 5 पर पूर्व नियोजित योजना के तहत ग्रामीणों द्वारा मतदान नहीं किया गया। 20 मई मतदान के दिन जब ग्राम जायघा व कर्रा तथा समीपवर्ती ग्राम मोहब्बतपुर समेत चार बूथों पर मतदान न होने की जानकारी प्रशासन को हुई । सूचना पाकर उपजिलाधिकारी माधौगढ़ विश्वेश्वर सिंह एवं क्षेत्राधिकारी शैलेंद्र कुमार बाजपेई उक्त तीनों गांव पहुंचे एवं लोकतंत्र में वोट की कीमत व उसके महत्व को बताते हुए ग्रामीण को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। उपजिलाधिकारी के प्रयास से ग्राम मोहब्बतपुरा के बूथ क्रमांक 41 पर 2 घंटे विलंब से प्रातः 9 बजे मतदान प्रारंभ हुआ। वहीं ग्राम पंचायत जायघा के तीनों बूथ क्रमांक तीन व चार जायघा तथा बूथ क्रमांक पांच ग्राम कर्रा पर मतदान शुरू नहीं हो सका। ग्रामीणों की मांग पर दोपहर लगभग 1:30 बजे भारतीय जनता पार्टी की जिलाध्यक्षा उर्विजा दीक्षित, क्षेत्रीय विधायक मूलचंद सिंह निरंजन, ब्लाक प्रमुख रामपुरा अजीत सिंह पहुंचे लेकिन ग्रामीण नहीं माने।

45 मिनट बंद रही ईवीएम

जालौन। जिले में टीएम पब्लिक स्कूल जेल रोड उरई के मतदान केंद्र में ईवीएम में तकनीकी खराबी के कारण भाग संख्या 328-कमरा संख्या -1 में लगभग 45 मिनट तक मतदान प्रभावित रहा।

घर, खेत में लगी आग

कार्यालय संवाददाता कालपी (जालौन)

अमृत विचार। सोमवार को स्थानीय नगर के मोहल्ला रामगंज में रायल गार्डन के पास स्थित हरिमोहन चाट वाले के घर में आग लग गई। कालपी तहसील क्षेत्र में बरखेरा के खेत में अग्निकांड की घटनाएं हो गईं। आग बुझाने के लिए दमकल कर्मियों को मशक्कत करनी पड़ी। जानकारी के अनुसार ग्राम बरखेड़ा में खेत में आग सुलगने लगी धीरे-धीरे आग ने बिकराल रूप धारण कर लिया। सूचना मिलने पर अग्निशमन वाहन के साथ मौके पर पहुंचे कर्मचारियों ने पानी का छिड़काव कर आग बुझाने में कामयाबी हासिल की। इसी तरह रामगंज निवासी हरमोहन चाट वाले के घर में आग लग गई। विनोद नायक, फायरमैन रवि प्रकाश, वीरेंद्र सिंह, सुधीर सिंह, चालक विनोद कुमार नायक फायरमैन अमृतलाल फायरमैन रवि प्रकाश शर्मा फायरमैन शिवकुमार फायरमैन गोविंद सिंह आदि मौजूद रहे।

आग पर काबू पाते दमकल कर्मी।

मतदाताओं को मनाया एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर लोगों से की बात, बुजुर्गों को साथ लेकर वोट डलवाने पहुंचे बूथ

मतदान का किया बहिष्कार तो प्रशासन पहुंचा गांव, समझाया

कार्यालय संवादादाता जालौन

अमृत विचार। तहसील के कुठौंदा खुर्द के ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया। इसके चलते सुबह नौ बजे तक कोई भी ग्रामीण वोट देने नहीं पहुंचा। इसकी सूचना जब प्रशासन को लगी तो उनके हाथ-पाव फूल गए। कुठौंदा खुर्द के ग्रामीण जब दो घंटे तक एक भी वोट नहीं डालने गए तो इसकी सूचना मतदान केंद्रों में मौजूद मतदान कर्मियों ने इसकी सूचना प्रशासन को दी। इस पर जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पांडेय और एसपी इरज रजा के निर्देश पर एसडीएम अतुल कुमार और क्षेत्राधिकारी राम सिंह ने ग्रामीणों को घंटों समझाने बुझाने के बाद मतदान के लिए राजी किया। एसडीएम और सीओ सबसे बुजुर्ग मतदाता को हाथ पकड़ कर मतदान केंद्र ले गए इसके बाद ग्रामीणों ने वोटिंग शुरू की। गौरतलब है कि ग्रामीण गांव की एक सड़क को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे थे। दो बार उन्होंने बैनर लेकर मतदान का पहले बहिष्कार भी किया था। जब ग्रामीणों ने पहली बार मतदान का बहिष्कार किया था तो प्रशासन ने शीघ्र सड़क निर्माण का आश्वासन भी दिया था लेकिन उसके बाद कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद ग्रामीणों ने पुनः प्रदर्शन कर बहिष्कार की।

मतदान का बहिष्कार करने के बाद ग्रामीणों को समझाते एसडीएम। अमृत विचार

ग्रामीणों को समझाकर मतदान के लिए बुजुर्ग मतदाता को ले जाते एसडीएम व सीओ।

यहां भी समझाया

विकासखंड रामपुरा के चार मतदान केंद्रों पर मतदान का बहिष्कार हुआ। ग्राम पंचायत जायघा के मजरा कर्रा पंचायत के मोहब्बतपुरा केंद्र पर लोगों ने बहिष्कार किया। क्षेत्राधिकार एवं एसडीएम मौके पर पहुंचकर वोटर को समझाने में जुटे रहे। बाद में मोहब्बतपुरा केंद्र पर मतदान शुरू हुआ।

संवेदनशील बूथों पर रही पैनी नजर

जालौन। संवेद शील मतदान केंद्रों में प्रसासन और पुलिस की पैनी नजर रही। जालौन तहसील का सूढार सालाबाद मतदान केंद्र अति संवेदनसील बूथों में से एक है। जहां प्रत्येक चुनाव में प्रशासन और पुलिस की विशेष व्यवस्था रहती है। इसी के मद्देनजर सोमवार को हुए लोकसभा के मतदान शुरू होने की सुबह 7 बजे से मतदान समाप्ति तक पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की वहां मौजूदगी रही। इसके साथ ही बीती देर रात्रि एसडीएम अतुल कुमार, सीओ रामसिंह, कोतवाल बिमलेश कुमार ने भारी पैरामिलेट्री फोर्स और पुलिस बल के साथ सुढार सालाबाद गांव की गली-गली में पैदल मार्च किया। एसडीएम ने ग्रामीणों को सुरक्षा का एहसास कराते हुए कहा कि मतदाता निर्भीक होकर मतदान करें।

बूथ के बाहर मौजूद पुलिस बल।

दोपहर को बूथों में रहा सन्नाटा

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश की लोकसभा जालौन-गरौठा व भोगनीपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के पांचवें चरण का मतदान सुबह सात बजे से शुरू हुआ। जिसमें मतदान केंद्र पर सुबह से ही मतदाताओं की भीड़ देखने को मिली, वहीं जिलाधिकारी राजेश पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक ईरज रजा अपने मातहतों सहित मतदान केन्द्रों पर कड़ी निगरानी रखने एवं मतदाताओं को असुविधा न हो इसलिए बीएलओ को दिशा निर्देश देते नजर आए। कुछ युवाओं ने बताया कि वह पहली बार मतदान कर रहे हैं तो उनसे सवाल पूछने पर आप क्या आशा करते हैं अपने जनप्रतिनिधियों से तो युवाओं ने पहला जवाब देते हुए बताया कि रोजगार गारंटी और मुफ्त शिक्षा और चिकित्सा की उम्मीद करते हैं।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

सूचना

सूचित हो कि मेरे पासपोर्ट संख्या एम 9292828 में नाम समीक्षा दर्ज है, जबकि आधार कार्ड, पैनकार्ड में अपना नाम SAMIKSHA CHAODHARY अंकित करा लिया है। अब मुझे समीक्षा चौधरी के नाम से ही जाना पहचाना जाता है। पासपोर्ट में समीक्षा चौधरी अंकित किया जाए। **समीक्षा चौधरी पत्नी प्रदीप सिंह निवासी मिल वार्ड 21 खुटार रोड गोला गोकर्णनाथ जिला लखीमपुर-खीरी।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि यूपी बोर्ड द्वारा जारी मेरा हाईस्कूल अंक पत्र, सह प्रमाण-पत्र, वर्ष 2016, रोल नं. 1147310, व इंटरमीडिएट अंक पत्र व सह प्रमाण-पत्र वर्ष 2018, रोल नंबर 0909187 का अंक पत्र, सह प्रमाण पत्र वास्तव में कही गुम हो गया है। **- सुशील सरकार पुत्र जगदीश सरकार, निवासी-ग्राम-मियांपुर, पोस्ट राजापुर बेनी तह0 मोहम्मदी, जिला-लखीमपुर खीरी -262804**

राजनीतिक विरासत आगे बढ़ाने की सियासत

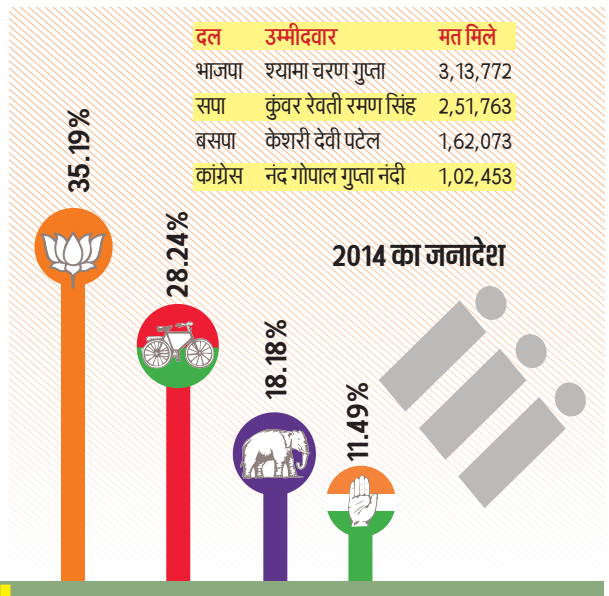

दल	उम्मीदवार	मत मिले
भाजपा	श्यामा चरण गुप्ता	3,13,772
सपा	कुंवर रेवती रमण सिंह	2,51,763
बसपा	केशरी देवी पटेल	1,62,073
कांग्रेस	नंद गोपाल गुप्ता नंदी	1,02,453

- भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी और सपा से कांग्रेस में आए उज्ज्वल रमण सिंह के बीच छिड़ा है रोचक मुकाबला
- लाल बहादुर शास्त्री, बहुगुणा, जनेश्वर मिश्र, मुरली मनोहर जोशी और अमिताभ बच्चन कर चुके यहां का प्रतिनिधित्व
- बीते चार दशक से यहां जीत दर्ज करने के लिए तरस रही है कांग्रेस, क्या इस बार खत्म हो पाएगा पार्टी का सूखा
- अब तक हुए सभी चुनावों में अगड़ी जाति के नेताओं को ही मिलती रही जीत, ब्राह्मण तय करते रहे चुनावी दिशा

इलाहाबाद संसदीय सीट

मनोज त्रिपाठी

2019 लोकसभा जनादेश

भाजपा	सपा	कांग्रेस
55.62 %	34.89 %	3.59%
4,94,454 मत	3,10,179 मत	31,953 मत
रीता बहुगुणा जोशी	राजेंद्र सिंह पटेल	योगेश शुक्ला

अमृत विचार। संगम नगरी इलाहाबाद (प्रयागराज) लोकसभा सीट से पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री, पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा, वरिष्ठ भाजपा नेता मुरली मनोहर जोशी और दिग्गज समाजवादी जनेश्वर मिश्र जैसे नेता चुनाव लड़कर संसद पहुंचे और आज भी याद किए जाते हैं। इनके अलावा महानायक अमिताभ बच्चन भी इलाहाबाद का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह 1984 के चुनाव में यहां जीते थे, तब से कांग्रेस इलाहाबाद में जीत के लिए तरस रही है।

साल 2014 से यह सीट भाजपा के पास है और इस बार पार्टी हैट्रिक लगाने की उम्मीद पाले हैं। इलाहाबाद में अब तक हुए सभी चुनावों में अगड़ी जाति के नेता ही जीत हासिल करते रहे हैं। कहा तो यहां तक जाता है कि यहां ब्राह्मण ही राजनीति की दिशा तय करते हैं। इसी समीकरण के चलते भाजपा ने अपनी सांसद रीता बहुगुणा जोशी के स्थान पर राज्य के कद्दावर नेता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष तथा पूर्व राज्यपाल केशरी नाथ त्रिपाठी के पुत्र नीरज त्रिपाठी को मैदान में उतारा है। सपा के साथ गठबंधन में मिली इस सीट पर कांग्रेस ने सपा से आए उज्ज्वल रमण सिंह पर दांव लगाया है। उज्जवल के पिता रेवती रमण सिंह भी दिग्गज नेताओं में शुमार रहे हैं। वह आठ बार विधायक रहने के साथ इलाहाबाद से दो बार सांसद चुने जा चुके हैं। उज्जवल करछना से दो बार विधायक और अखिलेश यादव की सरकार में मंत्री रह चुके हैं।

2022 के विधानसभा चुनाव में वह नौ हजार मतों से चुनाव हार गए थे। उज्जवल चुनाव से पहले सपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए थे। अपना दल कमेरावादी से हंसराज कोल चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि बसपा ने रमेश पटेल को मैदान में उतार रखा है।

पांच में चार विधानसभा सीटों पर भाजपा का कब्जा

- इलाहाबाद लोकसभा क्षेत्र में मेजा, करछना, इलाहाबाद दक्षिण, बारा और कोरांव कुल पांच विधानसभा सीटें हैं। बारा और कोरांव विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित है। इन पांच सीटों में से 2002 के चुनाव में भाजपा ने चार सीटों पर जीत हासिल की थी। केवल करछना सीट सपा के पास है।

उज्ज्वल रमण सिंह – कांग्रेस।

नीरज त्रिपाठी – भाजपा।

रमेश सिंह पटेल – बसपा।

...जब वीपी सिंह निर्दलीय लड़कर बने सांसद डॉ. जोशी की जीत से खुला भाजपा का खाता

इलाहाबाद लोकसभा सीट पर अब तक 16 बार लोकसभा चुनाव और तीन बार उपचुनाव हुए हैं। 1952 से 1971 तक यहां कांग्रेस का कब्जा रहा है। 1973 में भारतीय क्रांति दल से जीते जनेश्वर मिश्रा ने कांग्रेस के वर्चस्व तोड़ा था।

इसके बाद 1984 में कांग्रेस यहां जीती, जब अमिताभ बच्चन कांग्रेस के टिकट पर सांसद बने। 1988 के उपचुनाव में वीपी सिंह ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की थी। भाजपा का यहां खाता 1996 में मुरली मनोहर जोशी की जीत के साथ खुला।

जोशी ने 1996 से 1999 तक लगातार तीन बार यहां से जीत हासिल की। 2004 और 2009 में सपा के रेवती रमण सिंह जीते। लेकिन 2014 की मोदी लहर में यह सीट भाजपा ने फिर वापस छीन ली।

भारतीय जनता पार्टी से उतरे श्याम चरण गुप्ता ने समाजवादी पार्टी के रेवती रमण सिंह को करारी शिकस्त दी। 2019 के चुनाव में भाजपा से उतरीं रीता बहुगुणा जोशी ने सपा के राजेंद्र सिंह पटेल हरा दिया था।

भाजपा के लिए वोट बैंक संभाले रखने की चुनौती

- वोटों की उठापटक के बीच यह चुनाव भाजपा और सपा-कांग्रेस से जुड़े दो सियासी परिवारों की जंग होने के कारण दिलचस्प हो गया है। भाजपा ने पिछले दो चुनावों में इलाहाबाद में ब्राह्मणों और निषादों के साथ अति पिछड़ी जातियों का गठजोड़ बनाया था। यहां ब्राह्मण और निषाद मतदाता पांच लाख से ज्यादा हैं। भाजपा इस बार भी इनके साथ ही करीब दो लाख पटेल मतदाताओं को भी अपना परंपरागत वोट बैंक मान रही है। लेकिन मेजा से सपा विधायक संदीप पटेल के अलावा ब्राह्मण तथा निषाद बिरादरी के कई नेता कांग्रेस प्रत्याशी उज्ज्वल के साथ मजबूती से खड़े नजर आ रहे हैं। उधर, बसपा के रमेश पटेल भी इस बार पटेल मतों में सेंधामारी कर रहे हैं। ऐसे में भाजपा के सामने अपने वोट बैंक में बिखराव रोकना बड़ी चुनौती है।

मतदाताओं की चुप्पी बढ़ा रही प्रत्याशियों की चुनौती

- इलाहाबाद में लोकसभा चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में आने के साथ रोचक मोड़ लेता नजर आ रहा है। मतदाताओं की चुप्पी प्रत्याशियों की चुनौती बढ़ा रही है। यहां ब्राह्मण तथा भूमिहार मतदाताओं की भूमिका निर्णायक मानी जाती है। लेकिन इस बार अनुसूचित जाति के वोटर भी जीत-हार का फैसला कर सकते हैं, ऐसा मानने वालों की कमी नहीं है। पिछड़ों में अगर निषाद, कुर्मी मतदाताओं की संख्या काफी है और उनके वोटों के लिए भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशी में घमासान छिड़ा है।

पहली बार दलित और कोल मतदाता हुए महत्वपूर्ण

- लोकसभा क्षेत्र में तीन लाख से अधिक दलित तथा कोल मतदाताओं की इस बार अहमियत काफी बढ़ गई है। अपना दल कमेरावादी के हंसराज कोल सजातीय मतों के साथ अन्य बिरादरी का वोट हासिल करने की जुगत भिड़ा रहे हैं, तो बसपा के रमेश पटेल इन मतों को अपना परंपरागत वोट बैंक मानकर अगड़ा-बनाम पिछड़ा मुद्दे पर मुकाबला त्रिकोणीय बनाने में जुटे हैं। लेकिन पिछले चुनावों में यहां बसपा के कमजोर होने के कारण दलित मतदाताओं का भाजपा की तरफ झुकाव रहा है।

जातीय गोलबंदी : सेंधमारी से बचने के लिए घेराबंदी

फूलपुर संसदीय सीट

दिग्विजय सिंह

प्रवीण पटेल – भाजपा।

अमरनाथ मौर्य – सपा।

जगन्नाथ पाल – बसपा।

अमृत विचार। प्रयागराज से सटी फूलपुर लोकसभा सीट इस समय चर्चा में है। रविवार को यहां इंडिया गठबंधन से सपा प्रत्याशी के समर्थन में रैली करने पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भीड़ के बेकाबू हो जाने और बैरीकेड तोड़कर मंच तक पहुंचने के कारण भाषण दिए बिना वापस लौटना पड़ा था। फूलपुर में इस बार भाजपा और सपा के बीच कांटे के संघर्ष में बसपा त्रिकोण बनाने की जगह खोज रही है। मजे की बात यह है कि भाजपा और सपा के प्रत्याशी भी पहले बसपा में रह चुके हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में इस सीट पर पहली बार कमल खिला था। केशव प्रसाद मौर्य चुनाव जीते थे, लेकिन 2017 में जब प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी तो केशव प्रसाद मौर्य योगी सरकार में उप मुख्यमंत्री बन गए। इसके बाद हुए उपचुनाव में सपा ने भाजपा को हरा दिया। हालांकि 2019 में भाजपा ने फिर इस सीट पर कब्जा कर लिया।

पिछड़ा वर्ग में कुर्मी मतदाता तय करते हैं जीत-हार

- फूलपुर में पिछड़े वर्ग के मतदाता निर्णायक स्थिति में हैं। खासकर कुर्मी मतदाता यहां जीत-हार तय करते रहे हैं। वर्ष 1977 के बाद हुए चुनावों में 10 बार पिछड़ी जाति के उम्मीदवार यहां चुनाव जीते हैं। अगड़ी जाति से 2009 में कपिल मुनि करवरिया के अलावा 2004 में अतीक अहमद को ही जीत मिली थी। पिछड़ी जाति में भी नौ मर्तबा कुर्मी उम्मीदवार ही फूलपुर से संसद पहुंचे हैं। इस जातीय समीकरण को देखते हुए ही भाजपा ने इस बार यहां अपनी सांसद केशरी पटेल के स्थान पर फूलपुर विधानसभा सीट से 2022 में लगातार दूसरी बार चुनाव जीते अपने विधायक प्रवीण पटेल को उतारा है। प्रवीण पटेल ने पहली बार 2007 में बसपा से झूंसी विधानसभा सीट पर चुनाव जीता था। इसके बाद 2017 और 2022 में उन्होंने भाजपा से फूलपुर सीट पर चुनाव जीता। सपा ने यादव व मुस्लिम मतदाताओं के साथ अन्य पिछड़ी जातियों का ध्रुवीकरण कराने की नीयत से अमर नाथ मौर्य को मैदान में उतारा है। अमरनाथ विधानसभा चुनाव में इलाहाबाद शहर पश्चिमी से टिकट कटने के बाद भी पूरी निष्ठा से पार्टी से जुड़े रहे। इसी कारण सपा अध्यक्ष ने लोकसभा चुनाव में उन्हें मौका दिया। अमरनाथ इससे पहले बसपा से 2002 में शहर पश्चिमी सीट से विधानसभा का चुनाव लड़े थे। वह दो बार जिला कोआपरेटिव बैंक के अध्यक्ष रह चुके हैं। सपा की कोशिश चुनाव को कुर्मी बनाम अन्य पिछड़ा वर्ग बनाकर मुस्लिम मतों के सहारे जीत हासिल करने की है। बसपा ने पार्टी के प्रयागराज मंडल के जोन प्रभारी जगन्नाथ पाल को प्रत्याशी बनाया है। वह पुराने कार्यकर्ता हैं। कांशीराम जब फूलपुर से लोकसभा का चुनाव लड़े थे, तो उनके कार्यालय का संचालन जगन्नाथ पाल ही करते थे। यहां बसपा की रणनीति एक लाख जाटव और ढाई लाख मुस्लिम मतदाताओं के साथ गैर कुर्मी पिछड़ा वर्ग के वोटरों को साधने की है। अपना दल कमेरावादी ने महिमा पटेल पर दांव लगाया है।

- भाजपा से फूलपुर के विधायक प्रवीण पटेल और सपा के अमरनाथ मौर्य के बीच मुकाबले में बसपा भी कम नहीं
- भाजपा प्रत्याशी बसपा से रह चुके विधायक, जबकि सपा उम्मीदवार बसपा से लड़कर हार चुके विधानसभा चुनाव
- 2014 के चुनाव में पहली बार केशव प्रसाद मौर्य ने खिलाया कमल, लेकिन उपचुनाव में हार गई थी भाजपा
- साल 1977 के बाद हुए लोकसभा चुनावों में 10 बार पिछड़ी जाति के उम्मीदवार ही यहां से चुनाव जीते

55.68% भाजपा को मिले थे 2019 के चुनाव में वोट

46.95% सपा ने पाए थे 2018 के उपचुनाव में वोट

तीन लाख कुर्मी, दो लाख यादव के अलावा तीन लाख अन्य पिछड़ी जाति के मतदाता

- फूलपुर लोकसभा सीट पर सबसे अधिक तीन लाख से ज्यादा कुर्मी मतदाता हैं। यादव मतदाताओं की संख्या भी दो लाख से अधिक है। पिछड़ी जाति के अन्य मतदाताओं की संख्या तीन लाख से अधिक है। करीब ढाई लाख मुस्लिम व ढाई लाख से अधिक अनुसूचित जाति के मतदाता हैं। अगड़ी जातियों में ब्राह्मण वोटरों की संख्या करीब दो लाख है। शहर के दोनों विधानसभा क्षेत्रों शहर उत्तरी एवं पश्चिमी में कायस्थ मतदाताओं की संख्या भी दो लाख तक है।

बीते तीन चुनावों में दो बार भाजपा को मिली है इस सीट पर जीत

- 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां से भाजपा की केशरी देवी पटेल ने जीत हासिल की थी। उन्हें 5,44,701 वोट मिले थे। सपा के पंधारी यादव 3,72,733 वोटों के साथ दूसरे नंबर पर और कांग्रेस के पंकज पटेल 32,761 वोट पाकर तीसरे स्थान पर थे। इससे पहले 2018 के उपचुनाव में सपा के नागेंद्र पटेल 3,42,922 वोट पाकर जीते थे। भाजपा से उतरे वाराणसी के पूर्व मेयर कौशलेंद्र सिंह पटेल को 2,83,462 और निर्दलीय उम्मीदवार अतीक अहमद को 48,094 वोट मिले थे। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के केशव प्रसाद मौर्य 5,03,564 पाकर जीते थे। सपा के धर्मराज सिंह पटेल को 1,95,256, बसपा के कपिल मुनि करवरिया को 1,63,710 तथा कांग्रेस प्रत्याशी मोहम्मद कैफ को 58,127 मत मिले थे।

पं. नेहरू और रामपूजन के नाम पर हैट्रिक का रिकार्ड

- पं. जवाहरलाल नेहरू ने आजादी के बाद 1952 में हुए पहले लोकसभा चुनाव में फूलपुर लोकसभा सीट को अपनी कर्मभूमि मानकर चुनाव लड़ा और वह लगातार 1952, 1957 और 1962 में यहां से सांसद चुने गए। नेहरू के धुर विरोधी रहे समाजवादी नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया ने 1962 में फूलपुर सीट पर उन्हें चुनौती दी, लेकिन जीत नहीं सके थे। फूलपुर से अब तक सिर्फ दो ही नेता जवाहरलाल नेहरू और रामपूजन पटेल जीत की हैट्रिक लगा पाए हैं। रामपूजन 1984, 1989 और 1991 में इस सीट से सांसद चुने गए थे। 1964 में नेहरू के निधन के बाद उनकी बहन विजय लक्ष्मी पंडित फूलपुर से चुनाव जीतकर सांसद बनी थीं। वह 1967 में भी चुनाव जीती थीं। 1969 में यहां से जनेश्वर मिश्र और 1971 में वीपी सिंह चुनाव जीते थे। 1977 में आपातकाल के बाद हुए चुनाव में यहां से कमला बहुगुणा जीती थीं। 1980 में जनता पार्टी (सेक्युलर) के बीडी सिंह के बाद 1984 में कांग्रेस से फिर 1989 और 1991 में जनता दल से चुनाव लड़कर राम पूजन पटेल जीते। 1996 और 1998 में सपा के जंगबहादुर पटेल, 1999 में सपा से धर्मराज पटेल, 2004 में सपा से अतीक अहमद, 2009 में बसपा से कपिल मुनि करवरिया के बाद 2014 में यहां भाजपा का खाता खुला और केशव प्रसाद मौर्य सांसद चुने गए। हालांकि मौर्य के 2017 में विधान सभा चुनाव जीतकर प्रदेश सरकार में उप मुख्यमंत्री बनने पर 2018 में हुए उपचुनाव में सपा के नागेन्द्र पटेल ने जीत हासिल की थी।

छठे चरण में हरियाणा और दिल्ली में सर्वाधिक प्रत्याशी

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के छठे चरण में आठ राज्यों और केंद्र शासित जम्मू कश्मीर में 25 मई को मतदान होगा। इस चरण में सबसे ज्यादा प्रत्याशी दिल्ली और हरियाणा में किस्मत आजमा रहे हैं। हरियाणा की 10 लोकसभा सीटों के लिए 223 तो दिल्ली की सात सीटों पर 162 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

छठे चरण में बिहार की आठ, हरियाणा की 10, दिल्ली की सात, जम्मू-कश्मीर की एक, झारखंड की चार, ओडिशा की छह, उत्तर प्रदेश की 14 और पश्चिम बंगाल की आठ लोकसभा सीटों पर वोट पड़ेंगे। बिहार में 86, हरियाणा में 223, जम्मू-कश्मीर में 20, झारखंड में 93, दिल्ली में 162, ओडिशा में 64, उत्तर प्रदेश में 162 और पश्चिम बंगाल 79 प्रत्याशी मैदान में हैं। आपराधिक मामले घोषित करने वाले उम्मीदवारों में आम आदमी पार्टी के सभी पांच उम्मीदवार, आरजेडी के सभी चार उम्मीदवार, सपा के 12 में से नौ उम्मीदवार, भाजपा के 51 में से 28 उम्मीदवार, तृणमूल कांग्रेस के नौ में से चार, बीजद के छह में से दो और कांगेस के 25 में से आठ उम्मीदवार शामिल हैं।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नई दिल्ली से पार्टी की प्रत्याशी बांसुरी स्वराज के लिए मालवीय नगर में प्रचार करते हुए लोगों से कमल खिलाने की अपील की।

44 डिग्री तापमान में मतदान से नहीं लगा फायदे-नुकसान का अनुमान

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। 45 डिग्री तापमान में आसमान से बरसती आग के बीच लोकतंत्र के पर्व में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में मतदाताओं के रुख की थाह लेने में राजनीतिक विश्लेषकों को पसीने छूटते रहे, इसकी वजह यह रही कि बीते चार चरणों में तीन चरण में कम मतदान को लेकर तमाम निहितार्थ निकाले गए थे। लेकिन पांचवें चरण में उत्तर प्रदेश की 14 सीटों पर मतदान के आंकड़ों ने हिसाब किताब लगाने के लिए ज्यादा कुछ नहीं छोड़ा। अमेठी, मोहनलाल गंज, गोंडा और फैजाबाद में कमोबेश पिछले 2019 के चुनाव जितने ही मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अमेठी लोकसभा क्षेत्र में साल 2019 में 54.08 प्रतिशत मदान हुआ था। इस बार 54.40 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। अंतिम आंकड़े में यह एक फीसदी तक बढ़ सकता है, जिसे बढ़ा हुआ या भारी मतदान नहीं कहा जा सकता। मोहनलाल गंज में 2019 में 62.79 प्रतिशत मतदान हुआ था, इस बार यहां 62.72 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो अभी थोड़ा बढ़कर पिछली बार से आधा प्रतिशत तक अधिक रह सकता है। इसी तरह फतेहपुर में 2019 में 56.79 प्रतिशत वोट पड़े थे। इस बार 57.05 प्रतिशत मतदान की सूचना है। अंतिम आंकड़ें में यहां भी एक प्रतिशत तक ज्यादा मतदान दर्ज किया जा सकता है, जो परिणाम के लिहाज से कोई बड़ा संकेत करता नहीं नजर आ रहा है। गोंडा में 51.64 प्रतिशत मतदान होने की खबर है, यहां 2019 में 52.20 प्रतिशत वोट डाले गए थे। अंतिम आंकड़े में इस बार भी मतदान 52 फीसदी रहने का अनुमान है। बांदा में भी मतदान पिछली बार जैसा ही रहा। यहां 2019 के 60.8 के मुकाबले 59.64 प्रतिशत मतदान हुआ जो अभी बढ़कर 60 प्रतिशत पहुंच सकता है। इसी तरह फतेहपुर में भी 2019 के 56.79 के मुकाबले 57.05 प्रतिशत मतदान की सूचना है, जो अंतिम आंकड़े में थोड़ा बढ़ने पर भी एक फीसदी से अधिक नहीं होने का अनुमान है।

बाराबंकी में चार, रायबरेली में दो फीसदी अधिक वोट पड़े

- बाराबंकी में सबसे अधिक करीब चार प्रतिशत वोट अधिक पड़े हैं। यहां पिछली बार 63 .61 प्रतिशत वोटिंग हुई थी, इस बार 67 .10 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ है, जो अंतिम गणना में थोड़ा बढ़ सकता है। रायबरेली में करीब दो फीसदी अधिक मतदान की खबर है। यहां 2019 में 56 .34 प्रतिशत वोट पड़े थे। इस बार दर्ज किया गया 58 .04 प्रतिशत मतदान अंतिम आंकड़े में थोड़ा और ऊपर जा सकता है।

- अमेठी, मोहनलाल गंज, गोंडा और फैजाबाद में पिछले 2019 के चुनाव जितने ही मतदाताओं ने डाले वोट

झांसी में चार, लखनऊ, जालौन व कौशांबी में दो फीसदी कम वोटिंग

- झांसी में 60 फीसदी से ज्यादा मतदान होने के बावजूद पिछली बार से लगभग चार फीसदी कम वोट पड़े हैं। झांसी में 2019 में 67 .68 प्रतिशत वोट पड़े थे, इस बार 63 .70 प्रतिशत मतदान हुआ है। जालौन में दो प्रतिशत कम वोट पड़े हैं। यहां पिछले चुनाव में 58 .49 के मुकाबले इस बार 56 .15 प्रतिशत मतदान हुआ है। कौशांबी में भी करीब दो प्रतिशत मतदान घट गया। यहां 2019 के 54 .56 के मुकाबले 52 .79 प्रतिशत वोट डाले गए हैं। हमीरपुर में 2019 की अपेक्षा डेढ़ प्रतिशत कम मतदान का हिसाब लगाया जा रहा है। यहां पिछली बार के 62 .32 की अपेक्षा 60 .56 प्रतिशत वोट डाले गए हैं। लखनऊ में पिछली बार से करीब दो प्रतिशत कम वोटिंग हुई। 2019 के 54 .78 के मुकाबले यहां 52 .23 प्रतिशत मतदान की सूचना है।

अमृत विचार
www.amritvichar.com

आत्मनाऽऽत्मानमन्विच्छेन्मनोबुद्धीन्द्रियैर्यतै : ।
आत्मा ह्येवात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मन : ॥

मन-बुद्धि तथा इंद्रियों को आत्मनियंत्रित करके स्वयं ही अपने आत्मा को जानने का प्रयत्न करें, क्योंकि आत्मा ही हमारी हितैषी और आत्मा ही हमारी शत्रु है।

संपादकीय

बढ़ती बिजली की मांग

भारत वृद्धि और विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। ऐसे में कोयला क्षेत्र देश की प्रगति, आर्थिक समृद्धि, रोजगार सृजन और सामाजिक कल्याण की आधारशिला बना हुआ है। साथ ही विद्युत क्षेत्र की आधारशिला के रूप में कोयला हमारी प्राथमिक ऊर्जा आवश्यकताओं में आधे से अधिक योगदान देता है और उद्योगों की रीढ़ के रूप में कार्य करता है। पिछले दशक में, मुख्य रूप से कोयले से चलने वाली ताप विद्युत परियोजनाओं ने लगातार देश के कुल बिजली उत्पादन का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्से का योगदान दिया है। बिजली की मांग में भारी वृद्धि के कारण ताप विद्युत पर निरंतर निर्भरता की आवश्यकता होती है। गर्मी बढ़ने और लू चलने के साथ मुख्य रूप से बड़े पैमाने पर बिजली की मांग बढ़ी है। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि मई में गर्मी बढ़ने के कारण बिजली की मांग और बढ़ेगी। राहत की बात है कि सरकार ने तत्परता दिखाते हुए बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मानसून से पहले सभी ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करने की व्यापक योजना बनाई है। क्योंकि बिजली की औद्योगिक मांग में बढ़ोतरी के बीच, इस बात के संकेत हैं कि बिजली उत्पादन के लिए भारत का कोयला भंडार आदर्श स्तर से नीचे है। कोयले के स्टॉक में गिरावट किसी चुनौती से कम नहीं है। उधर सरकार का दावा है कि हाल ही में कोयला, बिजली तथा रेलवे की अंतर-मंत्रालयी समिति के स्तर पर राज्य बिजली उत्पादक कंपनियों के साथ उप-समूह की बैठक में पाया गया कि देश के सभी ताप विद्युत संयंत्रों (टीपीपी) में कोयले का पर्याप्त भंडार है।

कोयले की बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त परिवहन व्यवस्था मौजूद है। 'पिट-हेड' (खनन गड्ढे) पर मौजूद और टीपीपी को भेजे जा रहे कोयले का कुल भंडारण इस वर्ष 15 मई को 14.7 करोड़ टन था जो सालाना आधार पर 25 प्रतिशत अधिक है। ताप विद्युत उत्पादन 8.78 प्रतिशत और कोयला आपूर्ति 8.45 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक इस वर्ष कोयले का उत्पादन पिछले साल की तुलना में 7.26 प्रतिशत बढ़ रहा है। सरकार के मुताबिक पांच ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की पूर्ति के रास्ते में कोयला सेक्टर का बड़ा योगदान रहने वाला है। आमतौर पर कोयला खानों के पास स्थित संयंत्रों में शुष्क ईंधन स्टॉक की स्थिति गंभीर नहीं होती है। वहीं जो संयंत्र कोयला खानों के पास नहीं हैं, उनके लिए कोयला दूरदराज से पहुंचाना पड़ता है। इसलिए कोयला आपूर्ति के लिए रेलवे को नियमित आधार पर कोयला परिवहन के लिए प्रतिदिन अतिरिक्त रैक उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।

कहां रुकेगा पीछे खिसकता लोकतंत्र

चंद्रभूषण
वरिष्ठ पत्रकार

पिछले कुछ वर्षों से निवेश के मामले में भारत को चीन से ज्यादा तरजीह देने का यह एक बड़ा तर्क भी है, लेकिन दोनों देशों में एक खास फर्क यह है कि चीन अपने निचले लोकतांत्रिक दर्जे में काफी लंबे समय से स्थिर पड़ा है, जबकि भारत इस मामले में अपने ऊंचे मुकाम से बहुत तेजी से नीचे आया है।

देश में आम चुनाव की गहमागहमी है, लेकिन दुनिया में भारतीय लोकतंत्र का बैकस्लाइड (पीछे खिसकना) चर्चा का विषय बना हुआ है। दुनिया भर में लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिति पर नजर रखने वाली प्रतिष्ठित गैर सरकारी संस्थाओं की नजर में भारत की स्थिति पिछले कुछ सालों में बदतर होती गई है। लंदन स्थित इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (ईआईसी) ने भारत को एक 'फ्लॉड डेमोक्रेसी' (गड़बड़ लोकतंत्र) माना है और 2016 से 2023 के बीच प्रकाशित उसके अध्ययनों में भारत का स्थान 27 वें से गिरकर 53 वां हो गया है।

कुछ समय पहले ईआईसी ने सूचना जारी की कि भारतीय अधिकारियों ने उसके जिम्मेदार लोगों से संपर्क किया और उनसे आग्रह किया कि अपने निष्कर्ष निकालने के लिए वे उन्हीं आंकड़ों और तथ्यों का इस्तेमाल करें, जो भारत सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से जारी किए गए हैं। संस्था की ओर से इस बारे में साफ मनाकर दिया गया, लेकिन यह बात सामने आने से भारत की छवि थोड़ी और खराब हुई। अमेरिकी थिंकटैंक 'फ्रीडम हाउस' की ओर से भारत को 'पार्शियली फ्री डेमोक्रेसी' (आंशिक रूप से उन्मुक्त लोकतंत्र) घोषित किया गया है। अमेरिका में इस संस्था को मूल्यगत दृष्टि से एक ऊंचा मुकाम हासिल है।

इसके भावों का अनुगमन करते हुए कुछ अमेरिकी अधिकारियों ने पहले अवमानना के मामले में गुजरात की एक अदालत द्वारा राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद उनकी संसद सदस्यता निलंबित करने और फिर आबकारी नीति में भ्रष्टाचार के आरोप में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ एहतियाती बयान जारी किए तो भारत सरकार की ओर से अमेरिकी राजदूत से जवाब तलब कर लिया गया। शायद यह सख्ती देखकर ही अमेरिकी सरकार ने लोकतांत्रिक मानकों पर भारत की गिरावट को तूल न देने का रवैया अपनाया। इस तरह का तीसरा बड़ा नाम स्वीडन के वी-डेम इंस्टीट्यूट का है जिसने कुछ ज्यादा ही तीखा रवैया

> गौर से देखें तो लोकतंत्र की समस्याओं को स्वीकारने और सुधारने का यहां कोई मामला ही नहीं है। ऐसी राजनीति यहां पहले भी होती रही है, लेकिन एक समय के बाद लोगों की जीवन स्थितियों से जुड़ा कटु यथार्थ उन्हें इससे दूर जाने के लिए विवश कर देता रहा है। यह पहला मौका है जब देश 'परसेप्शन मैनेजमेंट' के सामने हथियार डालता दिख रहा है। इक्कीसवीं सदी में रूस से शुरू हुई यह राजनीतिक बीमारी भारत में और भी गहरी डायग्नोसिस की मांग करती है। जमीन पर अच्छा काम करने वालों को कोई ट्रैक्शन नहीं मिल रहा। उनकी बात दूर तक नहीं पहुंच रही और कहीं पहुंच भी रही है तो समुदायों के बीच नफरत पैदा करने वाली या गैर जरूरी सूचनाओं की भीड़ में अगले ही दिन लोग उसे भूल जा रहे हैं।

अपनाते हुए भारत को लोकतांत्रिक देशों में भी शामिल नहीं किया है और इसे 'इलेक्टोरल ऑटोक्रेसी' (चुनाव करा लेने वाली निरंकुश व्यवस्था) करार दिया है। इसमें कोई शक नहीं कि चीन की एकदलीय कम्युनिस्ट प्रणाली की तुलना में भारत को एक तरह का लोकतंत्र ही माना जाता है। पिछले कुछ वर्षों से निवेश के मामले में भारत को चीन से ज्यादा तरजीह देने का यह एक बड़ा तर्क भी है, लेकिन दोनों देशों में एक खास फर्क यह है कि चीन अपने निचले लोकतांत्रिक दर्जे में काफी लंबे समय से स्थिर पड़ा है, जबकि भारत इस मामले में अपने ऊंचे मुकाम से बहुत तेजी से नीचे आया है। आगे जैसे लक्षण हैं, 'एक देश एक चुनाव' की व्यवस्था वाले सारे संविधान संशोधन यहां अमल में उतारे जा सके तो संसाधनों की कमी से हिले विपक्ष का रहा-सहा ढांचा भी खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएगा।

हाल में सत्ता की करीबी न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ एक बातचीत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय लोकतंत्र पर चिंता जाहिर करने वाले पश्चिमी बौद्धिकों और संस्थाओं को अज्ञानी बताया, साथ ही कहा कि उनकी सरकार भारत को 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' मानते हुए इसे और व्यापक बनाने के लिए काम कर रही है। पश्चिम की दलीलों की काट करने के लिए उन्होंने बताया कि जिस देश में पांच लाख ग्राम पंचायतों में मुखिया और सदस्य चुने जाते हों, उसके लोकतंत्र को कमजोर भला कौन समझदार व्यक्ति कहेगा? यह भी कि शायद ही देश का कोई राजनीतिक दल ऐसा हो जिसकी किसी न किसी राज्य में सरकार न हो या सरकार में किसी न किसी रूप में उसकी भागीदारी न हो। दूसरी तरफ डेमोक्रेसी इंडेक्स में भारत की स्थिति सुधारने के लिए भी उनकी कोशिशें जारी हैं।

इसमें एक तरह की कोशिश का जिक्र ऊपर आ चुका है। यानी लोकतंत्र की कसौटियां बनाने और उन पर विभिन्न देशों को आंकने वाली संस्थाओं से संपर्क करके सीधे उन्हें मैनेज करने का प्रयास करना। उद्योग-व्यापार से जुड़े बहुत सारे इंडेक्सेज में ऐसी कोशिशें कारगर हो चुकी हैं। आईएमएफ जैसी संस्थाएं भी भारत के आधिकारिक आंकड़ों को अपने आंकड़े की तरह जारी करने के लिए तैयार हो जाती हैं, लेकिन जब कोई बात बिल्कुल ही उनके हिसाब से बाहर होने लगती है तो उनकी ओर से ऐसा बयान भी आता है कि हम खुद आंकड़े नहीं जुटाते, यह भारत का अपना आंकड़ा है।

लोकतंत्र से जुड़े मानकों के मामले में इस तरह की कोशिशें कामयाब नहीं हो पा रही हैं तो इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि जो चीजें राजनीति में इतनी फायदेमंद साबित हो रही हैं और विदेशों में हिंदुत्व वाला एनआरआई जनाधार भी जिनसे इतना खुश है, मोदी सरकार उनसे ज्यादा दूर जाती हुई नहीं दिखना चाहती। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से विभिन्न मंत्रालयों को डेमोक्रेसी इंडेक्स का ध्यान रखने के जो निर्देश चुपचाप भेजे गए हैं, उनकी सबसे ज्यादा उपेक्षा गृह मंत्रालय द्वारा की गई है, जबकि इंडेक्स में नीचे खींचने वाले ज्यादातर मामले इस मंत्रालय से ही जुड़े हैं। कश्मीर में बात-बात पर इंटरनेट बंद करना, वहां विधानसभा चुनाव कराना तो दूर, ऐसी कोई संस्था आगे वहां होगी भी या नहीं, इस पर सन्नाटा खींच लेना, पत्रकारों समेत बहुत बड़ी तादाद में लोगों को जेल में डाल देना गृह मंत्रालय का ही कमाल है। अल्पसंख्यकों की असुरक्षा, मणिपुर हिंसा और जांच एजेंसियों के दुरुपयोग तक भारतीय लोकतंत्र को घुन खाई चीज बताने वाले और भी कितने ही मामले इस मंत्रालय से जुड़े हैं, लेकिन दूसरी ओर, केंद्र सरकार को सबसे ज्यादा उत्तेजना पैदा करने वाले हनकदार चुनावी मुद्दे भी गृह मंत्रालय ही मुहैया करा रहा है।

गौर से देखें तो लोकतंत्र की समस्याओं को स्वीकारने और सुधारने का यहां कोई मामला ही नहीं है। ऐसी राजनीति यहां पहले भी होती रही है, लेकिन एक समय के बाद लोगों की जीवन स्थितियों से जुड़ा कटु यथार्थ उन्हें इससे दूर जाने के लिए विवश कर देता रहा है। यह पहला मौका है जब देश 'परसेप्शन मैनेजमेंट' के सामने हथियार डालता दिख रहा है। इक्कीसवीं सदी में रूस से शुरू हुई यह राजनीतिक बीमारी भारत में और भी गहरी डायग्नोसिस की मांग करती है। जमीन पर अच्छा काम करने वालों को कोई ट्रैक्शन नहीं मिल रहा। उनकी बात दूर तक नहीं पहुंच रही और कहीं पहुंच भी रही है तो समुदायों के बीच नफरत पैदा करने वाली या गैर जरूरी सूचनाओं की भीड़ में अगले ही दिन लोग उसे भूल जा रहे हैं। इसके विपरीत पूरी तरह हवा-हवाई, पौराणिक बातें करने वाले, सांप्रदायिक उन्माद फैलाने वाले, दिन-रात झूठ बोलने वाले लोगों को देश का बड़े से बड़ा मंच सहज ही उपलब्ध हो जा रहा है। ऐसे में विपक्ष अगर एक-दो चुनाव जहां-तहां जीत भी जाए तो लोकतंत्र से खेलने वाली शक्तियां उसे खिलौना बना छोड़ेंगी।

प्रसंगवश

जीवन की सामाजिक वास्तविकता

सामाजिक परिवर्तन के संबंध में सामाजिक पॉजिटिविटी अर्थात् समाज को रचनात्मक दृष्टि प्रदान करने का विषय और सामाजिक निगेटिविटी अर्थात्स माज को विघटित करने के प्रयास के साथ-साथ आज के लोकतांत्रिक राजनीति में एक महत्वपूर्ण तत्व है सामाजिक रियलिटी या सामाजिक वास्तविकता।

डॉ. चन्द्रविजय चतुर्वेदी
प्रयागराज

सामाजिक वास्तविकता किसी भी युग में चाहे वह राजशाही का युग रहा हो, चाहे वह आधुनिक वैज्ञानिक लोकतांत्रिक युग ही क्यों न हो सर्वथा दोषमुक्त और न्यायसंगत नहीं रही है। व्यवस्थागत अन्याय और दोष को मानव को सदैव झेलना पड़ा है, जिसे सामंजस्य स्थापित करते जीवनयापन कहा जाता है। व्यवस्थाओं में समुदाय, संप्रदाय और समाज भले बलशाली हो जाए अदना मानव अदना ही रह जाता है।

नैतिक दायित्व के रूप में दोष निवारण और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष भी अनवरत चलते रहे हैं। सामाजिक आंदोलन और तथाकथित क्रांतियां भी होती रही हैं। आंदोलन और क्रांतियों के सूत्रधार व्यवस्था में प्रतिष्ठित भी होते रहे हैं, पर यह भी एक कटु सत्य है कि सूत्रधार व्यवस्थागत दोष के अंग भी बन जाते हैं। परिणामस्वरूप पुरातन विषमता दूर होने के बजाय समाज अन्य प्रतिगामी विषमता से ग्रसित हो जाता है। फिर मानव को किसी न किसी रूप में पुरातन और आधुनिकतम विषमताओं के घालमेल को झेलना ही पड़ता है। व्यवस्थाओं में न्याय-अन्याय द्वंद्वात्मक रूप से संश्लेषित होकर एकाकार हो जाते हैं। युगानुरूप न्याय अन्याय की मात्राएं, मान्यताएं और स्वरूप भिन्न-भिन्न होते हैं जिनके अनुरूप जीवन जीना ही जिंदगी कहा जाता है। मानव अपनी जिंदगी में जीता है-रियलिटी पर, पर पूरी जिंदगी उलझा रहती है पाजिटिविटी और नेगेटिविटी में ही।

अंततः मानव को किसी न किसी रूप में इसे आस्था के रूप में बुद्धि-विवेक में बैठाना पड़ता है। भौतिक नियम तथा नैतिक नियम दोनों ही ईश्वर की इच्छा के अनुसार संचालित होते हैं। अन्यायों, अनिष्टों से छुटकारा ईश्वर की कृपा के अधीन ही है-ऐसा मानते हुए एक ईश्वर को अवतरित कर देते हैं और उसकी कृपा पाने के लिए स्तुतियों की रचना करने लगते हैं।

भारत को बदलने की सोच वाले थे राजीव गांधी

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

राजीव गांधी ने लाल किले से अपने पहले ही भाषण में सत्ता की दलाली जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था और कहा था कि सत्ता के दलालों को टिकने नहीं दिया जाएगा।

राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस

21 मई 1991 में 46 वर्ष की उम्र में राजीव गांधी, तमिलनाडु में लिट्टे द्वारा किए गए आत्मघाती विस्फोट में शहीद हो गए थे। राजीव गांधी को कई नई पहलों और शुरुआत का जनक माना जाता है जिसके अंतर्गत संचार क्रांति, कंप्यूटर क्रांति, शिक्षा का प्रसार, 18 साल के युवाओं को मताधिकार, पंचायती राज आदि शामिल हैं। उन्होंने कई साहसिक कदम भी उठाए थे जिनमें असम समझौता, पंजाब समझौता, मिजोरम समझौता, श्रीलंका में शांति सेना का भेजा जाना आदि शामिल हैं।

राजीव गांधी के प्रधानमंत्री बनने के बाद मानसून के दगा देने के चलते देश में भयानक अकाल पड़ा था। उस वक्त उन्होंने देश के अलग-अलग इलाकों को दौरा किया। स्वतंत्रता दिवस पर उनके भाषणों में बेरोजगारी और गरीबी के लिए चिंता साफ दिखती थी, लेकिन लोगों के दिलों में यह बात थी कि उनका नेता जरूर कोई न कोई रास्ता निकाल लेगा। चुनौतियां बनी रही, लेकिन राजीव हर साल लोगों को नौकरियों की दुहाई देते रहे। राजीव ने 1987 में लाल किले की प्राचीर से कहा था कि युवकों में एक निराशा कभी-कभी दिखलाई देती है। देश के करोड़ों युवक काम ढूंढ नहीं पाते हैं। रोजगार नहीं पाते हैं। हमारी कोशिश है कि ढांचे में जो कमजोरियां हैं उनको दूर करने का काम किया जाए।

राजीव गांधी ने लाल किले से अपने पहले ही भाषण में सत्ता की दलाली जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था और कहा था कि सत्ता के दलालों को टिकने नहीं दिया जाएगा। इससे उनका इशारा साफ था कि सत्ता संरक्षित दलाली उनकी सरकार में नहीं चलेगी। 1986 के अपने भाषण के दौरान उन्होंने न सिर्फ भारत को संबोधित किया, बल्कि उन विविधताओं के बारे में बात कि जिनसे भारत बनता है। उन्होंने कहा था- "एक भारतीय होने का मतलब यह नहीं है कि हम केवल देश के निवासी हैं हमारे पास संस्कृतियों की विविधता है। हम अलग-अलग धर्मों के हैं- हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, पारसी और बौद्ध हम सभी धर्मों और आस्था को सम्मान देते हैं। इसी तथ्य से हमारी ताकत और एकता बढ़ती है। यही एकमात्र रास्ता है जिसका हमें अनुसरण करना चाहिए, क्योंकि हमारी ताकत हमारी विविधता में निहित है।"

1985 की बात है। भारत के राजीव गांधी सूखा प्रभावित ओडिशा के कालाहांडी जिले में दौरे पर थे। उन्होंने कहा था कि सरकार जब भी एक रुपया खर्च करती है तो लोगों तक 15 पैसे ही पहुंच पाते हैं। यहां राजीव बीच के भ्रष्टाचार का जिक्र कर रहे थे। अपने उस भाषण में राजीव ने कहा था कि देश में बहुत भ्रष्टाचार है। राजीव कहते हैं कि भ्रष्टाचार ग्रासरूट लेवल पर है जिसे दिल्ली से बैठकर दूर नहीं किया जा सकता। उन्होंने भारत की साक्षरता दर में सुधार करने के लिए कई उत्कृष्ट प्रयास किए। उनके प्रधानमंत्रित्व काल में ही इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) और जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थापना हुई। भारत में शिक्षा को एक नई दिशा और नया बल प्रदान करने के उद्देश्य से 1986 की नई शिक्षा नीति उन्हीं के कार्यकाल में लाई गई। पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में श्री गांधी की रुचि पर्यावरण के क्षेत्र में किए गए उनके कार्यों में दिखाई देती है।

धरती और जीवन के लिए आसन्न संकट को भांपते हुए उन्होंने संसद में पर्यावरण (संरक्षण) विधेयक, 1986 पेश किया। इस विधेयक को संसद के दोनों सदनों ने पारित किया और 23 मई 1986 को इसे राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल गई। इसके अलावा श्री गांधी ने 1952 की राष्ट्रीय वन नीति की समीक्षा भी कराई और 1988 की नई वन नीति तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नई नीति ने वन संसाधनों के टिकाऊ उपयोग पर बल दिया।

भारत की सर्वप्रथम जल नीति भी राष्ट्रीय जल संसाधन परिषद द्वारा 1987 में तभी अपनाई गई जब राजीव गांधी इस परिषद के अध्यक्ष थे। मुझे आज भी भरोसा है कि राजीव गांधी की हत्या भले ही लिट्टे ने की हो, लेकिन उसके पीछे साजिश में वे देश थे, जो राजीव गांधी के विकास के दूरगामी कदमों से हिले हुए थे, वे लोग थे, जो हथियारों के दलाल थे और वे लोग भी थे, जो जान गए थे कि यदि प्रगति के मुद्दे पर चुनाव हुए तो राजीव को कभी भी हराना संभव नहीं होगा। राजीव गांधी की हत्या एक तेजी से बढ़ते देश की योजनाओं और सपनों की हत्या थी।

सोशल फोरम

हवा चली नहीं कि बिजली गुल

पिछली रात बिजली नहीं थी। अंधेरा हुआ नहीं कि तेज हवा चली और कुछ बूंदें भी गिरीं। हमेशा की तरह बिजली वालों ने लोड शेडिंग कर दी। पूरा गांव अंधकार में डूब गया। ये बिजली वाले भी कमाल के लोग हैं। पोल लगाए हैं। पोल को जितने अंदर तक जमीन में गाड़ना चाहिए उसकी एक चौथाई गहराई तक गाड़कर काम पूरा कर दिया।

डॉ सुधांशु के. मिश्रा
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

अब पोल तारों के सहारे खड़े हैं और तार पोलों के सहारे झूलते। यह पोलों और तारों की जुगलबंदी बिजली विभाग के लोगों के लिए वरदान है, आय का साधन है। हवा चली नहीं कि बिजली गुल। कुछ पोल गिरते भी हैं और कुछ बेशर्मों की तरह खड़े भी रह जाते हैं, लेकिन कागज पर गिरने से उन्हें कौन रोक सकता है? बिल बनाने में मालिकों को कौन रोक सकता है? आप कहेंगे, भले मानस, जब ऐसे में जीने के लिए मजबूर हो तो इन्वर्टर और स्टेबलाइजर क्यों नहीं लगवा लेते? तो भाई, लगे है इन्वर्टर और स्टैबिलाइजर भी, लेकिन दिन भर में दस बार लोड शेडिंग हो और वोल्टेज की अनवरत उठापटक हो तो बेचारे क्या कितना कर लेंगे। चुक जाते हैं, खराब होते रहते हैं। ठीक करने वाले मिस्त्री नहीं मिलते। वैज्ञानिकों ने मेहनत की, कुछ तो हमारे वेदों से पुरातन ज्ञान चुराने में और कुछ उनको नई पोशाक पहनाकर बाजार में लाने में। विदेशों में तो इसी बूते पर सब चल रहा है। खूब लूटा उन्होंने। जब टेक्नोलॉजी वहां घिस-पिट जाती है तो भारत में आती है। टेक्नोलॉजी का काम करवाने के लिए आदमी चाहिए। आदमी तो इंपोर्ट नहीं करोगे। मिस्त्री और इंजीनियर तो देशी ही होंगे, लेकिन वे जुगाड़ हैं और उससे भी ज्यादा बिगाड़ू हैं। तभी तो रिपोर्ट आई कि अस्सी प्रतिशत इंजीनियर अनइंप्लायेबल हैं।

सरकार ने, कॉलेजों ने, जनता ने, लीडरों ने, सबने हें-हें कर दिया। इस देश के अर्थशास्त्री भी तो अर्धशास्त्री ही हैं। गुड फॉर नथिंग। तो इन्वर्टर मिस्त्री के आने की प्रतीक्षा कर रहा है। गनीमत है कि तीस बरस ठंडे मुल्क में रहने के बाद भी शरीर न भूला कि पसीना निकालकर उसे खिड़की से आने वाली हवा के कतरों से सुखाकर कुछ आराम मिल सकता है। सो शरीर ने किया। कुछ राहत हुई।

-फेसबुक वॉल से

तेजी से बदल रहा बद्रीनाथ

दीपक नौगांई
शिक्षक, नैनीताल

> धर्म-कर्म के साथ अपने यहां आवश्यक रूप से गंदगी जुड़ ही जाती है। तप्तकुंड के गर्म पानी में अपने पाप धोने को लोग लालायित रहते हैं, जो लोग शहरों में रहते हुए गंगाजल को छूते तक नहीं है, वे तप्तकुंड में गंगा का नाम लेकर डुबकी लगाते हैं।

उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल में चमोली जनपद के जोशीमठ से 44 किलोमीटर दूर 3133 मीटर की ऊंचाई पर पहुंचें, तो एक तरफ बर्फ से ढकी चोटियां चमकती दिखाई देती हैं तो दूसरी ओर घाटी में बहती अलकनंदा दहाड़ते स्वर में स्वागत करती है। यहीं पर है हिंदुओं का पवित्र धाम बद्रीनाथ, पर बद्रीनाथ पहले वाला बद्रीधाम नहीं रहा जहां शांति थी, देवदार और भोजपत्र थे। अब यह धर्म क्षेत्र के साथ-साथ पर्यटन केंद्र के रूप में ज्यादा प्रतिष्ठित हो गया है।

जोशीमठ से विष्णु प्रयाग के पास पुल पार कर दो विशालकाय पहाड़ियों के बीच से एक सर्पिला रास्ता बद्रीनाथ को जाता है। रास्ते भर अलकनंदा विपरीत दिशा में आपके साथ-साथ चलती है। भले ही नदी और आप विपरीत दिशा में जा रहे हों, पर हरे-भरे पहाड़ों से गिरे इस उनींदे रास्ते में बाल सुलभ क्रीड़ा कौतुक करती यह नदी जैसे अपने मोहपाश में बांध लेती है। पहले यह रास्ता वन-वे था, लेकिन अब सड़क काफी चौड़ी कर दी गई है। चौड़ी सड़क यानी ज्यादा गाड़ियों की भीड़।

बद्रीनाथ में भीड़तंत्र साफ नजर आता है। चारों ओर कंक्रीट का जंगल और बीच में मंदिर कहीं खोया सा गया लगता है। नगर में तब्दील हो गए बद्रीनाथ में अधिकतर लोग अब जैसे मौज मस्ती के लिए आते हैं। गंगाजल से आचमन करने की आदत बनी है तो करेंगे ही, पर साथ ही युवाओं की कोल्ड ड्रिंक को धीरे-धीरे गटकने के बाद खाली टीन को हवा में लहराकर नदी में फेंकने की शहरी आदत भी बन गई है। सन्नाटे को चीरता हुआ टीन गुम हो जाता है अलकनंदा नदी की अथाह गहराई में। पहले लोगों का विश्वास था कि बद्रीनाथ जाए बिना मुक्ति नहीं मिल सकती। यही कारण था कि पुराने वक्त में बद्रीनाथ की यात्रा को अंतिम यात्रा मानकर लोग घर बार छोड़कर निकल पड़ते थे। दरअसल तब यात्रा मार्ग इतना दुर्गम था कि श्रद्धालु लौटने की उम्मीद कम ही रखते थे। आज के बद्रीनाथ की सुगमता को देखकर भले ही यह काल्पनिक लगे पर सच यही था। जाहिर है तब बद्रीनाथ जाना खुद को जोखिम में डालने से कम नहीं रहा होगा। बद्रीनाथ वह स्थान है, जहां नर नारायण पर्वत और नीलकंठ चोटी है और जहां से पांडव माणा गांव के रास्ते अपनी अंतिम यात्रा पर गए थे। यहां अलकनंदा नदी भी है, जो देवप्रयाग में भागीरथी से संगम कर गंगा नाम से बहती है। बद्रीनाथ में गंगा वह नहीं है, जो कानपुर या पटना में है। हालांकि यहां भी नदी में गंदगी जा रही है। कानपुर में नदी को देखकर लगता है कि डबरे में नहाकर कोई शूकर बीच सड़क पर खड़ा हो गया हो और पटना में गंगा महिषी की तरह बेपरवाह होकर पसर गई है। ऐसे में अपने उद्गम स्थल पर भी गंगा में बदलाव होना दिखना लाजमी है।

केदारनाथ धाम जाने के लिए जहां आपको पैदल यात्रा करनी पड़ती है, वहीं बद्रीनाथ तक आप सीधे वाहन से जा सकते हैं। पहले सड़क संकरी थी, वन-वे यातायात नियम लागू था और गेट सिस्टम के अनुसार वाहन छोड़े जाते थे। तब वाहनों की संख्या कम थी, लेकिन अब सड़क चौड़ी हो गई है तो वाहनों की संख्या भी बहुत बढ़ गई है। वाहनों के इस भारी संख्या से उपजा दबाव और उनका काला धुआं इस नाजुक हिमालय क्षेत्र के पर्यावरण संतुलन को कितना नुकसान पहुंचता होगा, यह आसानी से समझा जा सकता है। ज्यादा भीड़, ज्यादा दुकानें और ज्यादा होटल मतलब गंदगी भी ज्यादा। गंदगी ने बद्रीनाथ को भी अपना मित्र बना लिया है, जहां तप्त कुंड हैं वहां भी गंदगी दिखाई देती है।

धर्म-कर्म के साथ अपने यहां आवश्यक रूप से गंदगी जुड़ ही जाती है। तप्तकुंड के गर्म पानी में अपने पाप धोने को लोग लालायित रहते हैं, जो लोग शहरों में रहते हुए गंगाजल को छूते तक नहीं है, वे तप्तकुंड में गंगा का नाम लेकर डुबकी लगाते हैं। यही नहीं कुछ लोग साबुन से कपड़े धोते हुए भी दिखलाई देते हैं और यह गंदगी सीधे अलकनंदा में समाती है। कभी बद्रीनाथ में आध्यात्मिक शांति मिलती होगी। कोई समय रहा होगा जब यहां वन्य जीव विचरते थे या पेड़ों की पत्तियों पर ओषजन प्राण वायु के झोंके उछल कूद करते थे, पर अब यहां वाहनों के ईंधन के धुएं से निकलती जानलेवा कार्बन मोनोऑक्साइड और ध्वनि प्रदूषण ज्यादा है। लोगों की भीड़, दुकानदारों की आवाज और होटल धर्मशालाओं के जेनरेटरों की आवाज के साथ माहौल को मेले का रूप देने के लिए शोर का अटूट भंडार है। अब अलकनंदा के दोनों और खाली जमीन नहीं बची है। मुख्य मंदिर को चारों ओर से मकानों ने ढक सा दिया है।

ऋषि गंगा और अलकनंदा की धाराओं के संगम पर स्थित बद्रीनाथ को कभी बद्री वन के नाम से जाना जाता था। बद्री का शाब्दिक अर्थ 'बेर' होता है। कहते हैं कभी इस स्थान पर बेरो के जंगल हुआ करते थे, पर आज उनका अस्तित्व कहीं नजर नहीं आता। आज तो ऑक्टोपस की विशाल बाहों की तरह होटल, धर्मशालाएं और आश्रम चारों तरफ पसरे पड़े हैं। उनकी विकराल दाढ़ में पहले पेड़ समाते हैं, फिर चट्टानें और अब नंबर है अलकनंदा की धार का। बद्रीनाथ में आपको हर सुविधा के दीदार हो जाएंगे। यहां बाजार, बैंक, डाकघर, अस्पताल, होटल, रेस्टोरेंट, धर्मशालाएं सभी कुछ हैं। पूजा सामग्री, सीडी, मालाएं, चित्रों, पेय पदार्थ, आइसक्रीम आदि से सजी सैकड़ों दुकानें हैं। किसी चीज की कमी नजर नहीं आती। सीजन टाइम में सामग्री के रेट भी बढ़ जाते हैं। ऊनी कपड़ों, कालीनों की दुकानें भी आपको यहां मिल जाएंगी, लेकिन इन तमाम सुख सुविधाओं का नकारात्मक पक्ष यह है कि जिस सुकून की तलाश में आप बद्रीनाथ धाम आए हैं, वह शायद आपको न मिल पाए। रोजमर्रा का माया जंजाल यहां भी आपका पीछा नहीं छोड़ता।

आपका पत्र

रोकनी होगी अन्न की बर्बादी

वैसे तो भारतीय संस्कृति में अन्न को देवता का दर्जा प्राप्त है, लेकिन अन्न की बर्बादी के मामले में हम किसी से कम नहीं हैं। चाहे हमारे यहां शादियां हों या भंडारे सभी जगह भोजन की बर्बादी देखी जाती है। दुनिया में खासकर भारतीय लोगों में अपने अन्न के प्रति बर्बादी कहीं अधिक देखी जाती है, जहां एक ओर काफी बड़ी संख्या में लोग भुखमरी के शिकार हैं, उनको एक समय का भोजन भी नहीं मिलता है, वहीं दूसरी ओर तमाम कार्यक्रमों और घरों में भोजन की बर्बादी बहुत बड़ी मात्रा में की जाती है।

हमारा मानना है कि 'उतना ही ले थाली में, व्यर्थ न जाए नाली में'। भोजन की बर्बादी के विरुद्ध जन जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। इसमें मीडिया की भी सकारात्मक भूमिका महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

- डॉ. प्रमोद अग्रवाल गोल्डी, हल्द्वानी।

प्रयागराज में कल ओवैसी करेंगे सभा

अमृत विचार, प्रयागराज: प्रयागराज में 25 मई को होने वाले मतदान को लेकर सभी पार्टियों के राष्ट्रीय नेताओं ने संगम नगरी में जनसभाएं शुरू कर दी हैं। 22 को एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी जनसभा करेंगे। उनके साथ अपना दल कमेराबादी की विधायक डॉ. पल्लवी पटेल भी मौजूद रहेंगी। यह जनसभा फूलपुर लोकसभा से पीडीएम मोर्चा प्रत्याशी महिमा पटेल के समर्थन में की जाएगी। ओवैसी की जनसभा बुधवार शाम 4:00 बजे गंगापार के मऊआईमा इलाके में होगी। नेताओं ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

जनसभा में एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली, पूर्वांचल अध्यक्ष, इसरार अहमद, अपना दल कामेरावादी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल, राष्ट्रीय उदय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूराम, पाल और प्रगतिशील मानव समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद बिंद भी इस शामिल होंगे।

पूर्व प्रवक्ता अफसर महमूद ने बताया की महिमा पटेल के साथ ही ओवैसी की जनसभा प्रतापगढ़ में आयोजित की गई है। इसके लिए जिला प्रतापगढ़ प्रशासन से अनुमति भी मांगी गयी है।

विधानसभा क्षेत्रों में दिखी अलग-अलग तस्वीर

- फैजाबाद लोकसभा सीट के सभी विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा और इंडी गठबंधन में लड़ाई
- कई क्षेत्रों में बसपा व भाकपा ने भी लगाई सेंध
- 2019 में 59.59, इस बार 59.13 प्रतिशत मतदान

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: फैजाबाद लोकसभा चुनाव में अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में लड़ाई की तस्वीर भी अलग-अलग दिखी। भाजपा और इंडी गठबंधन समर्थित सपा सभी विधानसभा क्षेत्रों में लड़ेगी। कई क्षेत्रों में बूथों पर कहीं त्रिकोणीय टक्कर भी दिखी। बसपा और भाकपा ने भी कई क्षेत्रों में सेंध लगाई है।

बात शुरू करते हैं अयोध्या से। अयोध्या विधानसभा क्षेत्र भाजपा का गढ़ माना जाता है। यह भाजपा के कब्जे में है। यहां वोटिंग के दौरान मतदाताओं के जो रुझान दिखे उसमें ज्यादातर बूथों पर फूल और साइकिल आमने सामने थी। अंतर ज्यादा होने की संभावना है। वहीं बीच-बीच में हाथी अपनी धमक दिखा रहा था।

बीकापुर विधानसभा क्षेत्र भाजपा के कब्जे में है। विधानसभा चुनाव में सपा यहां रनर रही। यहां टक्कर कमोवेश उसी तरह की मानी जा रही है। यहां भी ज्यादातर बूथों पर साइकिल और फूल की सीधी लड़ाई दिखी। कुछ विशेष क्षेत्र के बूथों पर बसपा काडर के वोटों ने तस्वीर बदलने की कोशिश जरूर की। गिनती के बूथों पर हंसिया-बाली ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र सपा के कब्जे में है। यह स्व. मित्रसेन यादव का क्षेत्र रहा है। उनके पुत्र भाकपा से प्रत्याशी हैं। विधानसभा चुनाव में यहां कांटे की टक्कर हुई थी। इस बार भाकपा प्रत्याशी के मैदान में होने से कई बूथों पर लड़ाई की तस्वीर बदली दिखी। कदमताल में कई बूथों पर बसपा भी इसमें शामिल रही लेकिन प्रभावी नहीं दिखी।

लल्लू सिंह

अवधेश प्रसाद

सच्चिदानंद

अरविंद सेन

रुदौली विधानसभा क्षेत्र भाजपा के कब्जे में है। यहां एक ओर फूल का बटन दब रहा था तो दूसरी ओर साइकिल दौड़ रही थी। हालांकि विधानसभा चुनाव में बसपा ने अच्छा प्रदर्शन किया था। यदि मतदान का रुझान पहले जैसा रहा। तो कौन किससे आगे निकल जाए कहा नहीं जा सकता है।

दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र भी भाजपा के कब्जे में है। विधानसभा चुनाव में भाजपा और सपा के बीच वोटों का अंतर ठीक-ठाक रहा है। यहां भी क्षेत्रवार दोनों दलों के बीच टक्कर के आसार है। विधानसभा क्षेत्र में मतदान अधिक होने से भी परिणाम पर असर को लेकर चर्चा हो गई है। फिलहाल लड़ाई सीधी होने के आसार हैं। अंतर नहीं कहा जा सकता है।

अयोध्या से राजनीतिक दिग्गज हैं मैदान में

अयोध्या: अयोध्या से राजनीतिक दिग्गजों या उत्तराधिकारियों ने चुनाव मैदान में ताल ठोंकी है। भाजपा से पांच बार के विधायक, मंत्री व दो बार के सांसद लल्लू सिंह मैदान में हैं। इंडी समर्थित सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद नौ बार के विधायक, मंत्री रह चुके हैं। विरासत की जंग लड़ रहे अरविंद सेन स्व. मित्रसेन के बड़े पुत्र हैं। बसपा प्रत्याशी सच्चिदानंद राजनीति की नर्सरी के नई पौध है।

2019 के चुनाव जैसा रहा मतदान

अयोध्या में मतदान साल 2019 के लोकसभा चुनाव के आसपास ही रह गया है। उम्मीद थी कि कई मुद्दों और प्रत्याशियों की सक्रियता से इस बार मतदान बढ़ेगा लेकिन मतदान 59 .13 प्रतिशत ही रहा। वर्ष 2019 में मतदान का प्रतिशत 59 .59 था।

भाजपा प्रत्याशी को लेकर जनता में नाराजगी: राजा भैया

अमृत विचार, प्रतापगढ़ : कौशांबी संसदीय क्षेत्र का चुनाव सोमवार को सकुशल संपन्न हो गया। वोटिंग के दौरान जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया ने भी बेती गांव के प्राथमिक विद्यालय पर बने पोलिंग बूथ पर दोपहर 12 बजे मतदान किया।

इसके बाद राजा भैया ने पत्रकारों से बातचीत में भाजपा प्रत्याशी व मौजूदा सांसद विनोद सोनकर के प्रति कहा कि कहा कि प्रत्याशी को लेकर कुंडा व बाबागंज की जनता में भी नाराजगी है।

मालूम हो कि प्रचार के अंतिम दिन केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल द्वारा मानिकपुर में आयोजित एक जनसभा में बिना नाम लिए राजा भैया के खिलाफ टिप्पणी की गई थी। कहा गया था कि राजा ईवीएम से पैदा होते हैं, अब ना कोई राजा रह गया है और ना ही कोई रानी। इस बात को लेकर राजा भैया के समर्थकों में आक्रोश था। जिसे लेकर सोशल मीडिया के अलावा वैसे भी लोगों ने अपनी नाराजगी व्यक्त की थी।

अपनी ढपली अपना राग

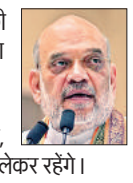
देश में नरेंद्र मोदी की सरकार है, हम लोग भाजपा से हैं, एटम बम से नहीं डरते हैं। पीओके भारत का है, रहेगा और हम उसे लेकर रहेंगे।
– अमित शाह

जनता संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए खड़ी है, भाजपा को हरा रही है। नफ़रत की राजनीति से यह देश अब ऊब चुका है।
– राहुल गांधी

गठबंधन की सरकार बनने पर आटा के साथ डाटा भी मुफ्त में दिया जाएगा। गठबंधन की सरकार आएगी तो खुशियों के दिन आएंगे।
–अखिलेश यादव

गुंडे, माफियाओं, भ्रष्टाचारियों के एक गिरोह का नाम इंडिया गठबंधन है। यहीं गिरोह मोदी को प्रधानमंत्री नहीं रहने देना चाहता।
–केशव प्रसाद मौर्य

इलेक्शन बायस्कोप

राही ब्लाक के मैनूपुर में मतदान का बहिष्कार कर रहे मतदाताओं से बात करते कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी। अमृत विचार

बस्ती: बसपा प्रत्याशी ने मुकाबले को बनाया त्रिकोणीय

- 2019 के संसदीय चुनाव में भी भाजपा ने हरीश पर लगाया था दांव
- बसपा ने नामांकन के आखिरी दिन बदल दिया था प्रत्याशी
- सपा से राम प्रकाश चौधरी हैं मैदान में

चुनाव डेस्क, लखनऊ

अमृत विचार: बस्ती लोकसभा चुनाव में बसपा प्रमुख मायावती के राजनीतिक पैंतरे से भाजपा और सपा दोनों दलों के उम्मीदवारों का सिरदर्द बढ़ गया है। मायावती की प्रत्याशी बदलने वाली नयी चाल से पहले मुख्य चुनावी मुकाबला मौजूदा भाजपा सांसद हरीश द्विवेदी और उनके पिछले चुनाव के प्रतिद्वंदी सपा प्रत्याशी राम प्रकाश चौधरी के बीच माना जा रहा था, लेकिन बसपा ने यहां ऐन वक्त पर ऐसी चाल चली कि मुकाबला त्रिकोणीय हो गया। बसपा ने पहले भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दयाशंकर मिश्र को अपना प्रत्याशी बनाकर सामने किया फिर नामांकन के आखरी दिन इस फैसले को पलटते हुए दयाशंकर की जगह लवकुश पटेल से अधिकृत उम्मीदवार के रूप में नामांकन करा दिया।

दरअसल, राम प्रकाश चौधरी ने इस बार दल बदल लिया है। पिछले चुनाव में वह हाथी की सवारी कर रहे थे। इस बार वह साइकिल पर सवार होकर भाजपा प्रत्याशी को टक्कर देने आए हैं। ऐसे में इस लोस सीट से भाजपा के टिकट पर ताल ठोक रहे हरीश द्विवेदी के सामने वह चुनौती बन कर आ खड़े हुए हैं।

इस बीच क्षेत्र में राजनीतिक जानकार यह भी कह रहे हैं कि बसपा के मौजूदा प्रत्याशी लवकुश को अगर पूर्व बसपा प्रत्याशी दयाशंकर का साथ मिला तो भाजपा प्रत्याशी को नुकसान उठाना पड़ सकता है, क्योंकि दोनों मिलकर भाजपा के ही वोट बैंक में ज्यादा सेंधमारी कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर बसपा उम्मीदवार से सपा की भी राह बहुत मुश्किल हो गई है। हकीकत तो यह है कि लवकुश पटेल सपा प्रत्याशी राम प्रकाश चौधरी के पुराने करीबी और दूर के रिश्तेदार रहे दिवंगत पूर्व विधायक नंदू चौधरी के बेटे हैं।

ऐसे में बसपा उम्मीदवार लवकुश भाजपा के साथ-साथ इंडी गठबंधन के प्रत्याशी के लिए भी चुनौती हैं। इसके पीछे एक कारण और यह बताया जा रहा है कि बसपा का कोर वोट जो कि सपा प्रत्याशी की ओर झुक रहा था, पटेल के मैदान में आ जाने से उसने भी चुप्पी साध ली है।

2019 के चुनाव का लेखा जोखा

भाजपा बसपा कांग्रेस

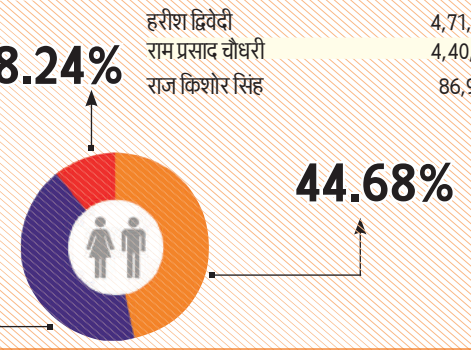

उम्मीदवार	मत
हरीश द्विवेदी	4,71,163
राम प्रसाद चौधरी	4,40,808
राज किशोर सिंह	86,920

भाजपा को मिले थे 4,71,163 मत

2019 के चुनाव में बीजेपी ने अपने सांसद हरीश द्विवेदी को मैदान में उतारा था। उनके सामने बसपा के राम प्रसाद चौधरी और कांग्रेस के राज किशोर सिंह थे। इस चुनाव में सपा का बसपा के साथ गठबंधन था और यहां पर बसपा ने उम्मीदवार खड़ा किया था। हरीश द्विवेदी को 471,163 वोट मिले थे तो बसपा के राम प्रसाद चौधरी के खाते में 4,40,808 वोट आए थे, राज किशोर को 86,920 वोट मिले थे।

हरीश द्विवेदी

राम प्रकाश चौधरी

लवकुश पटेल

ब्राह्मण मतों में सेंधमारी का प्रयास

बस्ती में अति पिछड़ों की संख्या अधिक है। ब्राह्मणों की भी तादाद काफी ज्यादा है। यह वर्ग पिछले चुनाव में भाजपा के साथ ही बताए जाते थे। यादव और मुस्लिम भी हैं, मगर उनका वोट निर्णायक नहीं होता है लेकिन इनके वोट इस सीट पर जीत-हार के अंतर को प्रभावित करता है। बस्ती में लड़ाई दिलचस्प होने के आसार हैं। पिछले चुनाव में बसपा के टिकट पर लड़े रामप्रसाद चौधरी महज 30 हजार वोटों से ही हारे थे। हालांकि, उस समय सपा-बसपा गठबंधन भी था। इस बार बसपा भी चुनाव मैदान में है। इसलिए, लोकसभा चुनाव 2019 के वोट प्रतिशत के हिसाब से आकलन करना गैर मुनासिब होगा। बस्ती की हरैया विधानसभा सीट पर ब्राह्मणों की बहुलता है और बसपा नेता दयाशंकर भी इसी विधानसभा क्षेत्र से आते हैं। इसलिए अगर पार्टी के ही विश्वासपात्र बने रहे तो ब्राह्मण मतों में वह सेंधमारी करने का प्रयास जरूर करेंगे।

सवर्ण तय करते हैं रुख

बस्ती संसदीय सीट पर कुर्मी बिरादरी की संख्या ज्यादा है और वे ही निर्णायक भूमिका में होते हैं। लेकिन, सवर्ण भी कम नहीं है। ब्राह्मण और क्षत्रियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। यही वोट बैंक चुनाव का रुख तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। यह चुनाव पिछले चुनाव से थोड़ा अलग है। पिछड़ों का रुख और सवर्ण मतदाताओं का रुझान ही इस चुनाव में जीत-हार की कहानी लिखेगा।

कोई देख कर हुआ खुश, किसी ने जताई नाराजगी

- राहुल गांधी ने मतदान केंद्रों पर जाकर देखी व्यवस्था, युवाओं ने ली सेल्फी

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार: इंडी गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी सोमवार दोपहर बछरावां मतदान केंद्र पर मतदान प्रक्रिया को देखने पहुंच गए। एक ओर कुछ मतदाता उन्हें देख कर खुश हुए और उनके साथ सेल्फी ली, तो कुछ नाराज मतदाताओं ने उनके खिलाफ नारेबाजी भी की। इस पर वह मुस्करा कर आगे चले गए। राहुल गांधी ने सदर विधानसभा क्षेत्र के राही ब्लाक के मैनूपुर भी गए। यहां पर ग्रामीणों से मतदान बहिष्कार को लेकर वार्ता करते हुए भरोसा दिलाया कि जल्द ही मांगों को पूरा करा दिया जाएगा। इसके बाद कुचरिया, उतरपारा, बेलाभेला, बेला टेकई में बने बूथ पहुंचकर मतदान के बारे में जानकारी ली।

बस्ता ले जाने की सूचना पर पहुंचे राहुल

राही, रायबरेली : राही क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा दूसरे पक्ष का बस्ता समेट कर ले जाने का आरोप लगाया। इसके बाद ग्रामीण भड़क गए। जैसे-तैसे मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने शांत कराया। सूचना पर राहुल गांधी भी पहुंच गए। इससे पहले सुबह शांति पूर्ण ढंग से मतदान चल रहा था। दोनों प्रत्याशियों के पक्ष में अलग-अलग ग्रामीण बस्ता लगा कर पर्चियां बना रहे थे। सुबह साढ़े दस बजे के करीब कुछ लोग आए और एक पक्ष के बस्ते को लेकर चले गए। ग्रामीणों की मानें तो एक प्रत्याशी के भाई संग कुछ अज्ञात लोग मतदान बूथ पर पहुंच कर दूसरे पक्ष का बस्ता लेकर चले गए।

मोदी आज 25 हजार से अधिक महिलाओं से करेंगे सीधा संवाद

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 मई मंगलवार को वाराणसी में कार्यक्रम अपनी काशी के माध्यम से लगभग 25 हजार महिलाओं से सीधा संवाद करेंगे। डॉ. संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में महिलाओं द्वारा संचालित होने वाले 'नारी शक्ति संवाद' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विशेष कार्य करने वाली महिलाओं से मुलाकात करेंगे। इस दौरान नरेंद्र मोदी के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी रहेंगे।

भाजपा महिला मोर्चा की अर्चना मिश्रा ने सोमवार को बताया कि कार्यक्रम के लिए समाज के विभिन्न वर्गों की महिलाओं को आमंत्रित किया गया है। इसमें प्रधानमंत्री महिलाओं से बात करेंगे और उनके व्यवसाय आदि विषय लेकर चर्चा करेंगे। इस कार्यक्रम में नरेंद्र मोदी को रिसीव करने, मंच संचालन, व्यवस्था समेत संपूर्ण दायित्व मातृ शक्ति के कंधे पर ही है। पंडाल में भारत के स्वरूप को दिखाने का प्रयास किया जायेगा। वहीं मराठी, बंगाली, दक्षिण भारतीय आदि प्रांत की महिलाएं अपने अलग-अलग परिधान में दिखेंगी। इनमें डॉक्टर, शिक्षिका, गृहिणी, अधिवक्ता, खिलाड़ी, व्यापारी समेत सभी वर्ग की महिलाएं भी शामिल रहेंगी ।

हेलीकॉप्टर और कार तक पहुंचे सपा के बेकाबू समर्थक

- समर्थकों के बीच से अखिलेश यादव को मंच तक पहुंचाने में सुरक्षा कर्मियों को करनी पड़ी कड़ी मशक्कत
- जैसे-तैसे मंच पर पहुंचे सपा प्रमुख ने माइक से अपील कर समर्थकों को कराया शांत

धनघटा, संतकबीरनगर

अमृत विचार: प्रयागराज के बाद जनपद संतकबीरनगर के धनघटा में भी सपा मुखिया अखिलेश यादव की जनसभा में भी हंगामा हुआ। सोमवार की दोपहर सपा प्रत्याशी लक्ष्मीकांत उर्फ पप्पू निषाद के समर्थन में चुनावी सभा को सम्बोधित करने पहुंचे अखिलेश यादव का हेलीकॉप्टर जैसे ही आसमान में दिखाई दिया उनके समर्थकों की भीड़ बेकाबू हो गई।

सैकड़ों युवा हेलीपैड की तरफ दौड़ पड़े। भीड़ को काबू करने में पुलिस कर्मियों को खूब पसीना बहाना पड़ा। जैसे ही पूर्व मुख्यमंत्री का हेलीकाप्टर लैंड किया तेज हवाओं के साथ धूल उड़ने लगी जिसके चलते कुछ देर के लिए भीड़ तितर-बितर हो गई। लेकिन जैसे ही हेलीकॉप्टर के पंखे थमे भीड़ एकबार फिर हेलीकॉप्टर की तरफ दौड़ पड़ी। सुरक्षा कर्मियों को समझ में नहीं आ रहा था कि भीड़ को कैसे हटाया जाय। जैसे तैसे हेलीकॉप्टर के पास एक कार पहुंचाई गई। सुरक्षा कर्मियों ने भीड़ से बचाते हुए अखिलेश यादव को कार में बैठाकर मंच की तरफ रवाना किया। कार मंच के पास पहुंची तो बेकाबू भीड़ बैरीकेडिंग और कुर्सियां तोड़ते हुए कार के पास पहुंच गई।

पुलिस कर्मियों और अखिलेश यादव के सुरक्षा कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें घेरे में लेकर मंच तक पहुंचाया। बाद में अखिलेश यादव ने मंच पर पहुंच कर माइक संभालते हुए सभी को शांत रहकर सभा को सफल बनाने की अपील किया और उसके बाद उन्होंने अपना सम्बोधन शुरू किया।

धनघटा में आयोजित जनसभा में शामिल होने पहुंचे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को भीड़ से निकालने का प्रयास करते पुलिस व सुरक्षाकर्मी।

- भीड़ को काबू करने में पुलिस कर्मियों को भी पसीना बहाना पड़ा
- जैसे ही हेलीकॉप्टर आसमान में दिखाई दिया, समर्थकों की भीड़ बेकाबू हो गई

इस बार के चुनाव में भाजपा 400 सीटों पर हार रही है : अखिलेश यादव

भीड़ से उत्साहित सपा मुखिया ने जनसभा में कहा कि इस बार के चुनाव में भाजपा 400 सीटों पर हार रही है। 400 के बाद वाली सीटें भाजपा जीत सकती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कहते हैं कि यहां शांति कायम हो चुकी है। उनके कार्यकाल में आयोजित हुई सभी परीक्षाओं के पेपर लीक हो जाते हैं। बेरोजगार युवा भाजपा से बदला लेना जानता है। 4 जून को जुमले वाली सरकार की विदाई तय हो चुकी है। किसानों, नौजवानों, बेरोजगारों और महिलाओं की नब्ज टटोलते हुए पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के खिलाफ जनता का ग़ुस्सा बढ़ता जा रहा है। सातवें चरण का चुनाव आते-आते जनता का ग़ुस्सा भी सातवें आसमान पर होगा। उन्होंने कहा कि देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही गरीब महिलाओं को लखपति और बेरोजगारों को नौकरी देने के साथ ही आटा और डाटा फ्री दिया जाएगा। पेपर लीक से लेकर खाद के बोरियों में कटौती और थानों में व्याप्त भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उन्होंने भाजपा सरकार पर तंज कसा।

ये रहे उपस्थित

- जनसभा में एमएलसी किरणपाल कश्यप, विधायक त्रिभुवन दत्त, पूर्व मंत्री लालमणि प्रसाद, प्रदेश सचिव नित्यानंद यादव, केडी यादव, राम वृक्ष यादव, गौहर अली, रामा यादव, कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रवीण पाण्डेय, पूर्व सांसद कमल किशोर कमांडो, विजय बहादुर यादव, सुबोध यादव, राजमन यादव, रामभवन शर्मा, राहुल यादव बादल, अजीम खान, राजेंद्र आजाद, मनोज यादव पहलवान, अंकिता बॉबी, अलगू चौहान, यूसुफ खान, हनुमान कन्नौजिया आदि उपस्थित थे।

चुनावी चक्कर

माइक चलता रहता तो राहुल-अखिलेश न होते रफूचक्कर :

आखिर प्रयागराज की जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुखस अखिलेश यादव को मच छोड़कर क्यों जाना पड़ा? दरअसल, रविवार को इंडिया गठबंधन की दो संयुक्त रैलियां थी। एक फूलपुर में तो दूसरी नैनी शहर में। लेकिन फूलपुर की रैली में मौजूद भीड़ बैरिकेड तोड़कर मंच तक पहुंच गई जिससे सभा में अफ़रातफ़री का माहौल बन गया। हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने भीड़ को मंच तक आने से रोकने की कोशिश की, लेकिन भीड़ मंच तक पहुंच गई। जिस वक्त यह नौबत आयी उस वक्त सपा के मुखिया अखिलेश यादव सभा को संबोधित कर रहे थे। अचानक भीड़ के मंच तक पहुंचने के बाद उन्हें अपना भाषण रोकना पड़ा। भीड़ में ज़्यादातर उन्हीं के समर्थक नजर आ रहे थे। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मंच पर मौजूद सपा नेता दूधनाथ पटेल ने बताया कि जब कार्यकर्ताओं की भीड़ बैरिकेड तोड़कर मंच तक पहुंच तो आपाधापी में माइक का तार टूट गया। माइक बंद होने से न तो अखिलेश और न ही राहुल भीड़ से शांत रहने की अपील कर सके। दूधनाथ पटेल कहते हैं कि, माइक चलता रहता तो भीड़ को कंट्रोल किया जा सकता था, लेकिन वो नहीं हो सका। दूसरी ओर अपेक्षाकृत सुरक्षाकर्मियों की संख्या भी बहुत कम थी। बाद में दोनों नेताओं ने सूझबूझ दिखाते हुए बिना बोले ही सभा से चले जाने में समझदारी दिखायी। वहीं जाते-जाते भीड़ को संतुष्ट करने के लिए अखिलेश यादव ने सभा स्थल के ऊपर चार-पांच बार हेलीकॉप्टर भी घुमाया। उधर, कांग्रेस के प्रयागराज जिलाध्यक्ष सुरेश यादव कहते हैं, भीड़ में युवा राहुल गांधी जी को देखने के लिए उमड़ पड़े थे। यानि दोनों ही पार्टियों के समर्थक अब अपने-अपने नेताओं की प्रशंसा में ही बयान दे रहे हैं।

सीटों को लेकर नहीं करूंगा भविष्यवाणी : राजनाथ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

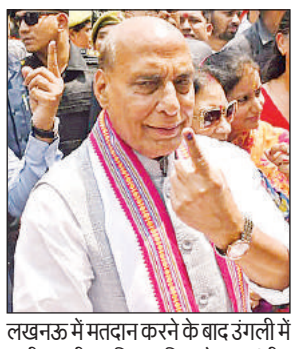

अमृत विचार : रक्षामंत्री और लखनऊ लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह ने कहा कि सीटों को लेकर कोई भविष्यवाणी नहीं करूंगा। एनडीए का संकल्प 400 पार का है।

रक्षामंत्री ने विपुल खंड गोमती नगर के स्कॉलर होम स्कूल पोलिंग बूथ पर मतदान करने के बाद उक्त बात पत्रकारों से बातचीत में कही। उन्होंने कहा देश के सभी मतदाताओं से अपील करता हूं कि परिवार के साथ मतदान अवश्य करें। वहीं उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि विपक्ष पूरी तरह से भ्रमित है। जनता ने उन्हें नकार दिया है और हम रायबरेली, अमेठी सहित प्रदेश में सभी 80 सीटें जीत रहे हैं।

लखनऊ में मतदान करने के बाद उंगली में लगी स्याही का निशान दिखाते रक्षा मंत्री।

राहुल और अखिलेश अपने ही गढ़ में चुनाव हारेंगे : सुधांशु

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि विकसित और सुरक्षित भारत के लिए मतदान करें। उन्होंने कहा कि राहुल और अखिलेश अपने ही गढ़ में चुनाव हारेंगे। जब चुनाव आता है तो राहुल गांधी को अपनी परंपरागत सीट रायबरेली व अमेठी की याद आती है। यही हाल अखिलेश यादव की कन्नौज संसदीय सीट के लिए रहती है। दोनों भूल जाते हैं कि जनता की सेवा लगातार करने के उपरांत ही बेहतर परिणाम मिलता है।

मतदान के बाद उंगली में लगी स्याही का निशान दिखाते सुधांशु त्रिवेदी।

लग रहा है इस बार परिवर्तन जरूर होगा : मायावती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▸▸ **कहा- इस बार का चुनाव मुद्दों और जनता की समस्याओं को लेकर नहीं लड़ा जा रहा है, जो कि चिंता का विषय है**

अमृत विचार : जनता के रवैये से मुझे यह महसूस हो रहा है कि इस बार परिवर्तन जरूर होगा। यह बात बसपा प्रमुख ने वीवीआईपी गेस्ट हाउस के निकट चिल्ड्रन अकादमी स्कूल में बने पोलिंग बूथ पर मतदान करने के बाद कही।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के मुताबिक इस बार का चुनाव मुद्दों और जनता की समस्याओं को लेकर नहीं लड़ा जा रहा है, जो कि चिंता का विषय है। बसपा प्रमुख ने कहा सारा चुनाव आरोप-प्रत्यारोपों तक ही सीमित नजर आया। पत्रकारों से बसपा प्रमुख ने कहा कि आकाश आनंद को लेकर उठे एक सवाल के जवाब में मायावती ने कहा कि इस विषय पर मैं पहले ही अपने सोशल मीडिया पर संदेश साझा कर चुकी हूं, इसके अलावा मुझे कुछ नहीं कहना है। इससे पहले मायावती ने आमजन से बढ-चढ़ कर वोट डालने की अपील की।

राजधानी स्थित चिल्ड्रेन एकेडमी में मतदान करके निकलतीं बसपा सुप्रीमो मायावती।

हमने भी किया मतदान...

प्रसार भारती के चेयरमैन डॉ. नवनीत सहगल ने परिवार के साथ डाला वोट।

प्रमुख सचिव सूचना संजय प्रसाद ने पत्नी व पुत्री के साथ किया मतदान।

मतदान करने के बाद पत्नी के साथ डीजीपी प्रशांत कुमार।

खेल निदेशक आरपी सिंह ने पत्नी डॉ मांडवी सिंह के साथ डाला वोट।

वोट डालने के बाद सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचवाते राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा।

बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने किया अपने मताधिकार का प्रयोग।

14,984 बूथों पर कराई गई वेबकास्टिंग

जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी व भारत निर्वाचन आयोग ने किया पर्यवेक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : 5वें चरण में निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए 14,984 मतदेय स्थलों पर वेबकास्टिंग कराई गई। इसका पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी व भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तर पर किया गया। इसके अलावा 4,199 मतदेय स्थलों पर वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गई।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इस चरण के पोस्टल बैलेट मतदान के लिए अर्ह श्रेणियां (85 वर्ष की आयु से अधिक के मतदाता, दिव्यांग, अनिवार्य सेवायें तथा मतदान कार्मिक) में 21,907 मतदाताओं के जरिये पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान किया गया। इसके अलावा कुल 32,250 सेवा मतदाताओं को भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से (ईटीपीबीएस) पोस्टल बैलेट का प्रेषण किया गया। 29,005 कार्मिकों को ईडीसी जारी किया गया है। मतदान पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए आयोग के जरिये 14 सामान्य प्रेक्षक, नौ पुलिस प्रेक्षक व 15 व्यय प्रेक्षक भी तैनात किये गये थे। इसके अलावा 2,416 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 327 जोनल मजिस्ट्रेट, 549 स्टैटिक मजिस्ट्रेट व 3,619 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किये गये थे। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से राज्य स्तर पर एक वरिष्ठ सामान्य प्रेक्षक, एक वरिष्ठ पुलिस प्रेक्षक व एक वरिष्ठ व्यय प्रेक्षक भी तैनात किये गये थे।

5वें चरण के मतदान की जानकारी देते मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा।

ईवीएम की सुरक्षा अर्द्ध सैनिक बलों को

चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए पर्याप्त मात्रा में अर्द्ध सैनिक बलों की तैनाती की गई थी। ईवीएम के स्ट्रांग रूम की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी अर्द्ध सैनिक बलों को दी गई है।

250 मतदान केंद्रों पर खराब हुई ईवीएम

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान के दौरान ईवीएम में खराबी, फर्जी मतदान समेत कई शिकायतें प्राप्त हुईं, जिन्हें समय पर निस्तारित कराया गया। ईवीएम खराबी की 250 शिकायतें पाई गईं, जिनका समय पर निस्तारण कराया गया। चुनाव में सभी 28,688 मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथों) के लिए मतदान के लिए आवश्यक ईवीएम व वीवीपैट और अलग-अलग जिलों में पर्याप्त मात्रा में रिजर्व ईवीएम व वीवीपैट की व्यवस्था की गई थी। निर्वाचन क्षेत्रों के मॉक पोल के दौरान कुल 167 बैलेट यूनिट, 268 कंट्रोल यूनिट व 349 वीवीपैट बदले गये। मतदान शुरू होने के बाद शाम बजे तक कुल 67 बैलेट यूनिट, 67 कंट्रोल यूनिट व 238 वीवीपैट बदले गये। विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र लखनऊ पूर्व में मॉक पोल के दौरान बैलेट यूनिट, दो कंट्रोल यूनिट व 11 वीवीपैट बदले गये। मतदान शुरू होने के बाद शाम छह बजे कोई बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट व वीवीपैट बदले नहीं गये।

राजधानी में कई राजनीतिक हस्तियों ने किया मतदान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▸▸ **मुख्य सचिव और पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों ने भी परिवार संग किया मताधिकार का प्रयोग**

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के 5वें चरण में तमाम राजनीतिक हस्तियों समेत शासन के बड़े अधिकारियों ने भी अपने-अपने मताधिकार प्रयोग राजधानी के विभिन्न पोलिंग बूथों पर किया। इनमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री मायावती, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा व सुधांशु त्रिवेदी और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के पुत्र एमएलए पंकज सिंह के अलावा कई आईएएस और आईपीएस अधिकारियों ने अलग-अलग स्थानों पर वोट किया। इनमें कई अकेले वोट डालने आए तो कई परिवार संग निकले।

सोमवार को मताधिकार का प्रयोग करने वाले अधिकारियों में मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री व सूचना संजय प्रसाद, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, सूचना निदेशक शिशिर, डीजीपी प्रशांत कुमार शामिल रहे, जिन्होंने अपने-अपने परिवार के साथ मतदान किया।

इसके अलावा एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश, एएसपी यूपी एसटीएफ विशाल विक्रम सिंह, आईएएस ऋतु सुहास, आईएएस धनंजय शुक्ला, एसीएस नितिन रमेश गोकर्ण, आईएएस अनुज झा, आईएएस राजशेखर, उप्र. विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप दुबे, आईंएएस मनोज कुमार सिंह, विधुत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविन्द कुमार ने अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान करने के बाद इन सभी ने अपने परिवार के साथ में सेल्फी ली और कईयों ने इसे सोशल मीडिया पर भी साझा किया।

छह फार्मासिस्टों की मौतों की जांच की मांग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▸▸ **ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक से मौत पर फेडरेशन चिंतित**

अमृत विचार : सोमवार को गाजीपुर व बुलंदशहर में एक-एक फार्मासिस्ट की हार्ट अटैक से मौत हो गई है। इसी प्रकार बीते पांच दिनों में स्वास्थ्य विभाग में सेवारत छह फार्मासिस्टों की ड्यूटी के दौरान मौत हो चुकी है। आकस्मिक मौतों पर फार्मासिस्ट फेडरेशन उप्र. ने चिंता व्यक्त करते हुए मौत के कारणों की जांच की मांग की है।

बुलंदशहर मालागढ़ के जिला अस्पताल में कार्यरत फार्मासिस्ट सूरज और गाजीपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बाराचवर में तैनात फार्मेसिस्ट 40 वर्षीय वकार शाहिद की दोपहर एक बजे हार्टअटैक से मृत्यु हो गई है। इसके पहले 15 मई को प्रयागराज में सीएचसी हंडिया में तैनात फार्मासिस्ट प्रमोद यादव की अस्पताल जाते समय हृदयाघात से कार में मौत हो गई थी। उसी दिन कौशांबी मंझनपुर में कार्यरत फार्मेसिस्ट सदाशिव सिंह की भी अस्पताल में हार्ट अटैक से मृत्यु हो चुकी है। इसके बाद 17 मई को सिद्धार्थनगर स्थित माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में कार्यरत फार्मासिस्ट बी. नारायण की भी सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। अगले दिन 18 मई को प्रयागराज में ही रामनगर सीएचसी में तैनात फार्मेसिस्ट जय सिंह की अस्पताल में ही हार्ट अटैक पड़ने से मृत्यु हो गई।

> छह फार्मासिस्टों के निधन में केवल एक की मार्ग दुर्घटना से मृत्यु हुई, जबकि अन्य सभी की मृत्यु का कारण अज्ञात है। सभी की उम्र 40 से 52 के मध्य में है। इस प्रकार की आकस्मिक मौतों के कारणों की वजह जानने के लिए शोध होने चाहिए। जारी शोधों को गति प्रदान करने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा बढ़ावा मिलना चाहिये।
>
> -सुनील यादव, अध्यक्ष फार्मासिस्ट फेडरेशन उप्र.

ट्रेन में 5.3 किग्रा अफीम के साथ पकड़ी गई महिला

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के चारबाग रेलवे स्टेशन पर सोमवार को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो प्रवर्तन लखनऊ टीम को त्रिवेणी एक्सप्रेस से एक महिला नशा तस्कर को 5 किलो 300 ग्राम अफीम के साथ पकड़ने में सफलता मिली। महिला तस्कर अफीम को लेकर सप्लाई करने बरेली जा रही थी। चारबाग रेलवे स्टेशन पर जीआरपी के सहयोग से नारकोटिक्स टीम ने गिरफ्तार कर लिया। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में अफीम की कीमत लगभग 53 लाख बताई जा रही है। महिला तस्कर का नाम संगीता देवी है, जो कि रांची झारखंड की मूल रूप से रहने वाली है। महिला तस्कर से अभी अन्य तस्करों के बारे में भी पूछताछ की जा रही है।

बसपा प्रमुख जौनपुर में आज सभा को करेंगी संबोधित

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती मंगलवार को जौनपुर में प्रत्याशी श्याम सिंह यादव के लिए समर्थन जुटाएंगी। चुनावी सभा में पूर्व घोषित प्रत्याशी धनन्जय सिंह की पत्नी श्रीकला से टिकट वापस लेने की वजह भी जनमानस में उपजे अविश्वास को भी खत्म करने का प्रयास करेंगी।

वर्ग पहेली-76

बाएं से दाएं

3. 1. सुरमा, काजल 2. रसांजन।
4. 1. जिसकी आवश्यकता हो 2. जिसकी तलाश हो।
5. 1. नया उपजता हुआ पौधा, एक स्थान से दूसरे स्थान पर रोपने लायक छोटा पौधा
6. 1. रक्त का संचरण करने वाली मोटी नाड़ी 2. महास्नायु 3. मांस तंतुओं के गुच्छे जो मांसपेशियों को हड्डी से जोड़ते हैं।
9. 1. धागे से कपड़ा बनाना 2. सिलाई आदि के द्वारा कपड़े का रूप देना

ऊपर से नीचे

1. 1. जानकार होने की अवस्था, गुण या भाव, भिज्ञता 2. ज्ञान, बोध, समझ 3. सूचना।
2. उल्लू।
3. 1. बेकार, निरर्थक, सारहीन, ऊटपटांग, भद्दा 2. अप्रासंगिक 3. बेतहाशा।
6. 1. कंगाल होने का भाव, दरिद्रता 2. गरीबी, निर्धनता, मुफ़लिसी।
7. सुंदर लगना, सुशोभित होना, अच्छा-भला मालूम होना, उचित लगना।
8. 1. चावल को भूनकर बनाया गया कुरकुरा खाद्य 2. अरवा, मुरमुरा, फरवी।

1 पा	स	■	2 कु	■	■	■
■	■	3 प	ल	टा	ना	■
4 चा	■	■	बु	■	■	5 नि
6 क	ल	क	ला	ना	■	रु
चौ	■	■	ह	■	■	पा
बं	■	7 झों	ट	■	■	धि
द	■	की	■	8 गां	धि	क

सुडोकू-155

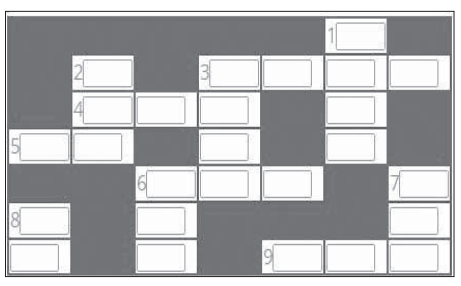

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			3	4	
4	5							
	4	5					7	8
9								5
	1	7					9	6
							6	9
	6	2	3					

सुडोकू-154 का हल

8	1	7	4	6	5	2	9	3
4	2	5	1	9	3	6	7	8
6	3	9	2	7	8	1	5	4
5	9	6	3	2	1	8	4	7
3	7	4	6	8	9	5	1	2
1	8	2	7	5	4	3	6	9
2	5	8	9	4	6	7	3	1
9	6	1	8	3	7	4	2	5
7	4	3	5	1	2	9	8	6

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 मई मंगलवार 2024 संवत-2081, शक संवत 1946 मास-वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-त्रयोदशी 17.39 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

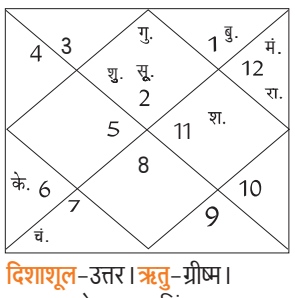

दिशाशूल-उत्तर। **ऋतु**-ग्रीष्म।
चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-चित्रा 05.46 तक तत्पश्चात स्वाती।

मेष — आज आपको अधीर होने से बचना चाहिए। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपका मन कुछ विचलित सा हो सकता है। यदि नौकरी कर रहे हैं तो व्यापार की इच्छा होगी। आपके सामने व्यवसाय को लेकर अच्छे अवसर मिल सकते हैं।

वृष — आज पुराने ऋणों को चुकाने के लिए दिन बहुत अच्छा है, किंतु आप किसी भी तरह के लोन आदि लेने वाली गतिविधि से स्वयं को दूर रखें। व्यवसाय में आय बढ़ने के योग बन रहे हैं। किसी मित्र को लेकर कुछ परेशान हो सकते हैं।

मिथुन — आज नया कार्य शुरू करने में परेशानी का अनुभव कर सकते हैं। आपको लोग आश्वासन देंगे, लेकिन आपकी मदद से पीछे हटेंगे। आप काफी सक्रिय रहेंगे। आपके दिमाग में व्यवसाय को लेकर नए-नए विचार आएंगे।

कर्क — आज पारिवारिक जीवन को समय अवश्य दें। अधिकारियों के बीच अपनी छवि का ध्यान रखें। ऐसा कोई कार्य न करें जिसके परिणाम भविष्य में खराब होंगे जिनके प्रति आप श्रद्धा भाव रखते हैं, वे आपको गलत सलाह दे सकते हैं।

सिंह — आज आप कई तरह के उत्सवों में सम्मिलित हो सकते हैं। शोध कार्यों से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता मिल सकती है। आपको ऐसे कार्यों से बचना चाहिए जिसके बारे में आपके पास कम जानकारी है। आप लोगों के बीच काफी सक्रिय रहेंगे।

कन्या — आज का दिन सामान्य फलदायक रहेगा। धन की कमी से कुछ काम रुक सकते हैं, जो लोग किराए पर रहते हैं, वे अपने लिए घर खरीदने की योजना बना सकते हैं। अधिकारियों के व्यवहार को लेकर सावधान रहें।

तुला — आज नई जॉब के आवेदन के लिए समय उत्तम है। व्यवसाय में आप बदलाव करने को लेकर काफी उत्सुक रहेंगे। सहकर्मियों के ऊपर आपका प्रभाव काफी ज्यादा बढ़ सकता है। आप लोगों की मदद काफी सोच-समझकर ही करें।

वृश्चिक — आज कमीशन संबंधी कार्यों में नुकसान हो सकता है। मन पुरानी बातों को लेकर अशांत रहेगा। यदि किसी स्वास्थ्य समस्या से ग्रसित हैं तो आपको कुछ सावधान रहना चाहिए। चिकित्सीय कार्यों में धन खर्च होगा।

धनु — आज हृदय रोगियों को स्वास्थ्य लाभ हो सकता है। किसी सामाजिक सभा में आप सम्मिलित हो सकते हैं। अटका हुआ धन मिलने के योग बन रहे हैं। विवाह संबंधी चर्चाओं के लिए दिन शुभ है। संपत्ति को लेकर विवादों को आप अपने पक्ष में कर लेंगे।

मकर — आज सहकर्मी आपसे बहुत प्रसन्न रहेगे। राजनेताओं के लिए दिन शुभ है। प्रेमीजन को विवाह का प्रस्ताव दे सकते हैं। आपके वर्चस्व में वृद्धि होगी। आप अपनी गलतियों का मूल्यांकन करें। इससे आप काफी सारी समस्याओं को सुलझा सकेंगे।

कुंभ — आज बड़ी आर्थिक गतिविधियों के लिए दिन शुभ नहीं है। कानूनी मामलों को लेकर सावधानी रखें। आपको अपने दस्तावेजों को काफी संभाल कर रखना चाहिए। कुछ लोग आपके काम में बाधा डालने का प्रयास करेंगे।

मीन — आज आपको ऐसे अवसर मिलेंगे जहां आपको दो में से किसी एक को चुनना होगा। नया कारोबार शुरू करने से पहले अपने शुभचिंतकों से विमर्श कर लें। आपको काफी शांत रहना चाहिए। तभी आप परिस्थितियों के अनुसार निर्णय ले पाएंगे।

आज की फिल्में

B4U MOVIES: शिव शक्ति — सुबह : 11.02; जुआरी — शाम : 04.25

&pictures: मास — सुबह : 08.13; हॉलीडे — दोपहर : 02.01

वंडर वुमन — सुबह : 11.11; द इंट्रूडर — रात : 09.00

ZEE CINEMA: सागर — सुबह : 09.50; हमारी अधुरी कहानी — रात : 07.50

colors CINEPLEX: पहेली — सुबह : 11.33; देवदास — शाम : 05.58

आज की सुपरहिट फिल्म

एंड पिक्चर्स पर दोपहर : 02.01 बजे

जोक्स ऑफ द डे

प्रपोजल के रिजेक्शन पर पप्पू का मजेदार जवाब।
पप्पू (लड़की को प्रपोज करते हुए)- मुझसे प्यार करोगी
लड़की- शक्ल देखी है अपनी, तुझसे प्यार करने से तो बेहतर है मैं सुसाइड कर लूं।
पप्पू- कमबख्त मर जाएगी पर किसी के काम नहीं आएगी।
पप्पू का जवाब सुनकर लड़की सन्न रह गई।

मरीज- डॉक्टर साहब मुझे बीमारी है खाने के बाद भूख नहीं लगती, सोने के बाद नींद नहीं आती। काम करूं तो थक जाता हूं।
डॉक्टर- सारी रात धुप में बैठो ठीक हो जाओगे।

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 995 फ्लैग 1105 डीएमओ 880 बोल्ड 1155, **सम्भल-चन्दौसी**-शिवालिक 995 फ्लैग 1100 बोल्ड 1130 डीएमओ 880।

कानपुर मंडी

अनाज (प्रति क्वि.)-	
गेहूंदड़ा	2350-2500
आरआर 21	2550-2600
गेहूंफ़ारम	2600-2700
जौ	2000 -2100
ज्वार	2000 -4000
बाजरा	2100-2150
मकाई	2200 -2400
दलहन (प्रति क्वि.)	
लोकल	मिल डिलीवरी
चना	5900 -6000
अरहर	9000 -10000
मसूर	5500 -5600
मटर	3700 -4000
उड़दहरा	10000 -11000
उड़दकाला	6000 -8000
मूंग	8500 -8800
दाल (प्रति क्वि.)	
अरहरफूल	15700-15800
अरहरस्पेशल1	13500-13600
चनादाल	7200-7300
मटरदाल	4850-4950
मसूरमलका	7100-7150
मसूरदाल	7300-7350
उड़द्दाल	9000- 13000
उड़द धोवा	10000- 13000
मूँगदाल	9500 -10500
मूँग धोवा	10000-11500
चावल (प्रति क्वि.)	
अरवा	2000 - 2300
बासमती नं.1	8500 - 10000
सेला	2500 - 3000
बासमती नं.2	6500 - 7500
आटा-मैदा (प्रति 50 किग्रा.)	
आटा	1380-1430
मैदा	1350-1400
सूजी	1410-1430
चक्कीआटा (ब्राण्डेड 50 किग्रा.)	
शाहपसंद	1325-1350
तिलहन (प्रति क्वि.)	
लाही	4900-5000
अलसी	4500 -4600 रुपये।

मार्च में रियल्टी धारणा सूचकांक में आया सुधार

नाइट फ्रैंक और नारेडको के अनुसार 6 माह के लिए है सकारात्मक परिदृश्य

नई दिल्ली, एजेंसी

जमीन-जायदाद के कारोबार से जुड़ी कंपनियां और वित्तीय संस्थान भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में वृद्धि को लेकर उत्साहित हैं। जनवरी-मार्च तिमाही में धारणा सूचकांक बेहतर होने के साथ अगले छह महीनों को लेकर खासी उम्मीदें लगी हुई हैं। एक रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया गया है।

रियल एस्टेट परामर्शदाता नाइट फ्रैंक और उद्योग निकाय नारेडको की सोमवार को जारी एक संयुक्त रिपोर्ट के मुताबिक, उच्च आर्थिक वृद्धि और मजबूत संपत्ति की मांग उनकी धारणाओं में सुधार के प्रमुख कारक हैं। रियल एस्टेट धारणा सूचकांक (जनवरी-मार्च) रिपोर्ट आपूर्ति पक्ष के हितधारकों के बीच कराए गए एक सर्वेक्षण पर आधारित है। यह दर्शाती है कि उद्योग के आपूर्ति पक्ष के बीच बाजार के भरोसे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। मौजूदा धारणा सूचकांक अक्टूबर-दिसंबर, 2023 की तिमाही में 69 था लेकिन मार्च तिमाही में यह सुधरकर 72 हो गया। भविष्य की धारणा का सूचकांक भी बीती तिमाही में बढ़कर 73 हो गया जबकि दिसंबर तिमाही में यह 70 था। सलाहकार फर्म ने कहा-यह सकारात्मक वृद्धि पथ भारतीय अर्थव्यवस्था के संबंध में हितधारकों के निरंतर आशावाद और रियल एस्टेट बाजार में स्थायी मांग को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, आवासीय बाजार का दृष्टिकोण विशेष रूप से आशाजनक है।

रियल एस्टेट मामलों के प्रभावी दिवाला समाधान के लिए कानूनी सुधार जरूरी

दिवाला कानून के तहत रियल एस्टेट मामलों के समाधान में अधिक दक्षता सुनिश्चित करने के लिए कानूनी और प्रशासनिक सुधारों की जरूरत है। एक अध्ययन रिपोर्ट में यह सुझाव दिया गया है। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इन्सॉल्वेंसी प्रोफेशनल्स ऑफ आईसीएआई (आईआईआईपीआई) ने इस रिपोर्ट में कहा है कि परियोजनाओं को पूरा करने और घर खरीदारों को आवंटन पर हरसंभव ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही प्रक्रियात्मक और समन्वय संबंधी मुद्दों को अनुमति नहीं देने का सुझाव भी दिया है। ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता (आईबीसी) कर्ज में फंसी संपत्तियों के समयबद्ध समाधान का प्रावधान करती है। रियल एस्टेट मामलों के समाधानों में सुधार और नियामक रेरा के साथ समन्वय' पर गठित अध्ययन समूह ने आईबीसी और रियल एस्टेट विनियमन एवं विकास अधिनियम (रेरा) के तहत कानूनी और साथ ही व्यावहारिक पहलुओं में कुछ महत्वपूर्ण कमियों को चिह्नित किया है। संस्थान ने एक बयान में कहा कि आईबीसी के तहत रियल एस्टेट मामलों को सुलझाने में अधिक प्रभावकारिता के लिए कानूनी और प्रशासनिक सुधारों की जरूरत है।

रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस मामले में 2.5 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने वित्त वर्ष 2018-19 में रिलायंस कमर्शियल में पेशेवर कदाचार और ऑडिटिंग (अंकेक्षण) खामियों के लिए दो लेखाकारों (ऑडिटर) पर कुल 2.5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। नियामक ने श्रीधर एंड एसोसिएट्स पर दो करोड़ रुपये और अजय वस्तानी पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा, नियामक ने वस्तानी को किसी भी कंपनी या निकाय के कार्यों और गतिविधियों के वित्तीय विवरणों या आंतरिक ऑडिट के संबंध में कोई भी ऑडिट करने से पांच साल के लिए रोक दिया है। यह आदेश ऐसे समय आया है जब कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने एनएफआरए को सूचित किया कि पीडब्ल्यू ने कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत मंत्रालय को एक रिपोर्ट दायर की थी।

फोनपे ने श्रीलंका में यूपीआई को बढ़ावा देने के लिए की साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी

फोनपे ने लंकापे के सहयोग से श्रीलंका में सभी लंका क्यूआर मर्चेंट पॉइंट पर यूपीआई पेमेंट प्राप्त करने की सुविधा शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि कोलंबो में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा की मौजूदगी में यह घोषणा की गई और झा ने भारत और श्रीलंका के संबंधों तथा अधिक मजबूत बनाने में फिनटेक कनेक्टिविटी की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला।

सभा को संबोधित करते हुए सेंट्रल बैंक ऑफ़ श्रीलंका के गवर्नर डॉ. नंदलाल वीरसिंघे ने कहा कि इस सहयोग से श्रीलंका के मर्चेंट के लिए नए अवसर खुलेंगे और उनके बिजनेस को बढ़ाने में मदद मिलेगा। लंकापे के सीईओ चन्ना डी सिल्वा और फोनपे के इंटरनेशनल पेमेंट के सीईओ रितेश पई ने भी संबोधित किया। उन्होंने बताया कि यूपीआई का इस्तेमाल दुनियाभर के बाज़ारों में कैसे किया जा सकता है और इससे मर्चेंट को किस तरह फायदा हो सकता है। फोनपे ने घोषणा की कि उसके ऐप यूज़र अब श्रीलंका की यात्रा करते समय पूरे देश में लंकापे क्यूआर वाले मर्चेंट को यूपीआई का उपयोग करके पेमेंट कर सकते हैं। यूज़र कैश ले जाने या करंसी कन्वर्शन को कैलकुलेट किए बिना, सुरक्षित और तुरंत पेमेंट करने के लिए लंका क्यूआर कोड स्कैन कर सकते हैं। उनके अकाउंट से भारतीय रुपये में राशि डेबिट की जाएगी, जिसमें करंसी एक्सचेंज रेट दिखाया जाएगा। इन ट्रांज़ैक्शन की सुविधा यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) और लंकापे नेशनल पेमेंट नेटवर्क के ज़रिए दी गई है।

सर्राफा

कानपुर	
चाँदी 999 (प्रति किलो)	84,800
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	85,000
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	90,000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	73,500
गिन्नी (प्रति नग)	54,800-55,000
लखनऊ	
सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	71,450
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	71,300
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	82,500
चांदी तैयार	82,600
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80, 000
बरेली	
सोना जेवरात पक्के	71,000
सोना जेवरात गिन्नी	70,000
चांदी पक्की	815 (अनुमानित)
मुरादाबाद	
सोना 24 कैरेट	71,550
चांदी आभूषण	82,600।

सरकार ने वाहनों की गति मापने वाले उपकरण के लिए लोगों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली, एजेंसी

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने सड़कों पर वाहनों की गति मापने में उपयोग होने वाले माइक्रोवेव डॉपलर रडार उपकरण के लिए नियमों के मसौदे पर लोगों से सुझाव मांगे हैं।

मंत्रालय ने इस बारे में एक परिपत्र जारी किया है। नियमों के मसौदे में कहा गया है कि अंतिम रूप से नियम अधिसूचित होने के बाद स्थापित रडार उपकरणों को एक वर्ष के भीतर सत्यापित करने की जरूरत होगी। लोगों को इस बारे में 11 जून तक सुझाव देने को कहा गया है। मंत्रालय ने कहा है कि फिर से प्रमाणन की जरूरत होने पर मौजूदा स्थापित उपकरणों को भी सत्यापित किया जाना चाहिए। ऐसे रडार उपकरण जो पहले से लगे हैं और जिनका फिर से सत्यापन होना है अथवा अगले वर्ष के भीतर होना है, उन्हें नए नियम लागू होने के एक वर्ष के भीतर सत्यापित किया जाना चाहिए और मुहर लगाई जानी चाहिए। यदि गति माप परिणामों का उपयोग कानूनी कार्यवाही में किया जाना है, नियम के तहत जो भी शर्तें निर्धारित होती हैं, उन्हें रडार उपकरण को पूरा करना होगा।

उबर को दिल्ली में बस चलाने के लिए मिला लाइसेंस

नई दिल्ली। ऐप आधारित ऑनलाइन कैब बुकिंग सेवा देने वाली कंपनी उबर को दिल्ली परिवहन विभाग से सरकार की प्रीमियम बस योजना के तहत राष्ट्रीय राजधानी में बसें संचालित करने के लिए एग्रीगेटर लाइसेंस प्राप्त हुआ है। एग्रीगेटर से आशय कारोबारी मॉडल से है। यह एक नेटवर्क मॉडल होता है जिसके तहत सेवा प्रदाताओं और सेवा लेने वालों को एक मंच पर जोड़ा जाता है। कंपनी ने कहा कि दिल्ली बस संचालन के लिए लाइसेंस देने वाला पहला राज्य बन गया है। वहीं उबर दिल्ली प्रीमियम बस योजना के तहत पहली एग्रीगेटर बन गई है।

बिजली की अधिकतम मांग 235 गीगावॉट के करीब पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

- **पारा चढ़ने के साथ एसी और कूलर का बढ़ गया उपयोग**

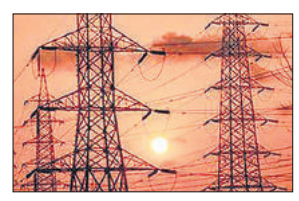

देश में पारा चढ़ने के साथ बिजली की अधिकतम मांग मई में 235 गीगावॉट के आसपास बनी हुई है। गर्मी बढ़ने और लू चलने के साथ मुख्य रूप से बड़े पैमाने पर एयर कंडीशनर और कूलर के उपयोग के कारण बिजली की मांग बढ़ी है।

बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, बिजली की अधिकतम मांग छह मई को दिन में 233 गीगावॉट (एक गीगावॉटबराबर 1,000 मेगावॉट) पर पहुंच गई। एक साल पहले इस दौरान यह 221.42 गीगावॉट थी। मंत्रालय ने महीने की शुरुआत में अनुमान लगाया था कि मई में दिन के दौरान बिजली की मांग 235 गीगावॉट और शाम के समय 225 गीगावॉट तक पहुंच जाएगी। वहीं जून, 2024 में दिन के दौरान इसके 240 गीगावॉट और शाम के समय 235 गीगावॉटरहने की संभावना है। पिछले सप्ताह, 18 मई को बिजली की अधिकतम मांग 229.57 गीगावॉट तक पहुंच गई, जबकि 15, 16 और 17 मई को यह लगभग 226 गीगावॉट थी। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि मई में गर्मी बढ़ने के कारण बिजली की मांग और बढ़ेगी। इसका कारण गर्मी से राहत दिलाने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून के एक जून को केरल तट पर पहुंचने की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम मानसून लगभग पूरे देश में फैलते हुए जून के अंत तक दिल्ली पहुंचता है। इससे बिजली की मांग अगले महीने भी अधिक रहने का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने इस साल मार्च में अनुमान लगाया था कि अलनीनो की स्थिति कम से कम मई तक जारी रहने से अधिक गर्मी और लू वाले दिन होंगे।

राष्ट्रीय

दक्षिण भारत में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी भाजपा: मोदी

भुवनेश्वर में बोले प्रधानमंत्री, 4 जून को जब चुनाव परिणाम आएंगे तो राजग 400 से अधिक सीट जीतेगा

भुवनेश्वर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को पुरी में लोकसभा चुनाव के लिए रोड शो के दौरान लोगों का अभिवादन करते हुए। ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्वास जताया है कि भाजपा दक्षिण भारत में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी और चार जून को जब चुनाव परिणाम आएंगे तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 400 से अधिक लोकसभा सीट जीतेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार रात एक साक्षात्कार में कहा-पूरे देश के लिए हमारी रणनीति एक समान है। फिर एक बार मोदी सरकार और चार जून को 400 पार। उन्होंने कहा कि उनके प्रतिद्वंद्वियों ने एक मिथक पैदा किया है कि भाजपा दक्षिणी राज्यों में कोई ताकत नहीं है या वहां उसकी मौजूदगी नहीं है।

उन्होंने कहा-2019 के चुनाव को देखिए। तब भी दक्षिण भारत में सबसे बड़ी पार्टी भाजपा ही थी। एक बार फिर, मैं यह कहता हूं कि इस बार दक्षिण में सबसे बड़ी पार्टी भाजपा होगी तथा उसके सहयोगियों को और अधिक सीटें मिलेंगी। मोदी ने कहा-हम दक्षिण भारत में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेंगे और पिछली बार से भी अधिक अंतर से जीतेंगे। उन्होंने बताया-हमने पहले ही लोगों की सोच में बदलाव देखा है। हम दक्षिण क्षेत्र में अपनी सीटों की संख्या और मत प्रतिशत में भी बड़ी वृद्धि देखेंगे।

रोड शो शुरू करते ही मोदी-मोदी के नारों से गूंज उठा माहौल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोमवार को श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद निकल कर लगभग सौ मीटर चलकर मारीचिकोट चौराहे पर अपना रोड शो शुरू करने पहुंचते ही इस तीर्थनगरी में ग्रैंड रोड की हवा मोदी-मोदी के नारों से गुंजायमान हो उठी। नरेंद्र मोदी भारतीय जनता पार्टी राज्य इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल, पुरी लोकसभा उम्मीदवार संबित पात्रा तथा री विधायक उम्मीदवार जयंत शारंगी के साथ एक सजे हुए वाहन पर खड़े थे।

अल्पसंख्यकों के खिलाफ कभी एक शब्द भी नहीं बोला: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि उन्होंने अल्पसंख्यकों के खिलाफ कभी एक शब्द भी नहीं बोला और भाजपा केवल आज ही नहीं, बल्कि कभी भी अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं रही है। प्रधानमंत्री ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह किसी को भी खास नागरिक के तौर पर स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। मोदी ने रविवार रात साक्षात्कार में ये बातें कहीं। प्रधानमंत्री की टिप्पणियों को अल्पसंख्यकों को लेकर अब तक का सबसे स्पष्ट बयान माना जा रहा है।

मप्र में पति ने डाक से पत्र भेजकर पत्नी को तीन तलाक दिया, मामला दर्ज

रतलाम (मप्र)। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में अपनी पत्नी को डाक से तीन पत्र भेजकर कथित तौर पर तीन तलाक देने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। आलोट थाने के प्रधान आरक्षक अनिल भावसन ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने रविवार को उज्जैन जिले के घोसला निवासी ईशान सतानिया के खिलाफ मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के तहत मामला दर्ज किया है। शिकायत का हवाला देते हुए अधिकारी ने कहा कि जोड़े ने नवंबर 2020 में शादी की और इसके तुरंत बाद महिला के ससुराल वालों ने उसे दहेज के लिए परेशान करना शुरू कर दिया था।

देशभर में बदलाव की चल रही है आंधी: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण का मतदान आरंभ होने के बाद सोमवार को कहा कि जनता विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस ('इंडिया') के साथ मिलकर खुद यह चुनाव लड़ रही है और देशभर में बदलाव की आंधी चल रही है। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में आज 49 सीट पर मतदान हो रहा है। इसमें रायबरेली लोकसभा क्षेत्र भी शामिल है जहां से राहुल गांधी खुद कांग्रेस के उम्मीदवार हैं।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, आज लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण का मतदान है। पहले चार चरणों में ही यह साफ हो गया है कि जनता संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए खड़ी हो गई है और भाजपा को हरा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि नफरत की राजनीति से ऊब चुका यह देश अब अपने मुद्दों पर वोट कर रहा है। राहुल गांधी ने कहा-युवा नौकरी के लिए, किसान एमएसपी और कर्ज से मुक्ति के लिए, महिलाएं आर्थिक निर्भरता और सुरक्षा के लिए तथा मज़दूर वाजिब मेहनताने के लिए और देश में बदलाव लाने के लिए मतदान करने को आगे आया है।

एक नजर

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से एक की मौत

पुडुकोट्टई। तमिलनाडु के पुडुकोट्टई जिले के अथिपल्लम गांव में सोमवार को एक पटाखा फैक्टी में आग लग जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि आग संभवत: वेल्डिंग की चिंगारी के कारण लगी। दुर्घटना में जिस व्यक्ति की मौत हुई उसकी पहचान कार्तिक के रुप में की गई है। एक अन्य कर्मचारी को पास के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अग्निशमन और बचाव सेवा के कर्मियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

बिहार में गंगा में डूबने से पांच लोगों की मौत

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले में सोमवार को पांच युवक गंगा नदी में डूब गये जिनमें से सभी की उम्र 17 से 20 साल के बीच थी। चकिया थाना अध्यक्ष नीरज कुमार चौधरी के अनुसार घटना सिमरिया घाट पर हुई जहां पास के गांव के निवासी मुंडन समारोह के बाद स्नान के लिए आए थे। इन लोगों के तेज धारा में बह जाने के बाद गोताखोरों की मदद से पांच लोग के शव बरामद कर लिए गए हैं।

खुली जेलों के दायरे को कम करने का कोई प्रयास नहीं किया जाए

नई दिल्ली, एजेंसी

- **उच्चतम न्यायालय ने निर्देश देते हुए की टिप्पणी**

उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया है कि देश में कार्यरत खुली जेलों के दायरे को कम करने का कोई प्रयास नहीं किया जाना चाहिए। अर्ध-खुली या खुली जेल व्यवस्था के तहत दोषियों को आजीविका कमाने के लिए दिन के दौरान परिसर से बाहर काम करने और शाम को वापस लौटने की अनुमति दी जाती है। इस अवधारणा को दोषियों को समाज के साथ आत्मसात करने और मनोवैज्ञानिक दबाव को कम करने के लिए पेश किया गया था क्योंकि उन्हें बाहर सामान्य जीवन जीने में कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ता है।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने उल्लेख किया कि जेलों और कैदियों से संबंधित मामले में न्याय मित्र के रूप में सहायता कर रहे वकील के. परमेश्वर ने कहा है कि केंद्र द्वारा एक आदर्श मसौदा नियमावली तैयार की गई है जिसमें खुले शिविरों/संस्थाओं/जेलों का नाम 'खुले सुधारात्मक संस्थान' किया गया है। पीठ ने 17 मई को पारित अपने आदेश में कहा-हम (केंद्रीय) गृह मंत्रालय को आदर्श जेल नियमावली, 2016 और आदर्श कारागार एवं सुधार सेवा अधिनियम, 2023 के आने के बाद खुले सुधार संस्थानों के संबंध में हाल के घटनाक्रमों पर एक स्थिति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश देते हैं। पीठ ने कहा कि उसे सूचित किया गया है कि जयपुर में सांगानेर खुले शिविर का क्षेत्र कम करने का प्रस्ताव है। इसने कहा-हम निर्देश देते हैं कि संबंधित स्थलों पर कार्यरत खुले शिविरों/संस्थानों/जेलों के क्षेत्र में कटौती का कोई प्रयास नहीं किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने राजस्थान, महाराष्ट्र, केरल और पश्चिम बंगाल को निर्देश दिया कि वे खुले सुधार संस्थानों की स्थापना, विस्तार और प्रबंधन पर अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं, लागू नियमों, दिशानिर्देशों और अनुभव को राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (नालसा) के साथ साझा करें। संबंधित राज्यों में ऐसी संस्थाएं बेहतर कार्य कर रही हैं। पीठ ने मामले को जुलाई के दूसरे सप्ताह में आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

ईडी ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी

- **दो जून को आत्मसमर्पण के बाद के लिए किया आवेदन**

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में दो जून को आत्मसमर्पण करने के बाद उनकी न्यायिक हिरासत बढ़ाने की सोमवार को मांग की।

ईडी ने विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष आवेदन दायर कर दो जून को आत्मसमर्पण करने पर केजरीवाल के लिए 14 दिन की न्यायिक हिरासत की मांग की और दावा किया कि उन्हें पहले दी गई न्यायिक हिरासत की अवधि सोमवार को समाप्त हो रही है। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद केजरीवाल एक जून तक अंतरिम जमानत पर हैं। शीर्ष अदालत ने उन्हें दो जून को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। इस बीच, ईडी ने अदालत को बताया कि केजरीवाल और सह-अभियुक्त, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता के खिलाफ मामले में मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। ईडी ने दोनों राजनीतिक नेताओं के खिलाफ दायर अपने पूरक आरोप पत्रों के समर्थन में यह दलील दीं। न्यायाधीश आरोप पत्र पर संज्ञान लेने के बिंदु पर मंगलवार को भी ईडी की दलीलें सुनना जारी रखेंगी।

यौन उत्पीड़न मामले में रेवन्ना की जमानत मंजूर

बेंगलुरू। कर्नाटक में बेंगलुरु की एक अदालत ने हाई-प्रोफाइल यौन उत्पीड़न मामले में जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) विधायक एवं राज्य के पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना की जमानत याचिका को सोमवार को मंजूरी दे दी।जद-एस नेता को पहले 42वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट से अंतरिम राहत मिली थी। आज के सत्र में, न्यायाधीश जे. प्रीत ने एसआईटी की ओर से उठायी गई आपत्तियों के बावजूद उनकी जमानत याचिका को मंजूरी देने का फैसला किया। होलेनरसीपुरा टाउन थाने में दर्ज मामले में श्री रेवन्ना और उनके बेटे, हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर सहायिका के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है।

भारत सेवाश्रम संघ पर टिप्पणी करने के लिए संत ने ममता बनर्जी को भेजा नोटिस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद स्थित भारत सेवाश्रम संघ के स्वामी प्रदीप्तानंद महाराज ने सोमवार को कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक कानूनी नोटिस भेजा है। महाराज ने संगठन के बारे में कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए ममता से मांफी मांगने को भी कहा है। ममता को कानूनी नोटिस भेजने की पुष्टि करते हुए स्वामी प्रदीप्तानंद महाराज ने कहा-अगर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी निजी तौर पर मुझे अपमानित करतीं तो मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता। एक आध्यात्मिक गुरु होने के नाते हम निजी आलोचना से प्रभावित नहीं होते क्योंकि हम यहां लोगों की सेवा के लिए हैं। लेकिन उन्होंने (ममता ने) संगठन को अपमानित किया है, जो अस्वीकार्य है।

केजरीवाल के विरूद्ध दीवार लेखन के पीछे भाजपा का हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

- **आप नेता आतिशी ने साजिश रचने का लगाया आरोप**

आम आदमी पार्टी ने सोमवार को आरोप लगाया कि दिल्ली में मेट्रो ट्रेन के अंदर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के विरूद्ध जो दीवार लेखन किया गया है उसके पीछे भाजपा का हाथ है। पार्टी ने निर्वाचन आयोग से इस मुद्दे पर चर्चा करने और ज्ञापन देने के लिए के लिए ई-मेल भेजकर समय मांगा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्होंने इस मामले का संज्ञान लिया और इसकी जांच की जा रही है।

आप नेता आतिशी ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा इस बात से घबरा गई है कि वह दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीट हारने वाली है, इसलिए वह अलग-अलग तरह की साजिश रचकर केजरीवाल को निशाना बना रही है। आतिशी ने आरोप लगाया-उन्होंने मुख्यमंत्री केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार कराया और फिर जब वह तिहाड़ जेल के अंदर बंद थे तो 15 दिनों तक उन्हें इंसुलिन नहीं दिया गया, जिसके बाद हमें अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा। अब वह जेल से बाहर आ गए तो उन्हें निशाना बनाने के लिए स्वाति मालीवाल का इस्तेमाल किया गया, लेकिन भाजपा की यह साजिश भी सफल न हो सकी क्योंकि वीडियो से यह स्पष्ट हो गया कि आप की राज्यसभा सदस्य पर हमले के आरोप झूठे हैं। उन्होंने दावा किया-अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जान को खतरा है।

केजरीवाल पर हमला करा सकती है आप: भाजपा

वहीं भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने पुलिस और निर्वाचन आयोग से मुख्यमंत्री केजरीवाल की सुरक्षा को दोगुनी करने की अपील की है। इसी के साथ उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी पार्टी दिल्ली में 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले जनता की सहानुभूति हासिल करने के लिए उन पर हमला करा सकती है। सचदेवा ने कहा कि आप मुख्यमंत्री आवास के अंदर राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल पर हुए हमले से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा-केजरीवाल से मेरा एक ही सवाल है कि वह अपने घर में मालीवाल के साथ हुई मारपीट की घटना पर कब अपनी चुप्पी तोड़ेंगे? दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए निर्वाचन आयोग से समय मांगा है।

दुनिया के सबसे कट्टर नेता माने जाते थे इब्राहिम रईसी

ईरान आंतरिक असंतोष और दुनिया के कई देशों के साथ अपने संबंधों को लेकर कर रहा संघर्ष

दुबई, एजेंसी

ईरान-इराक युद्ध के अंत में 1988 में हजारों राजनीतिक कैदियों को सामूहिक फांसी दिए जाने में शामिल रहे ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी दुनिया के सबसे कट्टर नेता के रूप में जाने जाते थे।

राष्ट्रपति रईसी के नेतृत्व में ईरान ने हथियार बनाने के आवश्यक स्तर तक यूरेनियम संवर्धन किया एवं देश ने इजराइल पर बड़े पैमाने पर ड्रोन एवं मिसाइल हमले किए। उत्तर-पश्चिमी ईरान में रविवार को हेलीकॉप्टर दुर्घटना में रईसी के साथ ईरान के विदेश मंत्री और अन्य अधिकारियों की ऐसे समय में अचानक मौत हो गई जब ईरान आंतरिक असंतोष और दुनिया के कई देशों के साथ अपने संबंधों को लेकर संघर्ष कर रहा है।

रईसी ने एक बार संयुक्त राष्ट्र में दुनिया को संबोधित करने से पहले इस्लाम

इब्राहिम रईसी का फाइल फोटो।

में पवित्र मानी जाने वाली पुस्तक कुरान को चूमा था और एक नेता के बजाय एक उपदेशक की तरह अपनी बात रखी थी। रईसी 2017 में अपेक्षाकृत उदारवादी नेता हसन रूहानी के हाथों राष्ट्रपति चुनाव हार गए थे, लेकिन चार साल बाद वह सत्ता में आए। इस चुनाव में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने बहुत सोच-समझकर मतदान का प्रबंधन किया ताकि रईसी के खिलाफ कोई बड़ा उम्मीदवार खड़ा नहीं हो सके। रईसी ऐसे समय में राष्ट्रपति बने, जब वैश्विक शक्तियों और रूहानी के बीच हुआ परमाणु समझौता अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पीछे हटने के कारण असफल हो गया था। ट्रंप के इस कदम के कारण ईरान और अमेरिका के बीच नए सिरे से तनाव पैदा हो गया। भले ही रईसी ने समझौते में फिर से शामिल होने की इच्छा जताई लेकिन उनका प्रशासन अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण से बचता रहा।

हिजाब का विरोध करने वालों पर की थी सख्त कार्रवाई

रईसी हिजाब का विरोध करने वालों के खिलाफ थे। हिजाब नहीं पहनने के कारण हिरासत में ली गई महसा अमीनी की मौत के बाद 2022 में देशभर में व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे। रईसी के कार्यकाल में प्रदर्शनकारियों पर महीनों चली कार्रवाई में 500 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और 22,000 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया था। संयुक्त राष्ट्र की एक जांच समिति ने बाद में पाया था कि ईरानी अधिकारियों द्वारा की गई शारीरिक हिंसा के कारण अमीनी की मौत हुई थी।

राकेट हमले कर इजराइल को बनाया था निशाना

इसके बाद 2023 में इजराइल और हमास के बीच युद्ध हुआ जिसमें ईरान समर्थित मिलिशिया ने इजराइल को निशाना बनाया। तेहरान ने अप्रैल में इजराइल पर एक असाधारण हमला किया, जिसमें सैकड़ों ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइल दागी गईं। हालांकि इजराइल, अमेरिका और उसके सहयोगियों ने इनमें से अधिकतर मिसाइलों को मार गिराया था।

आयुष्मान भारत योजना ने बदल दी छह साल पुरानी कहानी, समझिए पूरी पिक्चर

साल 2018 में केंद्र सरकार ने गरीब परिवारों के इलाज के लिए जिस आयुष्मान भारत-पीएम जन आरोग्य योजना को लॉन्च किया था, उस योजना ने अब एक नया रिकॉर्ड बना दिया है। दरअसल, इस योजना के लाभार्थियों में महिलाओं की संख्या बढ़कर 48 फीसदी हो गई है। पिछले 6 सालों में आयुष्मान भारत के तहत अस्पताल में भर्ती होकर अपना इलाज करने वाले लोगों का आंकड़ा 6.5 करोड़ है, जिसमें से 3.2 करोड़ महिलाएं हैं। योजना के तहत सरकार ने 6 सालों में इलाज पर कुल 81,979 करोड़ रुपए खर्च किए और इनमें से महिला लाभार्थियों पर खर्च होने वाली रकम 39,349 करोड़ रुपए है। आयुष्मान को लागू करने वाली एजेंसी नेशनल हेल्थ अथॉरिटी से जुड़े अधिकारियों ने ये आंकड़े दिए हैं और बताया कि देश के 8 राज्य ऐसे हैं, जहां महिला लाभार्थियों की संख्या पुरुषों से ज्यादा रही है।

एसे मिलता है योजना का लाभ?

इस योजना का लाभ उठाने के लिए चार शर्तें हैं। पहली- आपकी सालाना इनकम 2 .5 लाख रुपए से कम होनी चाहिए। दूसरी- परिवार में 16 साल से ऊपर का कोई भी अन्य कमाने वाला सदस्य ना हो। तीसरी- अगर आप एससी या एसटी कैटेगरी से हैं तो इस योजना के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

क्या है आयुष्मान भारत-पीएम जन आरोग्य योजना

आयुष्मान भारत-पीएम जन आरोग्य योजना के तहत गरीब वर्ग के परिवारों को 5 लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाता है। इसके तहत अभी तक 32 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत कार्ड जारी किए जा चुके हैं। हालांकि, योजना के लॉन्च होने के बाद शुरुआती दो सालों में केवल 10 करोड़ आयुष्मान भारत कार्ड ही जारी हो पाए थे। बाद में जब इस काम में आशा कर्मियों को शामिल किया गया तो पिछले दो सालों के भीतर ही सरकार ने 20 करोड़ कार्ड जारी कर दिए।

एक नजर

लाई चिंग ते ने ताइवान के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली

ताइवान। लाई चिंग ते ने सोमवार को ताइवान के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण की। चिंग ते ने कहा कि द्वीपीय राष्ट्र चीन के खिलाफ अपनी सुरक्षा को मजबूत करने की कोशिश जारी रखेगा और स्वशासित लोकतंत्र की वास्तविक स्वतंत्रता की नीति को बरकरार रखेगा। चीन ताइवान पर अपना दावा करता है और जरूरत पड़ने पर बलपूर्वक इस पर नियंत्रण हासिल करने की बात कह चुका है।

बारिश से प्रभावित ऊटी में आठ पर्यटकों को बचाया

उधगमंडलम। तमिलनाडु के ऊटी में राज्य पर्यटन बोट हाउस के पास बारिश के पानी में फंसे वाहन से आठ पर्यटकों को अग्निशमन और बचाव सेवा कर्मियों ने सोमवार को बचा लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ऊटी दमकल स्टेशन के अधिकारी प्रेमकुमार ने बताया कि यहां बस स्टैंड के पास बोट हाउस के पास आंशिक रूप से डूबे एक वाहन को देखकर कुछ स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग को इस बारे में सूचित किया। इसके बाद विभाग के कर्मचारी तुरंत वहां पहुंचे और वाहन में फंसे सभी आठ लोगों को बाहर निकाला।

जुमा आपराधिक रिकॉर्ड के चलते नहीं लड़ पाएंगे चुनाव

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका की शीर्ष अदालत ने फैसला दिया है कि एक आपराधिक मामले में दोष सिद्धि की वजह से पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को अगले हफ्ते होने वाले संसदीय चुनाव में खड़े होने की इजाजत नहीं है। यह निर्णय अहम चुनाव से पहले देश में राजनीतिक तनाव बढ़ा सकता है। संवैधानिक अदालत ने कहा कि संविधान उन लोगों के चुनाव लड़ने पर रोक लगाता है जिन्हें 12 महीने से ज्यादा की सज़ा दी गई है। जुमा (82) को 2021 में संवैधानिक न्यायालय ने अदालत की अवमानना के मामले में 15 महीने की सज़ा सुनाई थी।

कनाडा में नाव दुर्घटना में तीन की मौत, 5 घायल

ओटावा। कनाडा में शनिवार रात हुई एक नाव दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने रविवार को दी। यह दुर्घटना कनाडा की राजधानी ओटावा से लगभग 140 किमी दक्षिण में बॉब्स झील के क्षेत्र में स्थानीय समयानुसार रात 9:30 बजे (0130 जीएमटी) के बाद हुई। स्थानीय पुलिस ने कहा, "एक नाव को ओपन बो फिशिंग स्टाइल बोट और दूसरे को स्पीड बोट बताया जा रहा है।

प्रचंड ने जीता विश्वास मत

सभा में 157 वोट मिले, 18 महीने में चौथी बार टला संकट

काठमांडू, एजेंसी।

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड ने सोमवार को संसद में विश्वास मत हासिल कर लिया, जो उनके पदभार संभालने के 18 महीने के भीतर चौथा शक्ति परीक्षण था। विश्वासमत हासिल करने के बाद प्रचंड नेपाल में लगातार सत्ता संघर्षों के बीच राजनीतिक स्थिरता बनाए रखने का प्रयास करते हुए गठबंधन सरकार का नेतृत्व करते रहेंगे।

नेपाल की प्रतिनिधि सभा (एचओआर) में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के नेता प्रचंड (69) को 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 157 वोट मिले। सरकार को विश्वास मत हासिल करने के लिए कम से कम 138 मतों की आवश्यकता थी। मतदान में कुल 158 सांसदों ने हिस्सा लिया। मुख्य विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने मतदान प्रक्रिया का बहिष्कार किया और उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री रबी लामिछाने के खिलाफ नारेबाजी की। लामिछाने पर सहकारी निधि के दुरुपयोग का आरोप है। विपक्षी दल की इस नारेबाजी के कारण

मतदान प्रक्रिया में देरी हुई। मतदान के दौरान प्रतिनिधि सभा का एक सदस्य तटस्थ रहा। सदन के अध्यक्ष राज घिमिरे ने घोषणा की कि संसद में बहुमत मिलने के साथ ही प्रचंड ने विश्वास मत हासिल कर लिया है। यह शक्ति परीक्षण गठबंधन सहयोगियों में शामिल जनता समाजबादी पार्टी (जेएसपी) द्वारा पिछले सप्ताह गठबंधन सरकार से समर्थन वापस लिए जाने के कुछ दिनों बाद कराया गया।

इससे पहले, नेपाली कांग्रेस द्वारा अवरोध पैदा किए जाने के कारण मतदान में देरी हुई। नेपाली कांग्रेस ने घोटाले में लामिछाने की संलिप्तता की जांच के लिए संसदीय जांच समिति के गठन की मांग की। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक, किसी सहयोगी दल के सत्तारूढ़ गठबंधन से समर्थन वापस लेने की स्थिति में प्रधानमंत्री को विश्वास मत हासिल करना होता है।

इससे पहले 13 मार्च को तीसरी बार जीता था विश्वास मत

इससे पहले प्रचंड ने 13 मार्च को लगातार तीसरी बार विश्वास मत जीता था। प्रचंड ने तब नेपाली कांग्रेस को छोड़ दिया था और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) के साथ नया गठबंधन बनाया था। पिछले साल, प्रचंड को तब विश्वास मत का सामना करना पड़ा था जब पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन-यूएमएल ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए मुख्य विपक्षी पार्टी के उम्मीदवार का समर्थन करने को लेकर मतभेद के बाद प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था। प्रचंड चौथी बार प्रधानमंत्री का पद संभाल रहे हैं, हालांकि वह अपने पिछले कार्यकालों के दौरान पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए थे।

इजराइल और हमास नेताओं के गिरफ्तारी वारंट का अनुरोध

हेग, एजेंसी : अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत (आईसीसी) के मुख्य अभियोजक करीम खान ने सोमवार को कहा कि वह इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सहित इजराइल और हमास के नेताओं के लिए सात महीने के युद्ध के दौरान उनके कृत्यों के संबंध में गिरफ्तारी वारंट का अनुरोध कर रहे हैं।

करीम खान ने कहा कि उनका मानना है कि नेतन्याहू, उनके रक्षा मंत्री योव गैलेंट और हमास के तीन नेता - येह्या सिनवार, मोहम्मद दीफ और इस्माइल हनियेह - गाजा पट्टी और इजराइल में युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए जिम्मेदार हैं।

खान ने इजराइली कार्रवाइयों के बारे में एक बयान में कहा कि गाजा की नागरिक आबादी के खिलाफ अन्य हमलों और सामूहिक दंड के साथ ही युद्ध की एक विधि के रूप में भुखमरी का इस्तेमाल करने का असर साफ तौर पर नजर आता है। खान ने सात अक्टूबर की हमास की कार्रवाइयों के बारे में कहा कि उन्होंने आज दायर आवेदनों में लगाए आरोपों में उल्लेखित इन हमलों के विनाशकारी दृश्य और अपराधों के गहरे प्रभाव को स्वयं देखा है।

सरयू नदी के पवित्र जल से हिंदू मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा

कोलंबो, एजेंसी।

● श्रीलंका के सीता एलिया गांव में सीता अम्मन मंदिर में हुआ यह आयोजन

श्रीलंका में एक हिंदू मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में अयोध्या की सरयू नदी के पवित्र जल का इस्तेमाल किया गया। इस प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में हजारों लोग शामिल हुए। श्रीलंका के सीता एलिया गांव में सीता अम्मन मंदिर में यह आयोजन हुआ।

भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्रीलंका में सीता अम्मन मंदिर के कुंभाभिषेकम कार्यक्रम में हजारों भारतीय, श्रीलंकाई और नेपाली श्रद्धालु शामिल हुए। इस प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा, आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। देवी सीता को समर्पित इस मंदिर का अभिषेक समारोह सरयू नदी के पवित्र जल से हुआ, जो भारत के अयोध्या से लाया गया था।

श्रीलंका की एक वेबसाइट न्यूज फर्स्ट की रिपोर्ट के मुताबिक भगवान राम की जन्मभूमि माने जाने वाले अयोध्या और देवी सीता का जन्मस्थान माने जाने वाले नेपाल से सीता अम्मन मंदिर को पवित्र प्रसाद प्राप्त हुआ। भारत और श्रीलंका सहित दुनिया भर से श्रद्धालु इस समारोह को देखने और इसमें भाग लेने के लिए एकत्र हुए।

गोपी थोटाकुरा ने पहला भारतीय अंतरिक्ष पर्यटक बनने पर जताया गर्व

ह्यूस्टन (अमेरिका), एजेंसी: उद्यमी और पायलट गोपी थोटाकुरा ने कहा कि उन्हें अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस के ब्लू ओरिजिन के एनएस -25 मिशन पर एक पर्यटक के रूप में अंतरिक्ष में जाने वाला पहला भारतीय बनने पर गर्व है।

थोटाकुरा (30) और पांच अन्य सदस्यों को लेकर गयी ब्लू ओरिजिन की सातवीं मानवयुक्त उड़ान सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में पहुंची। एनएस-25 रविवार सुबह पश्चिम टेक्सास में लॉन्च साइट वन से रवाना हुई थी। वह 1984 में भारतीय सेना के विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष पर्यटक और दूसरे भारतीय बन गए। ब्लू ओरिजिन द्वारा एक्स पर पोस्ट किए एक वीडियो में थोटाकुरा को अंतरिक्ष यान से यह कहते हुए सुना गया भारत अंतरिक्ष में। उन्हें हाथ में एक छोटा भारतीय ध्वज भी पकड़े हुए देखा गया। आंध्र प्रदेश में जन्मे उद्यमी और पायलट थोटाकुरा को एक बैनर पकड़े हुए भी देखा गया जिस पर लिखा था मैं हमारे सतत ग्रह के लिए एक पर्यावरण-योद्धा हूं। उनके साथ अंतरिक्ष में गए चालक दल के अन्य सदस्यों वायुसेना के पूर्व कैप्टन एड ड्वाइट शामिल हैं।

इमरान समेत अन्य आरोपी तोड़फोड़ के दो मामलों में बरी

इस्लामाबाद। मुश्किलों से जूझ रहे इमरान खान को जिला एवं सत्र अदालत के सोमवार के उस आदेश से राहत मिली जिसके तहत पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अन्य नेताओं को तोड़फोड़ के दो मामलों में बरी कर दिया गया।

जियो न्यूज की खबर के अनुसार मार्च 2022 के लॉन्ग मार्च के दौरान तोड़फोड़ से संबंधित दो मामलों में अदालत का फैसला 71 वर्षीय 'पीटीआई' संस्थापक और अन्य राजनेताओं द्वारा उन्हें बरी करने के आग्रह को लेकर दायर की गई याचिका पर सुनवाई के दौरान आया। पार्टी के बरी किए गए अन्य नेताओं में जरताज गुल, अली नवाज अवाना व अन्य शामिल हैं।

कार्निवाल

जर्मनी में वार्षिक कार्निवाल ऑफ कल्चर परेड के दौरान रविवार को वेशभूषाधारी प्रतिभागी परेड में दुनिया भर से हजारों लोग रंगबिरंगी वेशभूषा में पहुंचे। उत्सव में भाग लेते युवती। ● एजेंसी

जूलियन असांजे को प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील की अनुमति

लंदन। ब्रिटेन की एक अदालत ने सोमवार को व्यवस्था दी कि विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे जासूसी के आरोप में स्वयं को अमेरिका प्रत्यर्पित करने के आदेश के खिलाफ अपील कर सकते हैं।

उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीशों ने कहा कि असांजे के पास ब्रिटेन सरकार के प्रत्यर्पण आदेश को चुनौती देने का आधार है। इस फैसले के बाद असांजे के लिए अपील करने का रास्ता साफ हो गया है, जिसके चलते यह कानूनी लड़ाई वर्षों तक खिंच सकती है। असांजे पर जासूसी के 17 आरोप और लगभग 15 साल पहले उनकी वेबसाइट पर अमेरिकी दस्तावेजों के प्रकाशन को लेकर कंप्यूटर के दुरुपयोग का एक आरोप है।

इजराइल-हमास युद्ध के दृश्यों ने मेरा दिल तोड़ दिया: बाइडन

अटलांटा, एजेंसी।

● ऐतिहासिक ब्लैक मोरहाउस कॉलेज में बाइडेन ने कहा - अमेरिकी छात्रों की पीड़ा वह मुझे सकते हैं

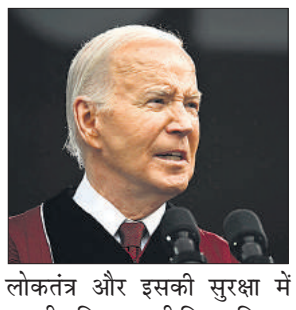

अमेरिका के राष्ट्रपति जो रविववर को कहा कि इजरायल-हमास युद्ध की तस्वीरों ने उनका दिल तोड़ दिया है। बाइडेन ऐतिहासिक ब्लैक मोरहाउस कॉलेज के पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने इजरायल-हमास युद्ध पर अमेरिकी छात्रों की पीड़ा को स्वीकार किया।

उन्होंने छात्रों से कहा मैं शांतिपूर्ण अहिंसक विरोध प्रदर्शन का समर्थन करता हूं। बाइडन ने कहा कि गाजा में मानवीय संकट है इसलिए मैंने युद्ध को रोकने के लिए तत्काल संघर्ष विराम का आह्वान किया है और कहा है कि 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमास आतंकवादियों के हमले के बाद हमास द्वारा अभी भी बंधक बनाए गए लोगों को घर लाया जाए। राष्ट्रपति ने अमेरिकी लोकतंत्र और इसकी सुरक्षा में उनकी भूमिका पर भी विचार किया। बाइडन ने कहा यह दुनिया की सबसे कठिन, सबसे जटिल समस्याओं में से एक है। उन्होंने कहा इसमें कुछ भी आसान नहीं है। मैं जानता हूं कि यह मेरे परिवार सहित आपमें से कई लोगों को क्रोधित और निराश करता है।

इन्फ्लुएंजा से लड़ने में एमआरएनए आधारित टीके महत्वपूर्ण हथियार

कुआलालंपुर, एजेंसी

एमआरएनए टीकों का क्लीनिकल परीक्षण शुरू हो गया है और शोधकर्ताओं को इन्फ्लुएंजा के खिलाफ लड़ाई में इसके व्यापक रूप से सकारात्मक परिणाम मिलने की आशा है। इन्फ्लुएंजा से हर साल दुनिया भर में 6,50,000 लोगों की मौत हो जाती है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, विकासशील देशों में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की 99 प्रतिशत मौतें इन्फ्लुएंजा से संबंधित संक्रमण के कारण होती हैं।

इन्फ्लुएंजा के मौजूदा टीकों में हर साल मौसमी बीमारी के करोड़ों मामलों से प्रभावी ढंग से निपटने की सीमाएं हैं क्योंकि वे केवल एक विशिष्ट स्वरूप या उत्परिवर्तन के खिलाफ प्रतिरक्षा प्रदान करते हैं। फ्लू वायरस के नए स्वरूप में

● हर साल वायरस से साढ़े छह लाख लोगों की होती है मौत

बदलाव का मतलब है कि टीकों की लगातार निगरानी की जानी चाहिए और हर साल उनको विकसित किया जाना चाहिए। लेकिन एमआरएनए तकनीक पर आधारित सार्वभौमिक इन्फ्लुएंजा टीका में विभिन्न स्वरूपों के खिलाफ व्यापक और लंबे समय तक चलने वाली प्रतिरक्षा प्रदान करने की क्षमता है।

एमआरएनए आधारित टीकों का इस्तेमाल कोविड महामारी के दौरान सफलतापूर्वक किया गया था। इस तकनीक से तेजी से टीके का निर्माण किया जा सकता है और कई क्षेत्रों में इन्फ्लुएंजा वायरस के खिलाफ कदम उठाने में मदद मिल सकती है।

इन्फ्लुएंजा के नए स्वरूप हमेशा खतरनाक होते हैं। इनमें से अधिकतर की शुरुआत जानवरों से होती है। 1918 के स्पैनिश फ्लू जैसी महामारी, जिसमें 5 करोड़ लोग मारे गए और एवियन इन्फ्लुएंजा (बर्ड फ्लू) वायरस का हालिया प्रकोप इन्फ्लुएंजा से उत्पन्न खतरे को रेखांकित करता है। यह वायरस के सभी उप स्वरूपों से सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम एक सार्वभौमिक इन्फ्लुएंजा टीके की तत्काल आवश्यकता को भी रेखांकित करता है।

चीन ने बोइंग और दो रक्षा कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

बीजिंग। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने ताइवान को हथियारों की बिक्री करने के लिए सोमवार को बोइंग और अमेरिका की दो रक्षा कंपनियों के खिलाफ प्रतिबंधों की घोषणा की। बीजिंग, ताइवान को हथियारों की बिक्री करने के लिए रक्षा कंपनियों के खिलाफ हाल के वर्षों में प्रतिबंधों की घोषणा कर चुका है।

इसी कड़ी में चीन ने ये नये प्रतिबंध लागू किये हैं। ताइवान एक स्वशासित द्वीप है, जिसे चीन अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने बोइंग डिफेंस, स्पेस एंड सिक्योरिटी यूनिट, जनरल एटमिक एयरोनॉटिकल सिस्टम्स और जनरल डायनेमिक्स लैंड सिस्टम्स पर भविष्य में अपने देश में निवेश करने और कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन व अधिकारियों की यात्रा पर रोक लगा दी।

खगोल विज्ञान | बर्फ के नीचे अति सूक्ष्म कणों का पहली बार पता चला

अंटार्कटिक बर्फ के नीचे से दुर्लभ न्यूट्रिनो की खोज

नैनीताल : वैज्ञानिकों ने अंटार्कटिक बर्फ के नीचे दबे दुर्लभ न्यूट्रिनो की खोज की है। न्यूट्रिनो ब्रह्मांड की उत्पत्ति के दौरान के कण हैं। इनके बर्फ के नीचे मौजूद होने का पहली बार पता चला है। न्यूट्रिनो लगभग एक खरब छोटे कण हर सेकंड हमारे पास से गुजरते हैं।

यह खुले वातावरण में तैरते रहते हैं। इनकी उत्पत्ति बिग बैंग के साथ हुई थी। यह पूरे ब्रह्मांड में मौजूद हैं। इनसे किसी तरह का कोई नुकसान नहीं होता है। ब्लैक होल से भी इनकी उत्पत्ति संभव है, जो इनकी संख्या में वृद्धि करते हैं। ब्रह्मांड में बढ़ी संख्या में मौजूदगी के बावजूद इनका पता लगाना आसान नही है। इनका पता लगाने के लिए न्यूट्रिनो भौतिकविदों को बहुत बड़े प्रयोग करने पड़ते हैं।

अंटार्कटिक की तस्वीर।

अंटार्कटिक बर्फ के नीचे से दुर्लभ न्यूट्रिनो का पता लगाने के लिए भी बड़े प्रयोग वैज्ञानिकों को करने पड़े है। जिसमें आइसक्यूब प्रयोग की मदद लेनी पड़ी। खोजकर्ता वैज्ञानिकों का कहना है कि यह ऊर्जावान न्यूट्रिनो है। जिन्हें ताऊ न्यूट्रिनो के नाम से जाना जाता है। इसका पता लगाने के लिये लगभग 10 वर्षों का डेटा एकत्र करना पड़ा। तब इसकी खोज हो पाई। ऐसी खोज पहली बार हुई है। यह खोज विज्ञान पत्रिका पीयर-रिव्यूड जर्नल फिजिकल लेटर्स में प्रकाशित हुई है। इस खोज से न्यूट्रिनो के अत्यधिक ऊर्जावान कण की उत्पत्ति की प्रक्रिया के बारे में जानकारी मिल पाएगी।

पृथ्वी से अछूते नही ब्रह्मांड की उत्पति के तार

नैनीताल : अति सूक्ष्म न्यूट्रिनो कणों की बर्फ के नीचे दबे होने की खोज बताती है कि ब्रह्मांड की उत्पति के तार पृथ्वी से जुड़े होने से अछूते नही हैं। यह कण सृष्टि के उत्पति के दौरान के अवशेष हैं। तकनीक में निरंतर आ रहे सुधार के चलते यह खोज सम्भव हो पाई है। उम्मीद है कि भविष्य ब्रह्मांड की अति सूक्ष्म जानकारी हमे मिलते रहेगी।